शर्मा शर्डअवेब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 160 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 5 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

भारत 2027 तक दाल उत्पादन के क्षेत्र में होगा आत्मनिर्भर : शाह — पेज 2

जलस्तर में गिरावट के कारण माजुली में नौका सेवाएं निलंबित — पेज 3

मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पीएमश्री स्कूलों के आधुनिकीकरण... — पेज 5

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी के लिए तैयार झारखंड — पेज 7

पूर्वांचल केशरी
(असमीया दैनिक)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात
ये मत सोचो की प्यार और लगाव एक ही चीज है। दोनों एक दूसरे के दुश्मन हैं। ये लगाव ही है जो प्यार को खत्म कर देता है।
– **आचार्य चाणक्य**

हिट एंड रन : असम चालक संघ का दो दिनी हड़ताल आज से

गुवाहाटी (हि.स.)। ऑल असम डे-नाइट सुपर बस ड्राइवर्स यूनियन ने राज्य भर में बस सेवाओं को 48 घंटे के लिए निलंबित करने की घोषणा की है। यह निर्णय केंद्र के भारतीय न्याय संहिता 2023 के हालिया कार्यान्वयन, विशेष रूप से हिट-एंड-रन मामलों के लिए कड़े प्रावधानों के विरोध में लिया गया है। ड्राइवरों का संघ अगले दो से तीन दिनों के भीतर नए कानून में बदलाव की मांग कर रहा है, ऐसा नहीं करने पर उन्होंने हड़ताल बढ़ाने की धमकी दी है। नए कानून के तहत विवादास्पद प्रावधानों में लापरवाही से गाड़ी चलाने से हुई मौत को गैर-जमानती अपराध मानना, वारंट या अदालत की अनुमति के बिना ड्राइवरों की गिरफ्तारी की अनुमति देना आदि शामिल है। यूनियन के सलाहकार रूपम दत्ता ने चिंता जताई कि किसी अदालती सजा से पहले अगर ड्राइवरों को जेल में डाल दिया जाता है तो उनके परिवारों के अस्तित्व संकट में आ जाएगा। संघ कानून पर पुनर्विचार करने और उद्योग के दृष्टिकोण को शामिल करने का आह्वान कर रहा है। हड़ताल 5 और 6 जनवरी को आहुत किया गया है। यदि सरकार यूनियन की चिंताओं का समाधान नहीं करती है और अधिनियम को रद्द नहीं करती है, तो ऑल असम डे-नाइट (पी) सुपर बस ड्राइवर यूनियन ने वाणिज्यिक वाहनों को स्थायी रूप से बंद करने की कसम खाई है। ट्रक चालक पहले से ही हड़ताल पर हैं। इस हड़ताल से पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में यात्री और माल परिवहन के प्रभावित होने की आशंका है। केंद्रीय गृह सचिव ने हालांकि इस मुद्दे पर चर्चा करने के लिए शाम को प्रदर्शनकारी ट्रक चालकों से मुलाकात करने का कार्यक्रम बनाया है, क्योंकि ट्रक चालक भी हिट-एंड-रन मामलों पर नए कानून के खिलाफ अपना विरोध कर रहे हैं। उधर परिवहन ऑपरेटरों, ड्राइवरों और श्रमिकों के संगठन एएमडब्ल्यूजेयू के एक पदाधिकारी ने कहा कि हमने पहले ही तय कर लिया था कि 1 और 6 जनवरी को काम बंद हड़ताल होगी। हम अपने फैसले पर कायम हैं। अफवाह फैलाई जा रही है कि नया कानून लागू नहीं होगा, विरोध के चलते सरकार ने अपना मन बदल लिया है। हम सभी से अनुरोध करते हैं कि ऐसे बयानों से मूर्ख न बनें। भारत की राष्ट्रपति पहले ही नए कानून पर अपनी सहमति दे चुकी हैं, 25 दिसंबर को गजट नोटिफिकेशन भी प्रकाशित हो चुका है। उसके बाद जब गृह सचिव कहते हैं कि इसे लागू नहीं किया जाएगा हमारा विरोध जरूर होगा। अगले 48 घंटों के भीतर, आपको पता चल जाएगा कि यह (नया कानून) सभी को प्रभावित करता है, न कि केवल वाणिज्यिक क्षेत्र को। उधर कानून के खिलाफ ट्रक ड्राइवरों के विरोध प्रदर्शन के बीच गृह सचिव अजय भल्ला ने मंगलवार को कहा था कि नए कानून को लागू करने से पहले उनसे सलाह ली जाएगी। भल्ला ने कहा कि हमने ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के प्रतिनिधियों के साथ चर्चा की। सरकार कहना चाहती है कि नया नियम लागू नहीं किया *-शेष पृष्ठ दो पर*

सीएम ने डिमा हसाउ में राशन कार्ड और छात्राओं के लिए स्कूटर की घोषणा की

हॉफलांग। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने आज डिमा हसाउ के लाइसोंग में एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए क्षेत्र के लिए कई विकासात्मक योजनाओं की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने डिमा हसाउ के सभी परिवारों के लिए राशन कार्ड की घोषणा की और निवासियों से कई सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया। इसके अलावा मुख्यमंत्री ने डिमा हसाउ में रणनीतिक मार्गों के निर्माण के लिए 10-10 करोड़ रुपए देने की भी घोषणा की। सीएम शर्मा ने डिमा हसाउ को पड़ोसी राज्य नगालैंड से जोड़ने वाली 35 किलोमीटर लंबी महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण की योजना की भी घोषणा की। युवाओं के साथ-साथ डिमा हसाउ के बच्चों से अपनी पढ़ाई जारी रखने का *-शेष पृष्ठ दो पर*

उत्तर-पूर्वी महोत्सव 13 से 17 जनवरी तक होगा आयोजित

नई दिल्ली (हि.स.)। पूर्वोत्तर राज्यों की अनूठी कला संस्कृति के साथ-साथ वहां के हस्तकला और शिल्पकला को दिल्लीवासी एक मंच पर देख सकेंगे। पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय 13 जनवरी से भारत मंडपम में *उत्तर-पूर्वी महोत्सव* का आयोजन करने जा रहा है। यह महोत्सव 17 जनवरी तक चलेगा। चार दिवसीय आयोजन में उत्तर पूर्व आठ राज्यों के शिल्पकार, कलाकार भाग लेंगे। इस महोत्सव में प्रवेश नि:शुल्क होगा। गुरुवार को *-शेष पृष्ठ दो पर*

राहुल की यात्रा का नाम बदल कर *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* किया गया

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने राहुल गांधी की यात्रा का नाम बदल दिया है। अब यह यात्रा *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के नाम से जानी जाएगी। यह जानकारी कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान साझा की। जयराम रमेश ने कहा कि कांग्रेस ने आज की बैठक में तय किया है कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा अब 15 राज्यों से होकर गुजरेगी। इस दौरान राहुल गांधी 6700 किलोमीटर की यात्रा करेंगे। उन्होंने कहा कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

न्यूज गैलरी

ड्रग्स तस्करी में शामिल मेघालय पुलिस कर्मी कछार में गिरफ्तार

कछार (हि.स.)। मेघालय के एक पुलिसकर्मी को कछार पुलिस ने ड्रग्स के साथ गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने ड्रग्स से लदे 38 कंटेनरों के साथ मेघालय पुलिस के जवान के साथ एक अन्य व्यक्ति को भी गिरफ्तार किया। पुलिस ने आज बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर कछार पुलिस ने गुरुवार को गुमरा बाजार से मेघालय पुलिस के एक जवान सहित पड़ोसी राज्य के एक और ड्रग्स तस्कर को गिरफ्तार किया। गुमरा थाना प्रभारी पंच पल्लब बोरा के नेतृत्व में पुलिस टीम ने गुमरा बाजार इलाके में *-शेष पृष्ठ दो पर*

प्रधानमंत्री मोदी और गडकरी से मिले मिजोरम के मुख्यमंत्री

एजल/नई दिल्ली (हि.स.)। मिजोरम के मुख्यमंत्री लालदुहोमा ने दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय परिवहन मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की। मुलाकात के दौरान उन्होंने कई प्रमुख मुद्दे उठाए। ज्ञात हो कि मुख्यमंत्री लालदुहोमा नई दिल्ली की तीन दिवसीय यात्रा शुरू की है। दिसंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद राष्ट्रीय राजधानी की यह उनकी पहली आधिकारिक यात्रा है। मुलाकात के दौरान उन्होंने म्यांमार, बांग्लादेश और मणिपुर जैसे उथल-पुथल वाले पड़ोसी क्षेत्रों के शरणार्थियों और आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों और सड़क के महत्वपूर्ण मुद्दों के संबंध में प्रधानमंत्री और परिवहन मंत्री के साथ विस्तार पूर्वक चर्चा की। मिजोरम, संघर्ष और अस्थिरता के कारण भागने वालों के लिए शरणस्थली बना गया है। फरवरी 2021 में सैन्य तख्तापलट के बाद राज्य में म्यांमार के 31 हजार 300 से अधिक लोगों को आश्रय लिया है। इनमें मुख्य रूप से चिन समुदाय के लोग हैं, जिनका मिजो के साथ *-शेष पृष्ठ दो पर*

वन मंत्री पटवारी ने गुणोत्सव का किया मूल्यांकन

शिक्षकों और अभिभावकों को छात्रों के मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान देना चाहिए : पटवारी

गुवाहाटी (हि.स.)। राज्य के वन और पर्यावरण आदि मामलों के मंत्री चंद्र मोहन पटवारी ने आज अमीनगांव बंगाली एलपी स्कूल और दमदमा उच्च विद्यालय का दौरा किया। गुणोत्सव 2024 के पहले चरण के लिए मूल्यांकनकर्ता के रूप में कामरूप में स्कूल वे पहुंचे। इस दौरान मंत्री ने छात्रों और शिक्षकों के साथ बातचीत की। दोनों शैक्षणिक संस्थानों के शैक्षणिक माहौल और बुनियादी ढांचे का आकलन किया। अमीनगांव बंगाली एलपी स्कूल में मंत्री पटवारी ने एक खुशहाल और अनुकूल स्कूल वातावरण बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने माता-पिता और शिक्षकों को छात्रों के जीवन को आकार देने में सहयोग करने के लिए प्रोत्साहित किया। शिक्षकों की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख *-शेष पृष्ठ दो पर*

महिला जज के ऊपर कूद पड़ा युवक, लात-घूंसों से किया हमला

वाशिंगटन। अमेरिका की अदालत में जज जब फैसला सुना रही थी तब एक व्यक्ति ने उन पर हमला कर दिया। अमेरिका की नवाडा कोर्ट में लास वेगास निवासी डियोब्रा रेड्डेन की एक मामले में पेशी थी। मामले में जज मैरी के होल्थस ने रेड्डेन को दोषी पाया और सजा सुनाने लगीं। इस बीच रेड्डेन ने अचानक महिला जज के ऊपर हमला शुरू कर दिया। अदालत कक्ष का वीडियो 3 जनवरी को रिकॉर्ड किया गया, जिसमें रेड्डेन बचाव पक्ष की मेज और जज की *-शेष पृष्ठ दो पर*

चीन की बूढ़ी होती आबादी से परेशान राष्ट्रपति जिनपिंग

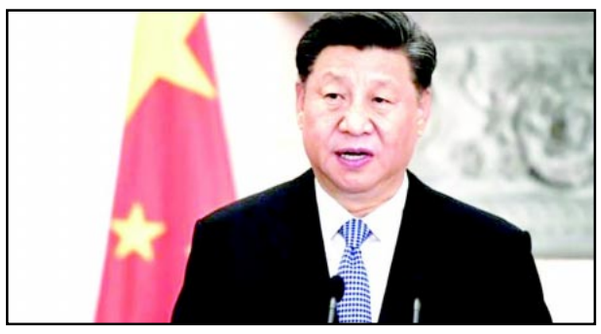

बीजिंग। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग देश की बूढ़ी होती आबादी से परेशान हैं और इसका सारा दोष महिलाओं पर मढ़ रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार नवजात शिशुओं की संख्या में गिरावट के कारण चीन की आबादी लगातार घटती जा रही है। 2022 में चीन में नवजात शिशुओं की संख्या 10 मिलियन से भी कम रही, जबकि 2012 में यह संख्या लगभग 16 मिलियन थी। कुछ अनुमानों के अनुसार, चीन की वर्तमान जनसंख्या लगभग 1.4 बिलियन वर्ष 2100 तक घटकर लगभग 500 मिलियन हो सकती है। इस स्थिति का दोष महिलाओं पर मढ़ा जा रहा है कि वह बच्चे पैदा करने को तैयार नहीं है। हालांकि जिनपिंग सरकार विभिन्न विवाह कार्यक्रम आयोजित कर रही है और सैन्य परिवारों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए एक कार्यक्रम लागू कर रही है। जिसके बाद चीन में सैनिक अभी भी दूसरे और तीसरे बच्चे को जन्म देने व राष्ट्रीय प्रजनन नीति को लागू करने में अग्रणी हैं। दरअसल, चीन की घटती आबादी की समस्या का एक बड़ा कारण इसकी एक बच्चे वाली नीति है। चीन में पहले की तुलना में कम युवा लोग हैं और उनमें महिलाएं भी शामिल हैं। हालांकि अब चीन में कुछ स्थानीय सरकारें उन जोड़ों को नकद प्रोत्साहन देती हैं, जिनके पास दूसरा या तीसरा बच्चा है। झेजियांग प्रांत की एक काउंटी 25 साल की उम्र से पहले शादी करने वाले हर जोड़े को 1,000 युआन का नकद इनाम दे रही है। अक्तूबर में एक भाषण के दौरान चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने सरकार समर्थित ऑल-चाइना महिला फेडरेशन से *महिलाओं से इस समस्या को हल करने* का आग्रह किया था। कमजोर अर्थव्यवस्था और उच्च *-शेष पृष्ठ दो पर*

सुशील कुमार का नीतीश पर तंज, कहा-

बनने चले थे पीएम बनकर रह जाएंगे मुंशी

पटना। भाजपा नेता और राज्यसभा सदस्य सुशील मोदी ने बिहार के सीएम नीतीश कुमार और उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव पर तंज कसा है। इंडिया गठबंधन के संयोजक बनाए जाने के दावे पर उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि पीएम पद के उम्मीदवार बनने की बात कह रहे थे, लेकिन अब संयोजक पद से संतोष करना पड़ेगा। संयोजक की कोई हैसियत नहीं होती है। उसका काम सिर्फ मुंशी भर का होता है। सुशील मोदी ने कहा कि नीतीश कुमार कुछ भी *-शेष पृष्ठ दो पर*

किम जोंग उन की बेटी बनेंगी उत्तर कोरिया की अगली तानाशाह

प्यांगयांग। दक्षिण कोरिया की जासूसी एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग उन की युवा बेटी को उनके पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखा जाता है, यह उस लड़की पर इस तरह का पहला आकलन है जिसे एक साल से कुछ अधिक समय पहले बाहरी दुनिया के सामने लाया गया था। कथित तौर पर लगभग 10 साल की और जू ऐ नाम की लड़की के बारे में बाहरी बहस और अटकलें तेज हो गई हैं, क्योंकि उसने नवंबर 2022 में अपनी पहली सार्वजनिक उपस्थिति दर्ज की थी, जब उसने अपने पिता के साथ लंबी दूरी की मिसाइल परीक्षण लॉन्च देखा था। तब से लड़की अपने पिता के साथ कई प्रमुख सार्वजनिक *-शेष पृष्ठ दो पर*

लक्षद्वीप में समुद्र के किनारे पीएम मोदी ने की मॉर्निंग वॉक

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी लक्षद्वीप यात्रा के बारे में गुरुवार को अपना अनुभव शेयर किया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी यात्रा की कई तस्वीरें शेयर की हैं। तस्वीरों में पीएम मोदी अलग-अलग अंदाज में नजर आ रहे हैं। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप में 1,156 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया था। इसके बाद उन्होंने विभिन्न जगहों की सैर किया। लक्षद्वीप में बेहतरीन अनुभवों को बताने के साथ ही वहां के लोगों के आतिथ्य सत्कार के लिए धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लक्षद्वीप में समुद्र किनारे अपना समय बिताया। उन्होंने बीच पर शांति और प्राकृतिक सुंदरता का आनंद लिया। पीएम मोदी हमेशा एडवेंजर के लिए तैयार रहते हैं। अपनी लक्षद्वीप यात्रा के दौरान उन्होंने समुद्र में डुबकी लगाई और गहरे पानी के अंदर स्नॉर्कलिंग की। पीएम मोदी हमेशा से स्वास्थ्य को प्राथमिकता देते हैं। उनकी लक्षद्वीप यात्रा के दौरान भी इसकी झलक दिखी हैं। उन्होंने समुद्र किनारे मॉर्निंग वॉक किया, जिससे लोगों को उनके स्वास्थ्य के प्रति संदेश देता है। प्रधानमंत्री ने प्रकृति की गोद में छिपे लक्षद्वीप की सुंदरता भी दिखाई है। उन्होंने समुद्र किनारे बसे इस जंगल की तस्वीरें शेयर की हैं। ये तस्वीरें लक्षद्वीप के प्रति पर्यटकों का मन मोहने के लिए काफी हैं। लक्षद्वीप की सुंदरता दिखाने के अलावा पीएम मोदी ने वहां के लोगों से मुलाकात की। पीएम ने कहा कि विभिन्न सरकारी योजनाओं के लाभार्थियों के साथ बातचीत करके अच्छा लगा। उन्होंने वहां के लोगों से बेहतर स्वास्थ्य, आत्मनिर्भरता, महिला सशक्तिकरण, बेहतर कृषि पद्धतियों समेत अन्य चीजों पर बात की। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप में बेहतर आतिथ्य सत्कार के लिए वहां के लोगों को धन्यवाद दिया। पीएम ने कहा कि *-शेष पृष्ठ दो पर*

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc.
ARTCLE WORLD, S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01,
Ph. : 94350-48866, 94018-06952

भारत 2027 तक दाल उत्पादन के क्षेत्र में होगा आत्मनिर्भर : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि वर्ष 2027 से पहले देश दाल उत्पादन के क्षेत्र में पूर्णरूप से आत्मनिर्भर हो, हम इस लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रहे हैं। हमारा प्रयास है कि वर्ष 2028 में विदेश से दाल की खरीद न करनी पड़े। शाह ने गुरुवार को विज्ञान भवन में तूर उत्पादक किसानों के पंजीकरण, खरीद व भुगतान पोर्टल का लोकार्पण करते हुए कहा कि केंद्र सरकार दलहन उत्पादक किसानों के साथ है। उन्होंने किसानों से बड़े पैमाने पर दलहन फसलों की खेती करने का आह्वान किया। सरकार उनके फसल की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) व उस समय के बाजार रेट पर करेगी। आजादी के 75 साल बाद दलहन का आयात करना देश के लिए सम्मानजनक नहीं है। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि के क्षेत्र में दलहन का उत्पादन करने वाले किसानों पर एक महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है कि 2027 तक दलहन

के क्षेत्र में भारत आत्मनिर्भर हो। शाह ने कहा कि दलहन की खेती करने वाले किसानों से वह कहना चाहते हैं कि उनकी उपज की खरीद की जिम्मेदारी केंद्र सरकार की है। भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन महासंघ लिमिटेड (नाफेड) और भारतीय राष्ट्रीय उपभोक्ता सहकारी संघ (एनसीसीएफ) देश में दलहन किसानों से सीधे खरीद करेंगी। किसान फसल से पहले इनके पोर्टल पर पंजीकरण कर सूचित करें, ताकि खरीद में आसानी हो सके। नाफेड और एनसीसीएफ कम से कम एमएसपी या उस समय के बाजार भाव पर दलहन खरीदेंगी लेकिन अगर किसान को बाजार में इससे भी अधिक रेट मिलता है तो वह अपने उत्पाद को बाजार में भी बेच सकेंगे। शाह ने कहा कि पोर्टल पर पंजीकरण, खरीद और भुगतान तक की प्रक्रिया एक ही माध्यम पर उपलब्ध रहेगी। किसान को भुगतान नाफेड की ओर से उनके बैंक खातों में किया जाएगा। किसान-केंद्रित इस पहल का उद्देश्य तूर दाल उत्पादकों को नाफेड और एनसीसीएफ की ओर से खरीद, सुव्यवस्थित प्रक्रियाओं और सीधे बैंक हस्तांतरण के माध्यम से बेहतर कीमतों के साथ सशक्त बनाना है, ताकि घरेलू दलहन उत्पादन को बढ़ावा मिले और आयात निर्भरता खत्म हो सके।

22 तक देशभर में दैनिक सफाई अभियान चलाएगी भाजपा

जेपी नड्डा ने राज्य प्रमुखों को दिया आदेश

नई दिल्ली। इस महीने के अंत में अयोध्या में भव्य राम मंदिर के उद्घाटन को लेकर जनता के साथ-साथ राजनीतिक गलियारे में भी हलचल मची हुई है। चारों तरफ मंदिर के उद्घाटन कार्यक्रम को लेकर उत्साह की भावना है। इस बीच, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने गुरुवार को सभी राज्य नेताओं को 22 जनवरी को अभिषेक समारोह से पहले 2 से 3 घंटे का दैनिक स्वच्छता अभियान चलाने का निर्देश दिया है। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी के शीर्ष नेताओं ने सभी प्रदेश अध्यक्षों को पत्र जारी कर 14 जनवरी से 22 जनवरी को अभिषेक समारोह तक समर्पित स्वच्छता अभियान आयोजित करने और संचालित करने के लिए कहा है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि स्वच्छता पर

विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया जाना है, जिसमें समाज के सभी वर्गों के लोगों को शामिल किया जाएगा। भव्य मंदिर के उद्घाटन के लिए सभी राज्यों में समर्पित स्वच्छता अभियान के अलावा, नड्डा ने अपने राज्य प्रभारियों से यह सुनिश्चित करने के लिए भी कहा है कि 22 जनवरी को दीये (मिट्टी के दीपक) जलाकर दिवाली के रूप में मनाया जाए।

खूंखार आतंकी जावेद मट्टू गिरफ्तार

नई दिल्ली (हि.स.)। दिल्ली पुलिस ने एक बड़ी सफलता हासिल करते हुए हिज्बुल मुजाहिदीन के खूंखार और वांछित आतंकवादी जावेद मट्टू गिरफ्तार किया है। जावेद मट्टू जम्मू-कश्मीर में 11 आतंकवादी हमलों में वांछित था और उस पर 10 लाख से अधिक का इनाम था। दिल्ली पुलिस के विशेष सेल ने मट्टू को गिरफ्तार किया है। इसके पास से एक 9 एमएम स्टार पिस्तौल, 6 जिंदा कारतूस, एक अतिरिक्त मैगजीन और एक चोरी की कार बरामद की गई है। वह जम्मू-कश्मीर में 5 ग्रेनेड हमलों में शामिल था। पांच पुलिस कर्मियों की हत्या और दर्जनों पुलिस कर्मियों और आम नागरिकों को घायल करने में भी शामिल था। उसकी सोपोर (जम्मू-कश्मीर) में हुए एक आईईडी विस्फोट में संलिप्तता थी। दिल्ली के विशेष पुलिस आयुक्त एचजीएस धालीवाल ने पत्रकार वार्ता में बताया कि पुलिस कस्टडी रिमांड पर लेकर मामले में आगे की कार्रवाई करेगी। उन्होंने बताया कि जावेद अहमद मट्टू उर्फ इरसाद अहमद मल्ला उर्फ एहसान (32) सोपोर, जिला बारामूला का एक कॉलेज ड्रॉपआउट है। वह उत्तरी कश्मीर, विशेषकर सोपोर के इलाके में सक्रिय हिज्बुल मुजाहिदीन के सात खूंखार आतंकवादियों के गिरोह का सदस्य है। वह ए श्रेणी का आतंकवादी है और पिछले 13 वर्षों सुरक्षा बलों की पकड़ से बचता रहा है।

ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने के मामले में आज आएगा आदेश

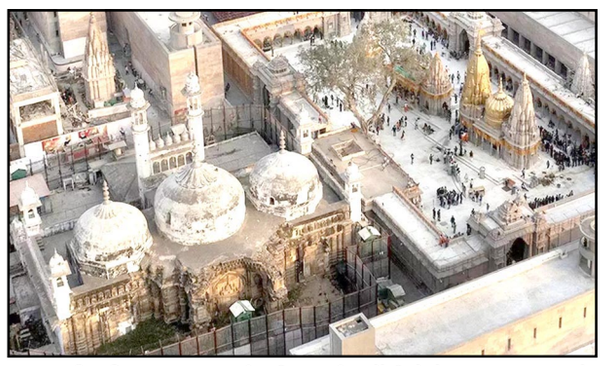

वाराणसी (हि.स.)। ज्ञानवापी परिसर की सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने के मामले में जिला अदालत से गुरुवार को भी कोई आदेश नहीं आया। इस मामले में जिला जज की अदालत में पांच जनवरी शुक्रवार को आदेश आ सकता है। माना जा रहा है कि एएसआई के आवेदन 4 सप्ताह तक सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक न की जाए पर सुनवाई हो सकती है। एएसआई को इलाहबाद हाईकोर्ट ने वर्ष 1991 के लंबित वाद लार्ड विश्वेश्वर मामले में भी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। ऐसे में एएसआई को द्वितीय प्रति तैयार करने में समय लग सकता है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने जिला जज की अदालत में सर्वे रिपोर्ट दो सील बंद लिफाफों में दाखिल की है। वादी हिंदू पक्ष ने रिपोर्ट की प्रति तत्काल दिए जाने का अनुरोध किया है। प्रतिवादी मुस्लिम पक्ष ने पहले आपत्ति जताई थी। लेकिन बाद में उसने भी ईमेल आईडी पर रिपोर्ट मांगी है। प्रतिवादी अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी ने अदालत से अनुरोध किया है कि शपथ पत्र लेने के बाद ही सर्वे की रिपोर्ट दी जाए। उधर, गुरुवार को ही सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक कोर्ट ने एएसआई को 19 जनवरी तक ज्ञानवापी सर्वे रिपोर्ट दाखिल करने को कहा है। वाद मित्र विजय शंकर रस्तोगी की ओर से दाखिल प्रार्थना पत्र पर सुनवाई करते हुए अदालत ने ज्ञानवापी परिसर में हुए सर्वे रिपोर्ट को दाखिल करने का एएसआई को निर्देश दिया है। वादमित्र के प्रार्थना-पत्र पर सुनवाई करते हुए अदालत ने एएसआई को निर्देश दिया कि सर्वे रिपोर्ट अदालत में प्रस्तुत करे और इसकी प्रति वादमित्र विजय शंकर रस्तोगी को उपलब्ध कराए। बीते वर्ष के 19 दिसंबर को इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एएसआई को ज्ञानवापी में हुए सर्वे रिपोर्ट वाराणसी की सिविल जज (सीनियर डिविजन) फास्ट ट्रैक कोर्ट में दाखिल करने का आदेश दिया था। गौरतलब हो कि पं.सोमनाथ व्यास व अन्य ने स्वयंभू विश्वेश्वर ज्योतिर्लिंग की ओर से वर्ष 1991 में ज्ञानवापी में मंदिर निर्माण तथा हिंदुओं को पूजा-पाठ का अधिकार देने को लेकर याचिका दाखिल की थी। इसी मामले में सुनवाई हुई।

राष्ट्रीय पुजारी परिषद ने 22 जनवरी को सार्वजनिक अवकाश की मांग की

मुरादाबाद (हिंस)। राष्ट्रीय पुजारी परिषद के संस्थापक श्याम कृष्ण रस्तोगी ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर मांग की है 22 जनवरी श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव अयोध्या के दिन सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए। श्याम कृष्ण रस्तोगी ने कहा कि करोड़ों-करोड़ों हिंदुओं के आराध्य श्री राम का भव्य मंदिर 500 वर्ष के बाद, लाखों बलिदान देकर यह दिन देखने को मिला है।

बंगाल : सीटें ऑफर किए जाने पर अधीर रंजन का ममता पर पलटवार

कोलकाता। इंडिया गठबंधन में सीट शेयरिंग को लेकर पार्टियों के बीच मनमुटाव की खबरें सामने आने लगी हैं। लोकसभा चुनाव के सीट शेयरिंग को लेकर कांग्रेस और टीएमसी आमने-सामने आ गई है। पश्चिम बंगाल में कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष अधीर रंजन चौधरी ने टीएमसी को निशाने पर लेते हुए कहा कि ममता बनर्जी कांग्रेस के साथ गठबंधन नहीं करना चाहती हैं। उनकी पार्टी लोकसभा चुनाव में अपने दम पर भी चुनाव लड़ सकती हैं। अधीर रंजन चौधरी ने यहां तक कह दिया कि ममता बनर्जी तो पीएम मोदी की सेवा में लगी हुई है। अधीर रंजन चौधरी ने संवाददाताओं से कहा कि उनके पास कौन भीख मांगने गया पता नहीं... हमने तो कोई भीख नहीं मांगी। ममता बनर्जी खुद कह रही है कि वो गठबंधन चाहती हैं। हमें ममता बनर्जी की दया की कोई जरूरत नहीं है। हम अपने दम पर चुनाव लड़ सकते हैं। ममता बनर्जी खुद नहीं चाहती कि गठबंधन हो क्योंकि अगर गठबंधन नहीं होता है तो सबसे ज्यादा खुशी पीएम मोदी को होगी। उन्होंने तंज कसते हुए कहा ममता बनर्जी आज पीएम मोदी की सेवा में लगी हुई हैं।

सुखपाल खैहरा को मिली जमानत

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाई कोर्ट ने गुरुवार को कांग्रेस विधायक सुखपाल सिंह खैहरा को राहत प्रदान करते हुए जमानत प्रदान कर दी है। सुखपाल सिंह खैहरा वर्ष 2015 में दर्ज हुए एनडीपीएस मामले के तहत जेल में हैं। इस केस में विजिलेंस ने उन्हें गिरफ्तार किया था। करीब डेढ़ माह पहले इस केस में फैसला सुरक्षित रखा गया था। कांग्रेस के विधायक सुखपाल खैरा को 28 सितंबर 2023 की सुबह जलालाबाद जिले की पुलिस ने उनके चंडीगढ़ स्थित घर से गिरफ्तार किया था।

केजरीवाल सरकार की बढ़ीं मुश्किलें

फर्जी टेस्ट के मामले में एलजी ने दिए सीबीआई जांच के आदेश

नई दिल्ली। दिल्ली में केजरीवाल सरकार की मुश्किलें फिर बढ़ने वाली हैं। निजी प्रयोगशालाओं को लाभ पहुंचाने के लिए मोहल्ला क्लीनिक द्वारा फर्जी जांच का परामर्श दिए जाने के आरोपों को लेकर एलजी वीके सक्सेना ने सीबीआई जांच के आदेश दिए हैं। राज निवास के सूत्रों ने इस बात की जानकारी दी है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब कुछ दिन पहले ही सक्सेना ने दिल्ली सरकार के अस्पतालों में दवाओं की कथित आपूर्ति की सीबीआई जांच का आदेश दिया था। इसमें कहा गया था कि ये दवाएं *गुणवत्ता मानक जांच* में खरी नहीं पाई गईं। मोहल्ला क्लीनिक दिल्ली सरकार द्वारा संचालित किये जाते हैं। एक सूत्र ने बताया कि पिछले साल सामने आया था कि चिकित्सक मोहल्ला क्लीनिक में नहीं आ रहे थे, लेकिन फिर भी उन्हें उपस्थित दिखाया जा रहा था। उनकी अनुपस्थिति के बावजूद मरीजों को जांच और दवाएं लिखी जा रही थीं। बाद में, पाया गया कि *फर्जी* रोगियों पर परीक्षण किए गए थे। इसके संबंध में ही सीबीआई जांच के आदेश दे दिए गए हैं। इस मामले पर सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी (आप) की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है।

पृष्ठ एक का शेष

हिट एंड रन : असम ...

गया है। भारतीय न्याय संहिता को लागू करने से पहले हम एआईएमटीसी के साथ चर्चा करेंगे और उसके बाद ही कोई निर्णय लेंगे। उधर हड़ताल के कारण पेट्रोल-डीजल और एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति भी प्रभावित होने की आशंका है। मालूम हो कि हाल ही में अधिनियमित बीएनएस के तहत हिट-एंड-रन के नए प्रावधानों के अनुसार, कोई व्यक्ति घातक दुर्घटना का कारण बनता है और अधिकारियों को रिपोर्ट किए बिना घटनास्थल से भाग जाता है, तो उसे 10 लाख रुपए के जुर्माने के साथ 10 साल तक की जेल की सजा हो सकती है। बीएनएस से पहले हिट-एंड-रन मामलों में आरोपी व्यक्तियों पर भारतीय दंड संहिता की धारा 304ए के तहत मुकदमा चलाया जाता था, पहचान होने पर दो साल तक की जेल की सजा का सामना करना पड़ता था। सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने 2022 में भारत में सड़क दुर्घटनाओं में चिंताजनक 12 फीसदी की वृद्धि दर्ज की, जिसके परिणामस्वरूप हर घंटे 19 लोगों की दुखद मौत हुई। रिपोर्ट में कुल 4,61,312 सड़क दुर्घटनाओं का संकेत दिया गया, जिसमें 1,68,491 लोगों की जान गई और 4,43,366 लोग घायल हुए।

सीएम ने डिमा हसाउ ...

आग्रह करते हुए मुख्यमंत्री ने कॉलेजों में पढ़ने वाली सभी छात्राओं के लिए स्कूटी की घोषणा की। असम के मुख्यमंत्री ने आज लाइसोंग में आयोजित सार्वजनिक बैठक में कहा कि हमारी सरकार डिमा हसाउ के उन युवाओं की मदद करेगी जो राज्य पुलिस सेवाओं में शामिल होने पर विचार कर रहे हैं। असम सरकार ग्रेड थ्री और फोर सरकारी सेवाओं के लिए आवेदन करने पर विचार कर रहे सभी युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करेगी। हमारा अंतिम उद्देश्य अधिकतम नौकरियां प्रदान करना है।

उत्तर-पूर्वी महोत्सव ...

मीडिया सेंटर में उत्तर-पूर्वी महोत्सव पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार ने बताया कि मंत्रालय पहली बार अनूठा महोत्सव करने जा रहा है, जिसमें आठ राज्यों से लगभग 250 से अधिक हस्तशिल्पकार, हस्तकरघा क्षेत्र से जुड़े लोग, लोक कलाकार भाग ले रहे हैं। इस महोत्सव में इन राज्यों के 13 जीआई टैग के हैंडलूम और बुनकर भाग ले रहे हैं। इसके साथ उत्तरपूर्वी राज्यों के व्यंजनों का भी लुत्फ उठाने का मौका मिलेगा। चंचल कुमार ने बताया कि पहली बार आयोजित होने वाले इस महोत्सव में लोग आठ से अधिक हैंडीक्राफ्ट आईटम को लाइव बनता देख सकेंगे। इस आयोजन में युवाओं के साथ संवाद का विशेष सत्र रखा गया है। इसके साथ पूर्वोत्तर राज्यों के ग्रामीण अंचल के गीत संगीत के बैंड ग्रुप भी रोजाना अपनी प्रस्तुति देंगे। दो फैशन शो का भी आयोजन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अब यह हर साल आयोजित किया जाएगा। पूर्वोत्तर हस्तशिल्प और हथकरघा विकास निगम के महानिदेशक आरके सिंह ने बताया कि इस महोत्सव में पूर्वोत्तर राज्यों की हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के लिए यह महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसमें व्यापार के साथ लोग पूर्वोत्तर की संस्कृति को करीब से देखने का मौका मिलेगा। बांस से बनी चीजों के साथ इन्हें बनाते हुए कलाकारों से भी दिल्ली वासी रूबरू हो सकेंगे। इसके साथ पूर्वोत्तर राज्यों में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए वहां के टूरिज्म क्षेत्र को भी लोग बेहतर तरीके से समझ सकेंगे।

राहुल की यात्रा का ...

अधिकतर यात्रा बस से की जाएगी। यात्रा के दौरान कुल 110 जिलों को कवर किया जाएगा। इस दौरान 100 लोकसभा सीटें और 337 विधानसभा सीटों से यात्रा होकर गुजरेगी। इस यात्रा में 67 दिन लगने की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी यात्रा के दौरान सबसे अधिक समय उत्तर प्रदेश में गुजारेंगे। यहां यात्रा 11 दिनों तक चलेगी और इस दौरान करीब 20 जिलों को कवर करने की योजना है। रमेश ने कहा कि मणिपुर में कुल 107 किलोमीटर की यात्रा होगी। जो चार जिलों से यात्रा होकर गुजरेगी। नगालैंड में दो दिन यात्रा चलेगी। असम में 8 दिन में 17 जिलों से यात्रा गुजरेगी। अरुणाचल प्रदेश में राहुल गांधी यात्रा के दौरान एक दिन बिताएंगे और इस दौरान एक जिले की यात्रा करेंगे। यह यात्रा मेघालय में एक दिन बिताएगी। इसके बाद पश्चिम बंगाल के सात जिलों को पांच दिन में कवर किया जाएगा। बिहार में 425 किलोमीटर की यात्रा चार दिन में की जाएगी। इस दौरान 7 जिलों को कवर किया जाएगा। कांग्रेस महासचिव ने कहा कि झारखंड में यात्रा आठ दिनों तक रहेगी और यहां 13 जिलों को कवर किया जाएगा। ओडिशा में यात्रा 341 किलोमीटर की होगी। यहां चार दिन की यात्रा होगी। छत्तीसगढ़ में 536 किलोमीटर की यात्रा को पांच दिनों में पूरा किया जाएगा। इस दौरान सात जिलों से होकर यात्रा गुजरेगी। जयराम रमेश ने कहा कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा मध्य प्रदेश में सात दिन में 9 जिले, राजस्थान में एक दिन में एक जिले, गुजरात में पांच दिनों में सात जिलों से होकर गुजरेगी। महाराष्ट्र में करीब 480 किलोमीटर की यात्रा की जाएगी। इस दौरान पांच दिन में छह जिलों की यात्रा की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी और...

जातीय संबंध है। इसके अतिरिक्त, नवंबर 2022 में बांग्लादेश के चटगांव पहाड़ी इलाकों में एक सैन्य हमले के कारण बावम समुदाय के एक हजार से अधिक लोगों ने मिजोरम में शरण की मांग की। इसके अलावा, मई 2023 में मणिपुर में एक जातीय संघर्ष के कारण नौ हजार से अधिक आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों को मिजोरम में शरण लेनी पड़ी। इन मानवीय संकटों के कारण मिजोरम पर वित्तीय दबाव काफी बढ़ा। राज्य सरकार ने पहले मणिपुर के आंतरिक रूप से विस्थापित लोगों की सहायता के लिए केंद्र से 10 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता का अनुरोध किया था, लेकिन लालदुहोमा की यात्रा के समय केंद्र सरकार ने कोई आश्वासन नहीं दिया।

शिक्षकों और अभिभावकों ...

करते हुए उन्होंने छात्रों को उनके विकास के लिए सर्वोत्तम अवसर प्रदान करने की आवश्यकता पर जोर दिया। मंत्री ने छात्रों से बातचीत की और शैक्षणिक सुविधाओं का निरीक्षण किया। बाद में मंत्री पटवारी ने गुणोत्सव 2024 के हिस्से के रूप में दमदमा हाई स्कूल का दौरा किया। उन्होंने समग्र शैक्षणिक माहौल पर संतुष्टि व्यक्त की और छात्रों और शिक्षकों दोनों के साथ सार्थक बातचीत की और युवा छात्रों के साथ मध्याह्न भोजन में भाग लिया। स्कूल के ऐतिहासिक महत्व को स्वीकार करते हुए, मंत्री ने दुनिया भर में विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली छात्रों को तैयार करने में इसकी भूमिका को स्वीकार किया। यह कहते हुए कि स्कूल में काफी अनुशासन है, उन्होंने स्कूल के खुशनुमा माहौल के लिए शिक्षकों और प्रशासकों की सराहना की। उन्होंने शिक्षकों और अभिभावकों से छात्रों की मानसिक स्वास्थ्य आवश्यकताओं पर ध्यान देने और उनके मुद्दों का समाधान खोजने में मदद करने का आह्वान किया। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सभी बुनियादी ढांचे और सुविधाएं प्रदान करने के लिए है, लेकिन अपने करियर को आकार देने के लिए कड़ी मेहनत करने की जिम्मेदारी छात्रों पर है। उन्होंने कहा कि आज के प्रतिस्पर्धी माहौल में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए समर्पण जरूरी है। उन्होंने जमीनी स्तर पर खेल और सांस्कृतिक प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने के लिए राज्य सरकार की खेल महारण और सांस्कृतिक महारण पहल पर भी प्रकाश डाला। शैक्षणिक उपलब्धियों की सराहना करते हुए मंत्री पटवारी ने बुनियादी ढांचे में सुधार के क्षेत्रों की भी पहचान की। उन्होंने कहा कि वह शिक्षा मंत्री को कुल 1074 छात्रों के नामांकन वाले इस स्कूल की आवश्यकताओं के बारे में सूचित करेंगे और स्कूल के लिए अतिरिक्त धन की व्यवस्था करने के रास्ते तलाशेंगे। मंत्री ने कक्षाओं, पुस्तकालय और स्वच्छता सुविधाओं सहित स्कूल के बुनियादी ढांचे का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिला विकास आयुक्त (डीडीसी), अतिरिक्त उपायुक्त (एडीसी), सहायक आयुक्त और स्कूल निरीक्षक कामरूप उपस्थित थे।

महिला जज के ...

बेंच पर छलांग लगा देते हैं। हालांकि जज होल्थस को मामूली चोटें आईं, लेकिन उन्हें अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता नहीं पड़ी। हमले से ठीक पहले रेड्डुन के वकील ने उन्हें जेल न भेजने की मांग की थी। लेकिन जज ने इस मांग को खारिज कर दिया और फिर रेड्डुन ने हमला कर दिया। हस्तक्षेप करने वाले एक कोर्ट रूम मार्शल के सिर पर चोट आई और कंधा में भी चोट लगी। जिससे अस्पताल में इलाज की आवश्यकता पड़ी। यह हमला क्षेत्रीय न्याय केंद्र पर सुबह करीब 11 बजे हुआ। फॉक्स 5 को जारी अपने बयान में जज ने हमले के दौरान आरोपी को कंट्रोल करने वाले सभी लोगों के वीरता की सराहना की। महिला जज ने कहा कि अदालत एक सुरक्षित कोर्ट हाउस और कोर्ट रूम के लिए प्रतिबद्ध है। हम अपने सभी प्रोटोकॉल की समीक्षा कर रहे हैं। न्यायपालिका, जनता और हमारे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए जो भी आवश्यक हो वो करें।

चीन की बूढ़ी ...

बेरोजगारी का सामना करने की वजह से कई युवा चीनी निराश हैं और अपने माता-पिता की पीढ़ी की तुलना में एक अलग जीवन शैली की तलाश कर रहे हैं। कई महिलाओं को लगता है कि शादी और बच्चे पैदा करने का स्थापित मॉडल अनुचित है। जिन बुजुर्गों की एक ही संतान है और वो भी सिर्फ लड़की तो वह उनकी देखभाल के लिए मुश्किल से समय निकाल पाती है। ऐसे में उसको लगता है कि अगर वह शादी करेगी तो अपने पति और बच्चे को समय नहीं दे पाएगी, इसलिए चीन में बड़ी तादाद में महिलाएं शादी भी नहीं कर रही है। चीनी सरकार ने 2015 में अपनी 35 साल पुरानी एक बच्चे नीति को समाप्त करने की घोषणा की थी तो अधिकारियों को बेबी बूम की उम्मीद थी। इसके लिए सरकार की तरफ से नवनिर्मित प्रसूति वार्ड खोले गए, लेकिन वह कुछ ही वर्षों में बंद हो गए। शिशुओं पर ध्यान केंद्रित करने वाले व्यवसाय अब वृद्ध आयु समूहों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। बच्चों की देखभाल के बनाए गए नए किंडरगार्टन में छात्रों की कमी के कारण इनमें से कई बंद हो गए हैं। 2022 में चीन में प्रीस्कूल शिक्षा संस्थानों की संख्या में 2 फीसदी की कमी आएगी, जो 15 वर्षों में पहली गिरावट है। शोधकर्ताओं का अनुमान है कि 2023 में चीन में जन्मों की संख्या 9 मिलियन से कम हो जाएगी। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2023 में भारत में जन्मों की संख्या 23 मिलियन तक पहुंच जाएगी और चीन को पछाड़कर दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। संयुक्त राष्ट्र का अनुमान है कि 2023 में संयुक्त राज्य अमेरिका में लगभग 3.7 मिलियन बच्चों का जन्म होगा।

बनने चले थे ...

बने क्या फर्क पड़ेगा? चले थे पीएम उम्मीदवार बनने अब संयोजक से संतोष करना होगा। उन्होंने कहा कि संयोजक की कोई हैसियत नहीं होती है। उसका काम सिर्फ मुंशी भर का होता है। क्या वो ममता/सीपीएम, केजरीवाल/कांग्रेस, कांग्रेस/सीपीएम से समझौता करा पाएंगे? नीतीश कुमार कांग्रेस को ब्लैकमेल कर रहे हैं कि संयोजक बनाओ नहीं तो मैं भाजपा के साथ चला जाऊंगा। सुशील मोदी ने कहा कि तेजस्वी से मैं कहना चाहूंगा कि देश और बिहार के सभी मंदिर मस्जिद तुड़वा कर वहां फिर अस्पताल बनवा दें। मंदिर एवं अस्पताल दोनों के महत्व हैं। लोग आस्था के सहारे पूरी जिंदगी काट देते हैं। तेजस्वी के पिता ने कारसेवकों पर गोली चलाने के मुलायम के फैसले का समर्थन किया था। उन्होंने कहा कि ये लोग ऐसी बातें बोलकर हिंदुओं को भड़काना और मुसलमानों को खुश करना चाहते हैं। राम मंदिर का निर्माण कोर्ट के निर्देश पर हो रहा है आप हिंदुओ की आस्था पर चोट ना कीजिए। उन्होंने कहा कि तेजस्वी यादव ने एक लाख लोगों को भी रोजगार नहीं दिया? नौकरी और मंदिर दोनों जरूरी है। अगर ऐसा है तो पुनौरा धाम नीतीश कुमार क्यों गए? तेजस्वी तो पर्यटन मंत्री होते हुए।। जिसके मंत्रालय का कार्यक्रम था नहीं गए। इनको धर्म पूजा पाठ से कोई मतलब नहीं है, जो 22 जनवरी के कार्यक्रम का विरोध करेंगे उनको जनता चुनाव में सबक सिखाएगी। उन्होंने कहा कि सत्ता से 10 साल बाद भी पीएम मोदी की रेटिंग 76 फीसदी है। जनता पीएम मोदी के खिलाफ ऐसी हल्की बातों का जवाब देगी। मणिशंकर अययर, सोनिया, राहुल गांधी ने जो पीएम के खिलाफ बोला।। जनता ने उसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि ईडी जैसी संस्थाओं सम्मन करती है तो आज या कल जाना पड़ेगा, हेमंत सोरेन हो, केजरीवाल हो या तेजस्वी यादव। आप ईडी के सामने जाईए और सवालों का जवाब दीजिए, वरना एजेंसियों के पास इतनी ताकत है कि वो आपको हाजिर करा देगी। इनको जनता की सहानुभूति नहीं मिलेगी, क्योंकि जनता इनके करप्शन को समझ गई है।

किम जोंग उन...

कार्यक्रमों में गई है, राज्य मीडिया ने उसके पिता की सबसे प्यारी या सम्मानित संतान को बुलाया है और फुटेज और तस्वीरों पर मंथन किया है जो उसकी बढ़ती राजनीतिक प्रतिष्ठा और उसके पिता के साथ निकटता को साबित करता है। सितंबर में एक वीआईपी अवलोकन स्टैंड पर एक सैन्य परेड देखने के दौरान जब वह ताली बजा रही थी तो एक वरिष्ठ जनरल ने घुटनों के बल बैठकर फुसफुसाया। नवंबर में वायु सेना मुख्यालय की यात्रा के दौरान एक बिंदु पर अपने पिता के सामने खड़े होकर उसकी तस्वीर खींची गई थी, जिसमें दोनों किम धूप का चश्मा और लंबी चमड़े की जैकेट पहने हुए थे। खचाखच भरे प्योंगयांग स्टेडियम में नए साल की पूर्व संध्या के जश्न में किम जोंग उन ने उनके गाल पर चुंबन किया और उन्होंने अपने पिता के साथ भी ऐसा ही किया। इनमें से अधिकांश दृश्य कुछ ऐसे हैं जो उत्तर कोरिया में अकल्पनीय थे, जहां किम एक मजबूत और वफादार अनुयायियों का विषय है जो उन्हें भगवान की तरह मानते हैं। दक्षिण कोरिया की मुख्य जासूसी एजेंसी, नेशनल इंटेलिजेंस सर्विस ने गुरुवार को कहा कि वह किम जू ऐ को उनके पिता के संभावित उत्तराधिकारी के रूप में देखती है, उनकी सार्वजनिक गतिविधियों और उन्हें प्रदान किए गए राज्य प्रोटोकॉल के व्यापक विश्लेषण का हवाला देते हुए।

लक्षद्वीप में समुद्र ...

मुझे लक्षद्वीप के लोगों के बीच रहने का अवसर मिला। मैं अभी भी इसके द्वीपों की अद्भुत सुंदरता और यहां के लोगों की अविश्वसनीय गर्मजोशी से हैरान हूं। मुझे अगत्ती, बंगाराम और कावारत्ती में लोगों से बातचीत करने का अवसर मिला। मैं द्वीप के लोगों को उनके आतिथ्य के लिए धन्यवाद देता हूं। पीएम मोदी ने लक्षद्वीप कई परियोजनाओं की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि लक्षद्वीप में हमारा ध्यान बेहतर विकास के माध्यम से जीवन का उत्थान करना है। उन्होंने भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, तेज इंटरनेट और पीने के पानी पर विशेष रूप से जोर दिया।

ड्रग्स तस्करी में ...

एक ऑल्टो (एमएल-10सी-7583) पर छापा मारा और मादक पदार्थ जब्त करने में सफल रहे। पुलिस ने वाहन से 38 प्लास्टिक के छोटे-छोटे कंटेनर बरामद कर उन्हें जब्त कर लिया है। इसके अलावा पुलिस ने 32 हजार 250 रुपए नकद और चार मोबाइल हैंडसेट भी जब्त किए हैं। मेघालय पुलिस के जवान करण गुरुंग (30) को पुलिस ने हिरासत में लिया है। बिनय नुंगप्लुह (30) शिलांग के उमियांग का रहनेवाला हैं।

जलस्तर में गिरावट के कारण माजुली में नौका सेवाएं निलंबित

माजुली (हिंस)। अंतर्देशीय जल परिवहन (आईडब्ल्यूटी) विभाग ने गुरुवार को माजुली में ब्रह्मपुत्र नद के किनारे निमाती घाट और कमलाबाड़ी घाट के बीच राज्य सरकार द्वारा संचालित पांच नौका सेवाओं को निलंबित कर दिया गया है। विभाग ने यह निर्णय ब्रह्मपुत्र नद के जलस्तर में गिरावट के कारण लिया। इस मार्ग पर नौका सेवाओं का संचालन मुश्किल हो गया है। नौका सेवाओं को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित कर दिया गया है। शेष दो घाट कल तक मार्ग पर चालू थे, उन्हें भी आज विभाग द्वारा निलंबित कर दिया गया। जो यात्री नियमित रूप से इस मार्ग का उपयोग करते हैं, उन्हें आवागमन के लिए छोटी नावों का सहारा लेना पड़ रहा है। निमाती घाट और कमलाबाड़ी घाट के बीच निर्दिष्ट मार्ग पर ब्रह्मपुत्र नद के जलस्तर में पिछले कुछ दिनों में अचानक और तेजी से गिरावट देखी गई। जिससे आईडब्ल्यूटी को नौका सेवाओं को निलंबित करना पड़ा। दूसरी ओर, जल परिवहन विभाग ने यात्रियों के लिए रो-पैक्स फेरी उपलब्ध कराई है, जो नए समय के साथ अफलामुख घाट और निमाती घाट के बीच चलेगी।

त्रिपुरा में 38 किग्रा गांजा के साथ तीन तस्कर गिरफ्तार

अगरतला (हिंस)। त्रिपुरा में 38.60 किलोग्राम गांजा के साथ तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया है। त्रिपुरा पुलिस ने आज बताया कि राज्य के धलाई जिले की अंबासा पुलिस ने छापेमारी के दौरान गांजा जब्त किया। बेंतबागान नाका प्वाइंट पर एक लग्जरी वाहन की तलाशी लेने पर 52 गांजे के पैकेट बरामद किए गए। टायरों के अंदर छिपाकर रखे गए पैकेटों से कुल 25 किलोग्राम गांजा जब्त किया गया। गांजे के साथ वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया। इसी बीच, चलाए गए एक अन्य अभियान में आमबासा पुलिस ने गांजे के 26 पैकेट जब्त किए।

24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल, रंगिया ने लगाया स्वास्थ्य जांच शिविर

कुमारीकाटा। 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया (असम) के द्वारा श्री दीपक सिंह कमांडेट के मार्गदर्शन में दिनांक-04.01.24 तक आयोजित किए गए नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत वाहिनी के कार्य क्षेत्र में गांव ड़ागरगांव-01 में मानव चिकित्सा शिविर लगाया गया हैं, जिसमें डॉ. महेश कुमार सहायक कमांडेट (चिकित्सा अधिकारी) द्वारा नागरिकों के स्वास्थ की जांच कर उचित परामर्श दिया गया तथा इस चिकित्सा शिविर पुरुष, महिला एवं बच्चों को स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक दवाईयां वितरण की गई। इसके अतिरिक्त 24वीं वाहिनी रंगिया द्वारा निरंतर चिकित्सा ओपीडी सेवाएं भी उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिसमें कोई भी नागरिक अपनी स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं के लिए परामर्श ले सकते हैं

एवं भविष्य में भी 24वीं वाहिनी सशस्त्र सीमा बल रंगिया द्वारा निरतंर ग्रामीणो के लिए चिकित्सा ओपीडी सेवा दी जाती रहेंगी। 24वीं वाहिनी रंगिया द्वारा नागरिक कल्याण कार्यक्रम के तहत सीमा क्षेत्र के युवाओं के समुचित विकास एवं रोजगार अवसर प्रदान करने में सहायक विशेष प्रकार के प्रशिक्षण कार्यक्रम जैसे-कंप्यूटर कोर्स, सिलाई-बुनाई, मशरूम कल्टीवेशन कोर्स चलाए जा रहे हैं एवं आने वाले समय में मधुमख्खी पालन, सुअर/बकरी पालन, घरेलू उपकरण एवं इलक्ट्रिक वायरिंग प्रशिक्षण कोर्स इत्यादि चलाए जायेंगे। इसके साथ ही वाहिनी द्वारा निरतंर नशा मुक्त भारत अभियान, पर्यावरण के लिए जीवन शैली, पशु चिकित्सीय कार्यक्रम, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, स्वच्छ भारत अभियान, इत्यादि कार्यक्रम सीमाक्षेत्र के नागरिकों के साथ मिलकर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं।

उपमुख्यमंत्री ने राज्यपाल परनायक से की मुलाकात

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के उपमुख्यमंत्री चोना मीन ने आज राजभवन में राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक से मुलाकात की। उन्होंने नए साल की शुभकामनाएं दीं और राज्य में विकास संबंधी मुद्दों पर चर्चा की। राज्यपाल ने नए साल में जलविद्युत और पर्यटन क्षेत्रों, विशेष रूप से पर्यावरण, साहसिक और धार्मिक पर्यटन पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कीवी, संतरा और सेब जैसी बेशकीमती वस्तुओं के लिए अनुकूल भूभाग होने के कारण बागवानी के अलावा राज्य में इन दोनों क्षेत्रों में भारी संभावनाएं हैं। राज्यपाल ने विजयनगर के स्थानीय निवासियों की बुनियादी जरूरतों को पूरा करने के लिए सौर प्रकाश जैसे गैर-पारंपरिक ऊर्जा संसाधनों को बढ़ावा देने का सुझाव दिया। राज्य की वनस्पति और जीव। उन्होंने यात्रियों के पसंदीदा स्थानों में भविष्य में पर्यटकों के लिए पर्यटन बुनियादी ढांचे के विस्तार का भी आह्वान किया। राज्यपाल ने उपमुख्यमंत्री को सलाह देते हुए जोर दिया कि कार्यालय स्वचालन से सरकार को राज्य के दशकीय विकास के तुलनात्मक विश्लेषण और उन क्षेत्रों की पहचान करने में मदद मिलेगी।

नकली मुद्रा और नकली सोना समेत तीन गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। एसटीएफ की टीम ने जोराबाट पुलिस आउट पोस्ट इलाके के आठ माइल से नकली मुद्रा और नकली सोना समेत तीन तस्करों को गिरफ्तार किया है। एसटीएफ ने गुरुवार को बताया कि बीती रात एसटीएफ की एक टीम ने इंस्पेक्टर कपील पाठक के नेतृत्व में आठ माइल इलाके से नकली सोने की नाव जब्त की और नकली नोटों के साथ 3 तस्करों को गिरफ्तार किया हैं। एसटीएफ की एक टीम ने कार (एएस-01डीजे-0208) की तलाशी के दौरान एक किलो 627 ग्राम नकली सोने की नाव जब्त कर 76 हजार 500 सौ नकली नोट बरामद

किए। तीन तस्करों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार तस्करों की पहचान मंसूर अली (लक्ष्मीपुर), राजीब अली (बरपेटा) और अंसार अली (बरपेटा) के रूप में की गई। एसटीएफ इस संबंध में एक प्राथमिक की दर्ज कर गिरफ्तार सभी तस्करों से सघन पूछताछ कर रही है।

मणिपुर : कुकी की मदद से सुरक्षा बलों ने मैतेई चालक को बचाया

इंफाल (हिंस)। कुकी बुजुर्गों और युवाओं की मदद से एक मैतेई ड्राइवर कोनथौजम डिंगकू को बचाने में सुरक्षा बलों को कामयाबी मिली। यह घटना तब हुई जब बीएसएफ जवानों को काकचिंग में सेरोउ प्रैक्टिकल हाई स्कूल में उनके कैंप तक ले जाते समय डिंगकू गलती से गाड़ी लेकर कुकी गांव टी लैलोइफाई में चला गया। इस घटना को लेकर बीएसएफ जवानों और कुकी के बीच तीखी बहस हो गई। जिसके बाद चालक डिंगकू की आंखों पर पट्टी बांध दी गई और कुकी समूह द्वारा एक गुप्त स्थान पर ले जाया गया। बाद में उन्हें असम राइफल्स और बीएसएफ जवानों ने बचाया। बचाव के बाद, लैलोइफाई गांव के स्थानीय लोगों ने बचाव की अनुमति देने के लिए अपने ग्राम प्रधान की कुछ घरेलू संपत्तियों को नष्ट कर दिया। जानकारी के अनुसार काफिला गलती से गलत मार्ग पर चला गया और टी लैलोइफाई गांव में पहुंच गया, जहां कुकी भीड़ ने उन्हें रोक लिया और ड्राइवरों का सत्यापन करना शुरू कर दिया। अन्य सभी ड्राइवर मुस्लिम थे, उन्हें कोई नुकसान नहीं पहुंचाया गया। डिंगकू मैतेई है इसलिए उसे भीड़ ने खींच लिया। भीड़ और बीएसएफ जवानों के बीच बहस शुरू हो गई। वाहन मालिक के साथ बातचीत करते हुए डिंगकू की एक ऑडियो रिकॉर्डिंग से पता चलता है कि कुछ युवाओं और गांव के बुजुर्गों ने उसकी आंखों पर पट्टी बांध दी थी और उसे एक पहाड़ी पर ले गए थे, जहां से उसे असम राइफल्स और बीएसएफ ने बचाया था। संगाईकोट पुलिस ने डिंगकू और वाहन को बिष्णुपुर पुलिस को सौंप दिया है।

बाघमारा चर में एआईयूडीएफ के प्रमुख ने किया विशाल जनसभा को संबोधित

चरवासियों से शिक्षा की उन्नति पर विशेष ध्यान देने का आह्वान

नगरबेड़ा (विभास)। एआईयूडीएफ की बरपेटा जिला कमेटी के उद्योग से और चेंगा निर्वाचन क्षेत्र समिति के सहयोग से जिले के दक्षिणी छोर पर बाघमारा चर के बाजार परिसर में आज पार्टी की एक विशाल जनसभा आयोजित की गई। बरपेटा जिला एआईयूडीएफ के अध्यक्ष मुफ्ती शमसुद्दीन अहमद की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला प्रशासनिक सचिव खांडकर अशरफुल मामून द्वारा उद्देश्य के बारे में बताया गया, पार्टी अध्यक्ष और धुबरी लोकसभा क्षेत्र के सांसद मौलाना बदरुद्दीन अजमल ने अपने भाषण में आगामी चुनावों में धुबरी लोकसभा क्षेत्र से चौथी बार चुनाव जीतने के लिए अच्छे लोगों की मांग की। लोगों को एक बार फिर काम करने का मौका देने की बात करते हुए सांसद अजमल ने कहा कि आने वाले दिनों में भी वह चर क्षेत्र में विभिन्न समस्याओं के समाधान के

साथ-साथ यहां पुलों के निर्माण, शिक्षण संस्थानों की स्थापना आदि के लिए प्रयास करते रहेंगे।पूर्व में शासन करने वाली कांग्रेस और एजीपी सरकारों की आलोचना करते हुए उन्होंने कहा कि आज तक चर के लोगों को जमीन का पट्टे नहीं मिले हैं, डी वोट की समस्या, स्कूल कॉलेजों की समस्या हल नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि अजमल फाउंडेशन 57 कॉलेजों और 48 स्कूलों की स्थापना करके शैक्षणिक क्षेत्र में एक रिकॉर्ड स्थापित करने में सक्षम रहा है। बाघमाराचर में जल्द ही जूनियर साइंस कॉलेज और अजमल सुपर-40 की स्थापना की बात कहते हुए उन्होंने कहा कि असम के कोने-कोने में शिक्षण संस्थान बनाए जाने चाहिए। अजमल फाउंडेशन ने अपने संबोधन में कहा कि *घर घर शिक्षा, छरे छेरे शिक्षा अभियान* चलाया गया है और चरक्षेत्रों के लोगों से शिक्षा की उन्नति के लिए आगे आने और शिक्षा के प्रति अपने-अपने सती बच्चों पर विशेष ध्यान देने के लिए कहा। बैठक को विधायक हाफिज बशीर कासमी, विधायक डॉ. हाफिज रफीकुल इस्लाम, विधायक अशरफुल हुसैन, एआईयूडीएफ केंद्रीय समिति के महासचिव और सोंताली तुपामारी जिला परिषद सदस्य शाहजहां अली अहमद, पार्टी की निर्वाचन क्षेत्र समिति के महासचिव मिर्जा नियोगेज शरीफ, राजीव अहमद आदि ने संबोधित किया। इसके अलावा, बैठक में स्वागत समिति के अध्यक्ष फजल हक चौधरी और सचिव रफीकुल इस्लाम के साथ पार्टी के विभिन्न स्तरों के पार्टी नेता और कार्यकर्ता भी शामिल हुए।

श्री श्याम परिवार का 68वां श्याम संकीर्तन संपन्न

नगांव (निसं)। श्री श्याम परिवार के तत्वावधान में नव वर्ष के तृतीय दिन बुधवार को 68वें श्री श्याम संकीर्तन का आयोजन हैबरगांव खुटिकटीय स्थित श्री श्याम धाम नगांव में किया गया। संध्याकालिन आरती के पश्चात ज्योति प्रज्वलित की गई जिसमे उपस्थित भक्तों ने आहुति प्रदान कर श्रद्धा की हाजरी लगाई। इस बीच आरंभ हुए भजनो के विशेष कार्यक्रम में खाटूधाम (राजस्थान) से आमंत्रित भजन गायिका प्रियंका श्याम दीवानी ने शानदार भजन प्रस्तुत कर माहौल को भक्तिमय कर दिया। भजनों की पेशकश से भक्त भावविभोर होकर नाचने को मजबूर हो गए। भंडारा में भक्तों ने कतारबद्ध होकर प्रसाद ग्रहण किया। श्री श्याम मंदिर को फुलो से सजाया गया और विग्रह का आलौकिक श्रृंगार किया गया। श्री श्याम परिवार के सभी सदस्य

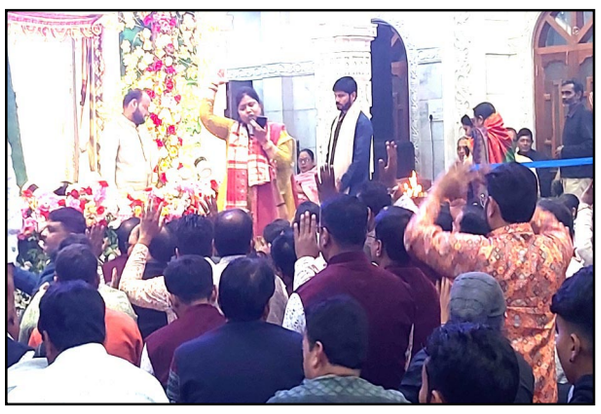

अपने गणावेश में थे और उनके द्वारा की गई प्रत्येक व्यवस्था सराहनीय थी। श्री श्याम धाम में भजनो के कार्यक्रम प्राय: होते रहते है लेकिन बुधवार को हुए कार्यक्रम की जितनी सराहना की जाए उतनी कम है। गायिका प्रियंका श्याम दीवानी की भजन प्रस्तुती की शैली से भक्तों को मंत्रमुग्ध कर दिया। आमंत्रित कलाकारो का फुलाम गोमछा से अभिनंदन किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में राहुल भजनका, अशोक वर्मा, धीरज देवड़ा, विनोद भजनका, रामअवतार मणिहार, श्रीमती संतोष भजनका सहित सभी श्री श्याम परिवार का सहयोग सराहनीय रहा।

श्री भैंरु जी महाराज का वार्षिकी अमृत भंडारा आयोजन सात को

गुवाहाटी। आगामी रविवार को प्रात: 11 बजे से शवशान काली मंदिर, कामख्या धाम में आयोजित किया जाएगा। भैंरूजी महाराज का यह अमृत भंडारा प्रत्येक नव वर्ष के प्रथम रविवार को आयोजित किया जाता है। इस अवसर भैंरूजी महाराज का अभिषेक और श्रृंगार भी किया जाएगा। अमृत भंडारा के सफल आयोजन को लेकर संस्था द्वारा एक सभा का आयोजन किया गया जिसमें मनोज गहलोत, गोकुल मावतवाल, नितीन जसाईवाल, करण मारू, मनोज खुरदरा, ललित सुराणा, पारस जैन, सुशील सुराणा, प्रशन मालू, पन्नालाल मारू आदि को कार्यक्रम की जिम्मेदारी सौंपी गई। संयोजक मनोज गहलोत ने बताया कि इस अवसर पर तोलियासर भैंरूजी मंडल द्वारा संगीतमय भजन कीर्तन भी किया जाएगा और बाबा की ज्योत भी होगी। सभी भक्तजनों को ज्यादा से ज्यादा संख्या में पहुंचकर बाबा का आशीर्वाद लेने का आग्रह किया। इस अवसर पर महाप्रसाद का आयोजन भी किया जाएगा। सदस्यों ने सभी को नव वर्ष की शुभकामनाएं प्रेषित की।

जरूरतमंदों के बीच लायंस उमंग ने बांटे कंबल

गुवाहाटी (विभास)। मानव सेवा के अपने कार्यों को जारी रखते हुए महिलाओं की अग्रणी संस्थाओं में से एक लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से जरूरतमंद लोगों के बीच कंबलों का वितरण किया गया। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी प्रियंका गर्ग ने बताया कि अध्यक्ष कंचन पोद्दार के नेतृत्व में महानगर के विभिन्न स्थान सहित राज्य के कई अन्य जिलों में भी जरूरतमंद लोगों को कंबल उपलब्ध कराए गए। लायंस जिला 322जी के वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत कंबल वितरण कार्य में लायंस जिलापाल (प्रथम) सीमा गोयनका ने भी अपनी और से 150 कंबल प्रदान किए। क्लब की ओर से कुल 1446 कंबलो का वितरण किया गया। इस दौरान क्रिश्चियन बस्ती, लखी गली, गरभंगा रिजर्व फॉरेस्ट, भालुकपुंग वॉटरफॉल आदि

के आसपास के आर्थिक रूप से कमजोर परिवार के लोगों के बीच कांबलो का वितरण किया गया। अध्यक्ष श्रीमती पोद्दार ने बताया कि दिसंबर महीने की ठिठुरती ठंड को देखते हुए क्लब की ओर से मानव सेवा की दिशा में यह कार्य संपादित किया गया है, जिसका लाभ 1446 लोगों को मिला। इस दौरान वीडीजी प्रथम सीमा गोयनका, अध्यक्ष कंचन पोद्दार, सचिव संगीता अग्रवाल, कोषाध्यक्ष स्वाती चौधरी, सविता मोर, प्रीति खेतान, संगीता मोर, रेनू जैन, कुसुम जैन, ज्योति अग्रवाल, खुशी खेमानी, सरोज खेतान, विनीता जालान, सरिता संचेती, शशि सरावगी, संतोष मिंडा, रजनी अग्रवाल, सुंदर पारीक, सीमा सोनी, पिंकी हवेलिया, मनीता धीरासरिया, अर्चना अग्रवाल, सुनीता पारीक, सुचिता मैजिका, अनीता गुप्ता, रोमा भजनका आदि सदस्याएं उपस्थित थी। इस कार्य को सफल बनाने में क्लब की सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

फकीराग्राम में सेमिनार का आयोजन

कोकराझाड़ (विभास)। फकीराग्राम में असम ग्रामीण विकास बैंक के पास अशोक बोथरा के घर में दूसरी मंजिल पर *प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्व विद्यालय* की स्थापना की गई। इस मौके पर एक सेमिनार का आयोजन किया गया। प्रजापिता ब्रह्माकुमारीज ईश्वरीय विश्वविद्यालय की स्थापना जिला केंद्र की प्रभारी बीके बहन रानू और गोसाईगांव केंद्र की प्रभारी बीके बहन अनुराधा ने *तनाव मुक्त एवं सांस्कृतिक नृत्य कार्यक्रम* योजना के साथ किया। इस दौरान आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में फकीराग्राम के थानाधिकारी सुरेश शर्मा उपस्थित थे।

एसएसबी ने सिविक एक्शन के तहत ग्राम ओपीडी का आयोजन किया

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर क्षेत्र में मेडिकल सिविक एक्शन कार्यक्रम के तहत सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की प्रथम वाहिनी की ओर से सोलमारी, डोलबारी और मोरीगांव नाथ बस्ती में तीन स्थानों पर मेडिकल सिविक एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्रथम वाहिनी एसएसबी, सोनापुर के कार्यवाहक कमांडेंट अनुज कुमार के मार्गदर्शन में किया गया। डॉ. टी निरजंता देवी, एसी (एमओ) ने कॉय कमांडर बी कॉय मोरीगांव की सहायता से चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। चिकित्सा शिविर के दौरान ग्रामीण, एसएसबी के जवान मौजूद थे।

श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी में नाम कीर्तन का आयोजन

नगांव (निसं)। लाउखोआ रोड स्थित श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी में अंग्रेजी नव वर्ष के उपलक्ष्य में मंगलवार को असमिया नाम कीर्तन कार्यक्रम संपन्न हुआ। कहवांतुली नामघर की सदस्याओ ने उक्त नाम कीर्तन का सुंदर कार्यक्रम प्रस्तुत किया। अपराह्न तीन बजे से शाम 5.30 तक हुए कार्यक्रम में भक्तों ने नाम कीर्तन में लीन दिखे। कार्यक्रम में श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी संचालन समिति के संयोजक विनोद कुमार खेतावत, अजित माहेश्वरी, अजय महतो, भाजपा हैबरगांव मंडल के साधारण सचिव सुनील आलमपुरिया, डॉ. शंकरलाल अग्रवाल, सहित काफी संख्या में महिलाए उपस्थित थी। उल्लेखनीय है कि नगांव मारवाड़ी पंचायत ने जब से श्री सत्यनारायण ठाकुरबाड़ी के संचालन के लिए उप समिति बनाई है तब से यहां कुछ ना कुछ धार्मिक कार्यक्रम होते रहते। यह मंदिर शहर का सबसे पुराना व प्राचीन मंदिर है और अलग अलग कार्यक्रम होने से भक्तों का आवागमन तेजी से बढ़ रहा।

अपोलो अस्पताल, चेन्नई के डॉक्टरों ने जटिल हृदय ब्लॉकों के इलाज के लिए एक सिनर्जिस्टिक डिवाइस का उपयोग किया

गुवाहाटी। नैदानिक उत्कृष्टता के मानकों को बनाए रखने और हृदय संबंधी समस्या वाले लोगों के लिए देखभाल के मानकों को ऊंचा उठाने के प्रयास मेंअपोलो अस्पताल, चेन्नई के डॉक्टरों की एक टीम ने जटिल हृदय ब्लॉकों के इलाज के लिए तकनीकों का एक अग्रणी सेट लागू किया है। इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजिस्ट डॉ. सेनगोट्टुवेलु जी के नेतृत्व में टीम ने हाल ही में एशियन पैसिफिक सोसाइटी ऑफ इंटरवेंशनल कार्डियोलॉजी और यूरोपियन बाइफर्केशन क्लब के सहयोग से प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विशेष तकनीकों का प्रदर्शन किया और उन्हें साथियों की प्रशंसा मिली। कांप्लेक्स परक्यूटेनियस कोरोनरी इंटरवेंशन (कांप्लेक्स पीसीआई) उन्नत कोरोनरी धमनी रोग में की जाने वाली स्टेंट प्रक्रियाएं हैं। इन प्रक्रियाओं की सफलता चुनौतीपूर्ण हो सकती है क्योंकि भारत में हृदय रोगों के मामले बहुत अधिक हैं और मरीज देर से चिकित्सा की तलाश तभी करते हैं जब उनकी हृदय की स्थिति अक्सर गंभीर अवस्था में पहुंच जाती है। देर से प्रस्तुतीकरण उपचार प्रक्रिया को जटिल बना सकता है और हस्तक्षेप की जटिलता को बढ़ा सकता है। इन अनूठी चुनौतियों को पहचानते हुएअपोलो हॉस्पिटल्स ने एक विकसित दृष्टिकोण स्थापित किया है जो लेजर, रोटाब्लेशन, शॉक वेव लिथोट्रिप्सी, ऑर्बिटल एथेरेक्टॉमी और कटिंग बैलून जैसी उन्नत तकनीकों का एक संयोजन है। इन तकनीकों को रोगियों की जटिलताओं को कम करने और सफलता दर बढ़ाने की जरूरतों को पूरा करने के लिए अनुकूलित और संयोजित किया गया है। भारत में कांप्लेक्स पीसीआई में जटिल कोरोनरी घावों को संबोधित करना शामिल है, जो अक्सर भारी कैल्सीफिकेशन या कुल अवरोध (ब्लॉक) की विशेषता होती है। ये घाव हृदय में रक्त के प्रवाह को काफी हद तक बाधित कर सकते हैं, जिससे सीने में दर्द और दिल के दौरे का खतरा बढ़ सकता है। उल्लेखनीय मामलों में घने कैल्सीफाइड घाव वाली 75 वर्षीय महिला का सफल उपचार, मुख्य बीमारी से पीड़ित 54 वर्षीय डॉक्टर का ठीक होना और पिछली बाईपास सर्जरी से पीड़ित 77 वर्षीय मरीज का ठीक होना शामिल है। उनके घर पर कार्डियक अरेस्ट हुआ था। अपोलो हॉस्पिटल्स टीम द्वारा ट्राइलेजर ट्रिप्सी, रोटशॉक और ऑर्बिकट जैसी इन अभूतपूर्व प्रक्रियाओं के अनुप्रयोग ने न केवल उनके अस्तित्व और उनके जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है, बल्कि जटिल हृदय ब्लॉकों के उपचार के स्तर को भी ऊपर उठाया है।

संपादकीया

हड़ताल के सवाल

हाल ही में आपराधिक मामलों में भारतीय न्याय संहिता के तहत लाये गये बदलाव से क्षुब्ध ट्रक चालकों की हड़ताल से जनजीवन पर खासा प्रतिकूल असर पड़ा है। खासकर हड़ताल के चलते पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल की आपूर्ति न हो पाने से कई-कई किलोमीटर लंबी कतारें देखी गई। अन्य स्थानों पर फल-सब्जी व दूध की आपूर्ति भी बाधित हुई। बहरहाल, लोग हैरत में थे कि देश में सामान्य स्थिति होने के बावजूद पेट्रोल पंपों पर ये मारामारी क्यों है। दरअसल, हाल में संसद से पारित भारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन मामलों में चालकों को सख्त सजा के प्रावधान से ट्रक ड्राइवर ही नहीं बस व टैक्सी चालक भी खासे क्षुब्ध हैं। दरअसल, देश में हर साल होने वाली सड़क दुर्घटनाओं में करीब डेढ़ लाख लोग मारे जाते हैं और पांच लाख के आसपास घायल होते हैं। ज्यादातर घटनाओं में बड़े वाहन चालकों पर लापरवाही से वाहन चलाने के आरोप लगते रहे हैं। दरअसल, कानून में नये बदलावों में हिट एंड रन केस में पुलिस-प्रशासन को दुर्घटना की सूचना न देने पर दस साल की कैद और सात लाख रुपये जुर्माने का प्रावधान है। अब तक हिट एवं रन मामले में ट्रक या डंपर से किसी व्यक्ति की मौत होने पर दो साल की सजा का प्रावधान था और चालकों को जमानत भी मिल जाती थी। निस्संदेह, सड़क पर चलने वाले हर व्यक्ति को किसी हादसे से सुरक्षा और उसे न्याय भी मिलना चाहिए। इसी मकसद से लाये गए कानून को लेकर चालक असुरक्षाबोध से घिर गये। हालांकि, कानून अभी लागू नहीं हुआ है लेकिन चालक भयभीत हैं। उन्हें लगता है कि सख्त प्रावधानों के लागू होने पर वे वाहन नहीं चला पाएंगे। जिसके चलते विभिन्न संगठनों ने देश की अर्थव्यवस्था को ठप करने के लिये दबाव बनाया। जिसका असर पंजाब,हरियाणा, हिमाचल, राजस्थान, बिहार, उत्तर प्रदेश व महाराष्ट्र आदि पर साफ नजर आया। दरअसल, गरीब पारिवारिक पृष्ठभूमि से आने वाले ट्रक- बस चालकों को लगता है कि सजा ज्यादा कड़ी है और किसी हादसे की स्थिति में वे इतना जुर्माना देने की स्थिति में नहीं होंगे। ट्रांसपोर्टरों के बड़े संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने दावा किया कि 65 फीसदी भारी वाहन हड़ताल में शामिल रहे। जिसके चलते सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। आशंका जतायी जाती रही है कि यदि हड़ताल का समय बढ़ता है तो कई भागों में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति में बाधा के साथ ही दूध,फल-सब्जी आदि के दाम बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि देश के तमाम पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी का माहौल रहा। साथ ही कई जगह टैक्सी चालकों के हड़ताल में शामिल होने से यात्री परेशान रहे। जिससे पीक सीजन में पर्यटन स्थलों में कारोबार प्रभावित हुआ है। निस्संदेह, राहगीरों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इसी नजरिये से कानूनों में बदलाव किया गया, लेकिन ट्रक चालकों की वास्तविक समस्या को भी संवेदनशील ढंग से संबोधित किये जाने की जरूरत थी। ट्रक चालकों का कहना है कि आठ-दस हजार की नौकरी में वे इतना बड़ा जुर्माना कैसे भरेंगे। यदि उनकी सात-आठ लाख देने की कूवत होती तो वे ट्रक क्यों चलाते। ऐसे में यदि वे दस साल के लिये जेल जाएंगे, तो उनके परिजनों का क्या होगा? चालक आशंका जताते हैं कि यदि वे दुर्घटना होने पर सूचना देने के लिये रुक जाते हैं तो उन्हें भीड़ की हिंसा का शिकार होना पड़ेगा। उनकी दलील है कि अकसर भीड़ घायल को बचाने की बजाय चालक को मारने पर उतारू हो जाती है और कई बार उनके वाहनों को आग लगा दी जाती है। ट्रांसपोर्टर दलील देते हैं कि दुर्घटना होने पर कैमरों व टोल-नाकों की मदद ली जानी चाहिए। उनका मानना है कि ऐसे प्रयास हों कि यात्री भी सुरक्षित रहें और चालक भी आतंकित न हों। बहरहाल, ट्रक चालकों का जीवन स्तर सुधारने, उन्हें पुलिस की वसूली से बचाने और बेहतर चिकित्सा सुविधाएं देने की जरूरत है ताकि वे भी समाज में सम्मानजनक ढंग से जी सकें। वैसे देर रात ट्रांसपोर्ट डीलर एसोसिएशन का कहना था कि सरकार द्वारा नये कानून को अभी लागू न करने के आश्वासन देने पर सकारात्मक प्रतिसाद दिया जायेगा।

ट्रांसपोर्टरों के बड़े संगठन ऑल इंडिया मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस ने दावा किया कि 65 फीसदी भारी वाहन हड़ताल में शामिल रहे। जिसके चलते सैकड़ों करोड़ रुपये का नुकसान होने की आशंका है। आशंका जतायी जाती रही है कि यदि हड़ताल का समय बढ़ता है तो कई भागों में पेट्रोलियम पदार्थों की आपूर्ति में बाधा के साथ ही दूध,फल-सब्जी आदि के दाम बढ़ सकते हैं। यही वजह है कि देश के तमाम पेट्रोल पंपों पर अफरातफरी का माहौल रहा। साथ ही कई जगह टैक्सी चालकों के हड़ताल में शामिल होने से यात्री परेशान रहे। जिससे पीक सीजन में पर्यटन स्थलों में कारोबार प्रभावित हुआ है। निस्संदेह, राहगीरों की सुरक्षा को प्राथमिकता दी जानी चाहिए और इसी नजरिये से कानूनों में बदलाव किया गया, लेकिन ट्रक चालकों की वास्तविक समस्या को भी संवेदनशील ढंग से संबोधित किये जाने की जरूरत थी। ट्रक चालकों का कहना है कि आठ-दस हजार की नौकरी में वे इतना बड़ा जुर्माना कैसे भरेंगे। यदि उनकी सात-आठ लाख देने की कूवत होती तो वे ट्रक क्यों चलाते। ऐसे में यदि वे दस साल के लिये जेल जाएंगे, तो उनके परिजनों का क्या होगा? चालक आशंका जताते हैं कि यदि वे दुर्घटना होने पर सूचना देने के लिये रुक जाते हैं तो उन्हें भीड़ की हिंसा का शिकार होना पड़ेगा।

चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है

नये साल से उम्मीदें तो बहुत हैं मगर कई चुनौतियां भी सामने खड़ी हैं

ललित गर्ग

नया साल प्रारंभ हो गया है तो हर बार की तरह इस बार भी नई उम्मीदें, नया विश्वास एवं नया धरातल लाया है। बीत गया एक और साल। नये की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य है। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएं और नये भारत-सशक्त भारत का सपना आधा-अधूरा ही कहा जायेगा। ऐसे नए-पुराने सवाल हर नए साल में सामने आते रहे हैं। कुछ सवालों को हल करने में हम सफल रहे, लेकिन कुछ सवाल हमेशा की तरह अनुत्तरित ही रह गए। सच तो यह है कि नई जिन्दगी की शुरुआत ही नया वर्ष है। यह पुरुषार्थ का सन्देश है, अधूरे रहे कामों एवं संकल्पों को पूरा करने का। इन क्षण जड़ताओं को तोड़कर मुक्त होती है हमारे विकास की उजली संभावनाएं। यह अच्छाइयों एवं अधूरे रहे कार्यों को पूरा करने की ओर मुड़ने की प्रेरणा है। अर्धशून्य ढर्रे की जीवनशैली एवं विकास योजनाओं को बदलने का बुजुर्गी सुझाव है। समस्या जब बहुत चिन्तनीय बन जाती है तो उसे बड़ी गंभीरता से नया मोड़ एवं रफ्तार देने की जरूरत है। शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी समस्याएं से जुड़े ऐसे ही अफसोस के अहसास हमारे लिये गंभीर होने चाहिए। आजादी के अमृत काल में भी शिक्षा, चिकित्सा एवं पर्यावरण से जुड़ी चिन्ताओं का गहन बना रहना हमारी विकास यात्रा पर एक सवालिया निशान है। शिक्षा जगत से जुड़ी एक खबर सामने आई है, वह यह कि बढ़ती महंगाई और बदलते नियमों से विदेशों में पढ़ाई मुश्किल हुई है। सब जानते हैं कि शिक्षा हर परिवार के लिए एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है। हर मां-बाप अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। कई बार अच्छी शिक्षा के लिए बच्चों को विदेश भी भेजना पड़ता है। सवाल यह है कि आबादी के हिसाब से दुनिया का पहले नंबर वाला देश क्या अपने यहां ही बच्चों को अच्छी शिक्षा मुहैया नहीं करा सकता? यह सवाल करोड़ों बच्चों की जिंदगी से जुड़ा हुआ है। सरकार के अनूठे एवं व्यापक प्रयत्नों के बावजूद शिक्षा और चिकित्सा के लगातार महंगे होने की चिन्ता से हर कोई परेशान है। शिक्षा और चिकित्सा को व्यवसाय बना देने एवं निजी हाथों में सौंप देने से ही दोनों महंगी हुई है, आम आदमी तक उसकी पहुंच जटिल होती गयी है। इस बात पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने चिन्ता जताते हुए कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों ही हर व्यक्ति की मूलभूत जरूरत है

पर दोनों ही महंगी और दुर्लभ हो रही हैं। इसकी वजह जनसंख्या के मुताबिक उपलब्धता की कमी और व्यावसायिकता है।' नये भारत के निर्माण के साथ समय की इस दस्तक को सुनें। निश्चित ही यह भारत की समृद्धि एवं विश्व प्रतिष्ठा की दृष्टि से एक अनूठा उपक्रम हो सकता हैं, लेकिन प्रश्न भारतीय छात्रों का है, उनकी शिक्षा से जुड़ी समस्याओं का है। महंगी होती शिक्षा आम जनजीवन से दूर होती जा रही है, ऐसे में भारतीय छात्रों की सूध कौन लेगा? शिक्षा पर लंबे-लंबे भाषण देने वाले राजनेता, शिक्षाविद, अधिकारी और मंत्री भी देश की इन स्थितियों से परिचित हैं। बसों में मूंगफली बेचते हुए, स्टेशनों पर भीख मांगते हुए, चौराहों पर भुट्टा भूजते हुए, फैक्ट्रियों में बिसलरी की बोतलों में पानी भरते हुए, सड़क के किनारे टाट पर सब्जी बेचते या चाट का ढेला लगाते हुए इन बच्चों को कौन नहीं देखता है। ऐसा इन्हें क्यों करना पड़ता है? यह जानने की कोशिश कितने लोग करते हैं? रिक्शा, ऑटोरिक्शा, बस चलाने वाले ड्राइवरों के पीछे की भी कहानी ऐसी ही होती है। नीति-नियंता लोग अपने निजी ड्राइवर, नौकर या कामवाली बाई की पारिवारिक स्थिति के बारे भी विचार कर लेते तो भी इस तरह की स्थितियों के बारे में बहुत कुछ आसानी से समझ लेते। कहीं-कहीं ये भी देखने को मिलता है कि जिन बच्चों की खिलौनों से खेलने की उम्र होती है वही बच्चे मेला, हाट-बाजार में खिलौना बेचते हुए मिलते हैं। किताबों से तो उनका दूर-दूर तक कोई वास्ता नहीं होता। फिर विकास के सुनहरे सपने उन्हें कैसे दिखाई दे सकता है? इन स्थितियों में कैसे नया भारत-सशक्त भारत आकार ले सकेगा? आइआइटी, एनआइटी और आइआइएसईआर, आइआइएम, केन्द्रीय विश्वविद्यालय, जेएनयू, बीएचयू जैसे विश्वविद्यालयों में भले ही फीस कुछ कम है, लेकिन यहां तक पहुंचने की प्रक्रिया बहुत जटिल एवं प्रतिस्पर्धापूर्ण है। बच्चे संघर्ष करके वहाँ तक पहुँच जाते हैं और पढ़ाई आसानी से कर लेते हैं। किंतु अब वहां की भी फीस बढ़ाने की कवायद तेजी से होने लगी है। तमाम सरकारी प्रयासों एवं योजनाओं के शिक्षा महंगी होती जा रही है, तो देश का निम्न एवं मजदूर वर्ग यह सोचने को मजबूर है कि वह अपने बच्चों की पढ़ाई की व्यवस्था कैसे करे। निजी कॉलेजों में तो इतना अधिक पैसा लगता है कि मध्य वर्ग के भी कान खड़े हो जाते हैं, तो फिर निम्न वर्ग की बात ही क्या? यहां बात सिर्फ शिक्षा तक ही सीमित नहीं रह जाती। शिक्षा के साथ एक और विषय है जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। वह है, चिकित्सा। जिस तरह गुणवत्ता के मामले में भारत के विश्वविद्यालय पिछड़े हुए हैं, उसी तरह की छवि भारत के अस्पतालों की है। मतलब साफ है कि अच्छी पढ़ाई हो या बेहतर इलाज, जेब में पैसा हो तो पकड़ो विदेश की राह। गंभीर सवाल यह है कि जिसकी जेब में पैसा नहीं है, वह क्या करे? क्या उसे अच्छी पढ़ाई या बेहतर इलाज कराने का हक नहीं है? नए साल में हमें, हमारी सरकारों और इन क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों को इन्हीं सवालों के जवाब ढूंढ़ने चाहिए। हमने जीवन के हर क्षेत्र में उपलब्धियां हासिल की हैं तो फिर शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र भला अछूते क्यों रहें? जब हम देश के लोगों को ही समुचित शिक्षा नहीं दे पा रहे हैं तो विदेशों के लिये दरवाजें खोलना एवं उन पर सरकार की बड़ी शक्ति का खर्च होना कैसे औचित्यपूर्ण हो सकता है? एक ऐसे देश में जहां वंचित समूह पहले से ही अपनी भावी पीढ़ी को शिक्षित बनाने के लिए कठिन परीक्षाओं के दौर से गुजर रहा हो, निजी स्कूलों व अस्पतालों की संवेदनहीनता एवं अर्थ लोलुपता से सामाजिक असंतोष एवं विद्रोह के स्वर उभरते रहे हैं। शिक्षा एवं चिकित्सा की भांति पर्यावरण के प्रति उपेक्षा भी अनेक समस्याओं का कारण है। भारत में ग्लोबल तापमान के चलते होने वाला विस्थापन अनुमान से कहीं अधिक है। मौसम का मिजाज बदलने के साथ देश के अलग-अलग हिस्सों में प्राथमिक आपदाओं की तीव्रता आई हुई है। हिमाचल प्रदेश में बाढ़ हो या सिलक्यारा में सुरंग हादसा- भारत में पर्यावरण समस्या को नजरअंदाज करने के परिणाम है। भारत में जलवायु परिवर्तन पर इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फार एनवायरमेंट एंड डवलपमेंट की जारी की गई रिपोर्ट में कहा गया है कि बाढ़-सूखे के चलते फसलों की तबाही और चक्रवातों के कारण मछली पालन में गिरावट आ रही है। देश के भीतर भू-स्खलन से अनेक लोग अपनी जान गंवा चुके हैं। भू-स्खलन उत्तराखंड एवं हिमाचल जैसे दो राज्यों तक सीमित नहीं बल्कि केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, सिक्किम और पश्चिम बंगाल की पहाड़ियों में भी भारी वर्षा, बाढ़ और भूस्खलन के चलते लोगों की जानें गई हैं, इन प्राकृतिक आपदाओं के शिकार गरीब ही अधिक होते हैं, गरीब लोग प्राथमिक विपदाओं का दंश नहीं झेल रहे और अपनी जमीनों से उखड़ रहे हैं। महानगर और घनी आबादी वाले शहर गंभीर प्रदूषण के शिकार हैं, जहां जीवन जटिल से जटिलतर होता जा रहा है।

नये की स्वीकृति के साथ पुराने को अलविदा कह देने की सामान्य सोच रही है। यह समझ देखी गयी है कि नयेपन के जादुई आकर्षण के जागते ही हम पुरानेपन को उतार फेंकना चाहते हैं। हमने बीते वर्ष में श्रेष्ठताओं की उपलब्धि पर सात्विक गर्व करने की अनेक स्थितियों को रचा है लेकिन हम सबके लिए और देश के लिए भी आने वाले वर्ष कुछ महत्वपूर्ण करणीय कार्य है। निश्चित ही नया साल हमेशा की तरह कुछ सवाल भी लेकर आया है। ऐसे सवाल जिनका हल निकाले बिना शायद हम संतुष्ट न हो पाएं और नये भारत-सशक्त भारत का सपना आधा-अधूरा ही कहा जायेगा। ऐसे नए-पुराने सवाल हर नए साल में सामने आते रहे हैं।

दृष्टि कोण

विकसित देश बनाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं प्रवासी भारतीय

इन दिनों पूरी दुनिया में प्रवासी भारतीयों से संबंधित दो खास बातें रेखांकित हो रही हैं। पहला, जहां प्रवासी भारतीय अर्थव्यवस्था को बल दे रहे हैं, वहीं भारत भी अपने प्रवासियों के हितों की रक्षा का प्रभावी हिमायती बना हुआ है। दूसरा, 28 दिसंबर को भारत ने कतर में जिन आठ नौसेना के पूर्व भारतीय अधिकारियों की फांसी की सजा को घटवाने में कूटनीतिक भूमिका निभाई है, उनमें एक पूर्णेदु तिवारी भी हैं, जिन्हें 2019 में प्रवासी भारतीय सम्मान से नवाजा गया था। उल्लेखनीय है कि हाल ही में विश्व बैंक द्वारा जारी 'माइग्रेशन ऐंड डेवलपमेंट ब्रीफ' रिपोर्ट 2023 के मुताबिक, बीते वर्ष प्रवासी भारतीयों ने करीब 125 अरब डॉलर की धनराशि (रेमिटेंस) स्वदेश भेजी। रेमिटेंस प्राप्त करने में भारत ने मेक्सिको, चीन और फिलिपींस को बहुत पीछे छोड़ दिया है। शीर्ष पांच रेमिटेंस प्राप्त करने वाले देशों में भारत के अलावा मेक्सिको (67 अरब डॉलर) चीन (50 अरब डॉलर) फिलीपींस (40 अरब डॉलर) और मिस्र (24 अरब डॉलर) शामिल हैं। रिपोर्ट में यह बात भी सामने आई है कि पहले जहां भारत से

अकुशल श्रमिक कम आय वाले देशों में जाते थे, वहीं अब विदेश जाने वाले भारतीयों में उच्च कौशल वाले लोगों की संख्या ज्यादा है, जो अमेरिका, इंग्लैंड, सिंगापुर, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसे उच्च आय वाले देशों में जा रहे हैं, जहां से वे अधिक धन भेज रहे हैं। गौरतलब है कि जहां वर्ष 2022 में प्रवासी भारतीयों ने 100 अरब डॉलर की धनराशि स्वदेश भेजी, वहीं 2021 में 87 अरब डॉलर की राशि भेजी थी। जब वर्ष 2020 में कोविड-19 के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था 7.3 फीसदी की ऋणात्मक विकास दर की स्थिति में पहुंच गई थी, तब भी आर्थिक मुश्किलों के बीच भारतीय प्रवासियों द्वारा भेजी गई 83 अरब डॉलर की धनराशि से यहां की अर्थव्यवस्था को बड़ा सहारा मिला था। यह छोटी बात नहीं है कि प्रवासियों से धन प्राप्त करने वाले दुनिया के विभिन्न देशों की सूची में भारत वर्ष 2008 से अब तक पहले स्थान पर बना हुआ है। अतीत में जब भी देश के विदेशी मुद्रा भंडार में तेज गिरावट आई, प्रवासियों ने मुक्त हस्त से विदेशी मुद्रा कोष को बढ़ाने में सहयोग दिया है। बीते वर्ष भारत की अध्यक्षता में आयोजित जी-20 को अभूतपूर्व सफलता दिलाने में भी प्रवासी भारतीयों की अहम भूमिका रही है। विभिन्न देशों में संकटों के बीच फंसे भारतीय प्रवासियों को बचाने और भारत वापसी के लिए महत्वपूर्ण अभियान चलाए हैं। सरकार के मुताबिक, विदेशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए सरकार की ओर से 2014 से दिसंबर, 2023 तक 626 करोड़ रुपये खर्च किए गए, जिससे 3.42 लाख भारतीयों की मदद की गई। वर्ष 2023 में इस्राइल और हमास के बीच जारी खूनी संघर्ष में इस्राइल में फंसे भारतीय नागरिकों और प्रवासी भारतीयों की सुरक्षित वतन वापसी के लिए भारत ने 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। जब वर्ष 2022 में रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण यूक्रेन में भारतीय समुदाय सीधे खतरे में आ गया था, तब 'ऑपरेशन गंगा' के तहत बड़ी संख्या में भारतीयों को सुरक्षित स्वदेश लाया गया था। लेकिन अभी भारत द्वारा अपने प्रवासियों के दुख-दर्द कम करने में और अधिक सहयोग किए जाने की आवश्यकता है। खाड़ी देशों में भारतीय कामगार बड़ी संख्या में हैं, पर ऐसे भारतीयों की संख्या बढ़ती जा रही है, जो गलत लोगों या संस्थाओं के हाथ लगकर दुर्दशा के शिकार हो गए हैं। हाल ही में केंद्र की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि 33 हजार से अधिक भारतीय कामगार खाड़ी के देशों में गुलामों की तरह रहने को मजबूर हैं। विदेश मंत्रालय को मार्च, 2021 से वर्ष 2023 के बीच अरब देशों से छह शिकायतें मिली हैं। यद्यपि भारत सरकार ने इन शिकायतों पर संबंधित देशों की सरकारों से दखल देने को कहा है, पर इस दिशा में केंद्र की और अधिक सक्रियता जरूरी है।

अपना साहित्य

किताबें बिकीं बेशुमार, हवा संग बहते सृजन की बयार

पिछले करीब एक दशक से साहित्योत्सव और पुस्तक मेलों का जो सिलसिला शुरू हुआ है वह 2023 में थोड़ा और व्यापक होने के साथ कहीं ज्यादा व्यावसायिक रूप में नजर आने लगा है। बेशक इस डिजिटल ज़माने में पाठकों के पास पढ़ने के विकल्प तो कई मौजूद हो गए हैं, लेकिन तमाम प्रकाशकों ने इस साल भी बड़ी संख्या में पुस्तकें छापीं और बेचीं। अगर बात इस बार के दिल्ली विश्व पुस्तक मेले से शुरू करें तो कोविड काल की वजह से दो साल के बाद हुए इस मेले में 20 लाख से ज्यादा लोग आए, 40 देशों के करीब 800 प्रकाशकों ने हिस्सा लिया और जिन प्रकाशकों ने धर्म, अध्यात्म, हिन्दुत्व और मोदी दर्शन से जुड़ी पुस्तकें छापीं, वह मालामाल होकर लौटे। देश आज़ादी का अमृत महोत्सव मना रहा था तो जाहिर है सरकारी पुस्तक मेले की थीम भी इसी से जुड़ी हुई थी। मेले के शुरू से लेकर अंत तक मोदी जी के पोस्टर देखे जा सकते थे और बड़े से कटआउट में मोदी जी के साथ सेल्फी लेने वालों की कतारें लगी थीं। तमाम लेखकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ में और उनकी शख्सियत के हर पहलू पर इस साल ढेर सारी पुस्तकें लिख डालीं। लेखकों और प्रकाशकों को भी हिन्दुत्व के दर्शन के साथ राम और अयोध्या सबसे ज्यादा रास आए। यानी हवा के साथ लेखन भी बहता हुआ नज़र आया। दरअसल लेखकों में बाज़ार का ट्रेंड देखकर लिखने की परंपरा पहले भी रही है, लेकिन 2023 में इसे संस्थागत तौर पर देखा जा सकता है। आम तौर पर साहित्य को सत्ता, समाज, संवेदनशीलता, सच्चाई औऱ समय का आईना माना जाता रहा है, लेकिन अब इसमें से कुछ तत्व वक्त के साथ घुलते मिलते नजर आते हैं। संवेदनशीलता और सच्चाई को हाशिए पर धकेलते हुए 2023 में ज्यादातर लेखकों ने अब अपने लेखन को 'गौरवशाली हिन्दू इतिहास' से जुड़ी कथाओं और चिंतन पर केन्द्रित किया है। साहित्य सृजन में लगे तमाम संवेदनशील और गंभीर रचनाकारों के लिए साहित्य अकादमी ने साल के जाते-जाते अच्छी खबर सुनाई और वरिष्ठ कथाकार संजीव को उनके उपन्यास 'मुझे पहचानो' के लिए अकादमी पुरस्कार देने का ऐलान किया। साहित्य अकादमी ने साबित करने की कोशिश की कि अभी उसकी स्वायत्तता बरकरार है। इसी कड़ी में इस साल आई साहित्य अकादमी के अध्यक्ष माधव कौशिक की ग़ज़लों के संग्रह 'सच लिखना आसान नहीं' का जिक्र करना जरूरी हो जाता है। कई वरिष्ठ लेखकों ने अपना साहित्य प्रेम कहानियों और आज के दौर में रिश्तों की खत्म होती गरिमा पर केन्द्रित रखा। इसी कड़ी में वरिष्ठ कथाकार ममता कालिया का कहानी संग्रह आया 'लगभग प्रेमिका और अन्य कहानियां'। आलोक यात्री ने लिखा 'नीली छतरी वाली लड़की' तो सिनीवाली का उपन्यास आया 'हेति'। वहीं संजीव पालीवाल का उपन्यास 'ये इश्क नहीं आसां' तो वंदना यादव का 'ये इश्क है'। इसी तरह विभूति नारायण राय ने भी 'रामगढ़ में हत्या' लिखकर ऐसी ही एक प्रेम कथा पेश की जो कहीं न कहीं एक जासूसी उपन्यास का आभास देती है। सुभाष चंदर मूल रूप से बच्चों की कहानियां और व्यंग्य के लिए जाने जाते हैं, उनकी भी किताब आई चर्चित 'हास्य कहानियां और सच्चा चैंपियन'। व्यंग्य की एक और किताब आई राजीव तनेजा की 'हां, मै नपुंसक हूं'। नीरज बधवार का व्यंग्य संग्रह बातें कम स्कैम ज्यादा, डॉ. मलय जैन का हलक का दरोगा के अलावा विकास मिश्र का उपन्यास बखरी हो या सुधांशु गुप्त का कहानी संग्रह तेरहवां महीना भी उल्लेखनीय रहा जबकि इस साल अब्दुल बिस्मिल्लाह के उपन्यास मुखड़ा क्या देखे, लीना मल्होत्रा के कविता संग्रह धुरी से छूटी आह, युवा कवयित्री लवली गोस्वामी का पहला उपन्यास वनिता की भी चर्चा रही।

देश दुनीया से

विपक्ष की मुश्किलों का अंत नहीं, गठबंधन को सहेजने में कांग्रेस नेतृत्व की भूमिका अहम

पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 499 में से 489 सीटों पर चुनाव लड़ा और 364 सीटें जीतीं। वर्ष 1957 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 494 सीटों पर चुनाव लड़ा और 371 सीटें जीतीं। इसी तरह, वर्ष 1962 में 494 में से 361 और 1967 में पहली बार अनुभवहीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी 523 लोकसभा सीटों में से 283 पर जीत हासिल कर सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रही। वर्ष 1971 में 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ इंदिरा गांधी ने 518 सीटों में से 352 सीटें जीतकर जबर्दस्त वापसी की। वर्ष 1975 के आपातकाल के बाद मतदाताओं ने इंदिरा को सत्ता से बाहर का रास्ता जरूर दिखाया, पर कांग्रेस 154 सीटें जीतने में कामयाब रही। वर्ष 1980 में इंदिरा गांधी ने एक बार फिर विपक्ष को पटखनी देते हुए 353 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की।

स्वतंत्र भारत में यह पहली बार होगा, जब 2024 में 18वीं लोकसभा के लिए 'ग्रांड ओल्ड कांग्रेस' पार्टी 272 से कम लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ेगी। ऐसे में, अगर सैद्धांतिक तौर पर एकबारगी यह मान भी लिया जाए कि अप्रैल-मई, 2024 में कांग्रेस जिन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की योजना बना रही है, उन सभी पर अगर उसे जीत हासिल हो, तब भी वह अपने दम पर केंद्र में सरकार नहीं बना सकती। पहले लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने 499 में से 489 सीटों पर चुनाव लड़ा और 364 सीटें जीतीं। वर्ष 1957 में जवाहरलाल नेहरू के नेतृत्व में कांग्रेस ने 494 सीटों पर चुनाव लड़ा और 371 सीटें जीतीं। इसी तरह, वर्ष 1962 में 494 में से 361 और 1967 में पहली बार अनुभवहीन इंदिरा गांधी के नेतृत्व में पार्टी 523 लोकसभा सीटों में से 283 पर जीत हासिल कर सत्ता बरकरार रखने में कामयाब रही। वर्ष 1971 में 'गरीबी हटाओ' के नारे के साथ इंदिरा गांधी ने 518 सीटों में से 352 सीटें जीतकर जबर्दस्त वापसी की। वर्ष 1975 के आपातकाल के बाद मतदाताओं ने इंदिरा को सत्ता से बाहर का रास्ता जरूर दिखाया, पर कांग्रेस 154 सीटें जीतने में कामयाब रही। वर्ष 1980 में इंदिरा गांधी ने एक बार फिर विपक्ष को पटखनी देते हुए 353 सीटें जीतकर सत्ता हासिल की। लोकसभा चुनाव से कुछ महीने पहले इंदिरा गांधी की हत्या के बाद राजीव गांधी ने दिसंबर, 1984 में 404 सीटें जीतकर कांग्रेस को बंपर जीत दिलाई। पंजाब में कांग्रेस की जीत से यह आंकड़ा 413 सीटों पर पहुंच गया, जहां चुनाव कुछ महीने बाद हुए थे। मगर 1989 में राजीव गांधी को शिकस्त झेलनी पड़ी, लेकिन 197 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। वीपी सिंह और चंद्रशेखर सरकार के पतन के बाद कांग्रेस की फिर वापसी हुई। दरअसल, 1991 चुनाव के दौरान राजीव गांधी की दुखद हत्या के बाद कांग्रेस ने 244 सीटें जीतीं और छोटी पार्टियों के बाहरी समर्थन से पीवी नरसिम्हा राव के नेतृत्व में सरकार बनाई। वर्ष 1996 में राव के नेतृत्व में कांग्रेस केवल 140 सीटें जीतकर सत्ता से बाहर हो गई। कांग्रेस ने अल्पकालीन एचडी देवे गौड़ा और आईके गुजराल सरकारों को बाहर से समर्थन दिया। वर्ष 1998 में अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा ने एनडीए की सरकार बनाई। तब भी कांग्रेस के पास 141 सीटें और भाजपा को 182 सीटें मिली थीं। वर्ष 1999 के मध्यावधि चुनावों में वाजपेयी के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन की सत्ता में वापसी हुई, जबकि कांग्रेस 114 सीटों पर सिमट गई, जो 'ग्रांड ओल्ड पार्टी' का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन था। हालांकि 2004 में कांग्रेस ने अपनी स्थिति सुधारते हुए 145 सीटें जीतीं और एक ऐसा गठबंधन बनाया, जो न केवल 2004 में, बल्कि 2009 में भी सरकार बनाने में कामयाब रहा, जब कांग्रेस को 206 सीटों पर जीत मिली थी। लोकसभा चुनाव में यह शायद आखिरी बार था, जब कांग्रेस ने अच्छा प्रदर्शन किया। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा के उदय ने कांग्रेस को बुरी तरह से ध्वस्त कर दिया, जिसे 2014 और 2019 के लोकसभा चुनावों में दस फीसदी सीटें तक नहीं मिल सकीं। वर्ष 2014 में महज 44 सीटों पर सिमटना कांग्रेस के लिए शर्मनाक था। वहीं, 2019 में भी यह केवल 52 सीटें ही जीत पाई, जिसमें ज्यादातर सीटें केरल, पंजाब, तमिलनाडु और कर्नाटक से थीं। मल्लिकार्जुन खरगे और तीनों गांधी (सोनिया, राहुल और प्रियंका) के संयुक्त नेतृत्व में, चुनावों में मिली लगातार हार और कमजोर आत्मविश्वास के चलते धूमिल संभावनाओं और अस्तित्व पर मंडरा रहे संकट से जूझती कांग्रेस आप, तृणमूल कांग्रेस, जदयू, राकांपा (शरद पवार), द्रमुक, शिवसेना (उद्धव ठाकरे) और 22 अन्य क्षेत्रीय दलों के साथ मिलकर भाजपा को हराने की जुगत कर रही है। पार्टी की पांच सदस्यीय उच्चस्तरीय टीम ने गठबंधन सहयोगियों से वार्ता के लिए पार्टी की रणनीति निर्धारित करने हेतु वासनिक के आवास पर बैठक की। पैनल के दो सदस्यों के अनुसार, उन्हें यह देखकर निराशा हुई कि कांग्रेस इस स्थिति में नहीं है कि वह गठबंधन के सहयोगियों से तीन सौ सीटें मांग सके। पैनल ने 292 लोकसभा सीटों को शॉर्टलिस्ट किया है, पर बारीकी से जांच करने पर ये 240 से भी कम निकली हैं। विभिन्न राज्यों की कई सीटें ऐसी हैं, जहां पार्टी के लिए गठबंधन सहयोगी के तौर पर चुनाव लड़ने का कोई आधार नहीं है। यही नहीं, उनका विश्लेषण बताता है कि राहुल गांधी की आगामी भारत न्याय यात्रा में जिन राज्यों से गुजरेगी, उन राज्यों की 345 संसदीय सीटों में से केवल 15 सीटों पर ही कांग्रेसी सांसद हैं।

आप का नजरीया

आस्था और विकास

किसी भी समाज में लौकिक विकास हर सरकार का प्राथमिक लक्ष्य होना चाहिए ताकि लोगों की रोटी-कपड़ा-मकान जैसी मूलभूत जरूरतें पूरी हो सकें। कमोबेश सभी सरकारों की रीतियां-नीतियां इस लक्ष्य पर केंद्रित रहती हैं और रहनी भी चाहिए। यह भी हकीकत है कि भारत एक अध्यात्म व संस्कृति प्रधान देश रहा है। हमारी सांस्कृतिक विरासत ने सदियों से हमें आगे की राह दिखायी है, जिसका मकसद अंततः मानव कल्याण ही रहा है। समाज में नैतिक सत्ता कायम करने में उसकी भूमिका रही है, जो किसी भी सभ्य समाज के लिये अपरिहार्य शर्त भी रही है। निश्चित रूप से श्रीराम भारत के सांस्कृतिक पुरुष भी रहे हैं। सही मायनों में रामराज की अवधारणा ऐसे समाज की कल्पना है जहां सत्ता किसी भी भेदभाव के बिना अपने नागरिकों के सर्वांगीण विकास में सहायक बने। महात्मा गांधी जब रामराज की बात करते थे तो एक आदर्श सामाजिक व्यवस्था की बात करते थे, जिसका आधार सामाजिक न्याय ही होता है। गंगा-जमुनी संस्कृति के देश में अकसर राम-रहीम की बात कही जाती रही है। यही वजह है कि न केवल भारतीय उपमहाद्वीप बल्कि पूर्वी एशिया के मुस्लिम बहुल देश इंडोनेशिया आदि में आज भी मुस्लिम पात्र रामलीला का मंचन करते हैं। बहरहाल, अयोध्या आज पूरी दुनिया की चर्चा के केंद्र में है और आगामी 22 जनवरी का दिन इतिहास के पन्नों में दर्ज होने वाला है। निस्संदेह, राम भारतीय समाज के आदर्श पुरुष रहे हैं, एक शासक के तौर पर भी और एक परिवार के रूप में भी। उन्होंने जीवन के हर क्षेत्र में मर्यादा स्थापित की। यह भारतीय समाज की खूबसूरती है कि अंततः सभी वर्गों ने कोर्ट के आदेश का सम्मान करके राममंदिर के निर्माण का मार्ग प्रशस्त किया। निस्संदेह, यह राजनीति केंद्रित विषय नहीं है यह बहुसंख्यक समाज की अस्मिता से जुड़ा प्रश्न है। लेकिन किसी संप्रदाय विशेष की कीमत पर नहीं। यह सुखद ही कि पिछले दिनों प्रधानमंत्री ने अयोध्या के पुरातन वैभव के संवर्धन के साथ विकास के कई कार्यक्रमों की आधारशिला रखी। निस्संदेह, यह तार्किक ही है कि जब स्थान विशेष के लिये बड़ी विकास योजनाओं को मूर्त रूप दिया जाता है तो आसपास के कई जनपद उससे लाभान्वित होते हैं। अयोध्या में राममंदिर के निर्माण के क्रम में प्रधानमंत्री ने पिछले दिनों पंद्रह हजार सात सौ करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास किया। जिसमें रामपथ, भक्ति पथ के निर्माण के साथ ही सरयू नदी में गंदा पानी जाने से रोकने वाली योजनाओं को मूर्त रूप दिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर अयोध्या के लिये वंदे भारत, नमो भारत व अमृत भारत ट्रेनों का लाभ श्रद्धालुओं के साथ क्षेत्र के लोगों को भी मिलेगा। जाहिर बात है कि करोड़ों लोगों की आस्था स्थली पर देश-विदेश से लोग पहुंचेंगे। साथ ही अयोध्या के आस्था के साथ बड़े पर्यटक स्थल के रूप में विकसित होने के कारण विदेशी सैलानियों का आवागमन होगा। अयोध्या में रेलवे स्टेशन संवरने व नया हवाई अड्डा बनने से पूर्वी उत्तर प्रदेश में विकास व रोजगार के नये अवसर विकसित होंगे।

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को सता रहा गिरफ्तारी का भय : बाबूलाल मरांडी

रांची (हिंस)। राज्य सरकार पर संकट मंडरा रहा है। राजनीतिक उठापटक के बीच भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के समन के बहाने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर एक बार फिर निशाना साधा है। रांची में एक कार्यक्रम के दौरान गुरुवार को पत्रकारों से बातचीत में मरांडी ने कहा कि ईडी के सातवें समन के बाद भी मुख्यमंत्री ईडी के क्षेत्रीय कार्यालय में पेश नहीं हो रहे हैं। इधर-उधर भागे फिर रहे हैं। हेमंत सोरेन को गिरफ्तारी का भय सता रहा है। बाबूलाल मरांडी ने कहा कि ईडी ने झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 7वीं बार समन भेजा है लेकिन मुख्यमंत्री उसके समक्ष हाजिर नहीं हो रहे हैं। वे इधर-उधर भाग रहे हैं। यदि उन्होंने कोई गलती नहीं की है, तो उन्हें ईडी के समक्ष पेश होना चाहिए और ईडी के सवालों का जवाब देना चाहिए।

मुख्यमंत्री योगी और केंद्रीय मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने पीएमश्री स्कूलों के आधुनिकीकरण का किया शुभारंभ

लखनऊ (हिंस)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने गुरुवार को यहां लोक भवन में आयोजित कार्यक्रम के दौरान पीएमश्री स्कूलों के आधुनिकीकरण कार्यक्रम का शुभारंभ किया। 404 करोड़ की धनराशि से आधुनिकीकरण का कार्य किया जाएगा। इसके साथ ही *प्रोजेक्ट अलंकार* के तहत माध्यमिक विद्यालयों में अवस्थापना सुविधाओं के संतृप्तीकरण के लिए 347 करोड़ की धनराशि हस्तांरित की गयी। इस मौके पर धर्मेंद्र प्रधान ने योगी सरकार के शिक्षा के क्षेत्र में किए गए कार्यों की सराहना की। भरोसा जताया कि अन्य योजनाओं की तरह पीएमश्री योजना भी उत्तर प्रदेश में बहुत सफलतापूर्वक लागू होगी। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में 2016 में उज्ज्वला योजना लागू की गई थी। यह योजना बलिया से शुरू

की गई थी। हाल में प्रधानमंत्री मोदी अयोध्या आए तब मीरा मांझी के घर गए। उन्हें 10 करोड़ वां गैस कनेक्शन मिला है। उत्तर प्रदेश शासन का मैं बहुत आभारी हूं। यहां केंद्र की योजनाओं को ठीक से लागू किया गया है। शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य हुआ है। उत्तर प्रदेश के नवोदय विद्यालय के 54 बच्चे बिना किसी कोचिंग के आईआईटी में सेलेक्ट हुए हैं। 374 बच्चे एनआईटी में एडमिशन लिए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश के सरकारी विद्यालयों की स्थिति में बदलाव हुआ है। मैं आज पूरे भरोसे के साथ यह कह सकता हूं कि अगर आंकड़ा निकाला जाए तो ग्रामीण अंचल के सरकारी विद्यालय से आईआईटी, एनआईटी और मेडिकल में चयनित होने वाले छात्रों की एक अच्छी संख्या होगी। हम सबके लिए यह विषय है कि इसे हम अभियान बनाएं। धर्मेंद्र प्रधान ने कहा कि किसी देश के प्रधानमंत्री को ऐसा नहीं देखा गया होगा जो प्रधानमंत्री मोदी की तरह कार्य कर रहा हो। प्रधानमंत्री मोदी देश के बच्चों, छात्रों के साथ समय बिताते हैं। कभी परीक्षा के पहले बच्चों से बात करते हैं तो कभी उनसे मुलाकात करने पहुंच जाते हैं। केंद्र हो या राज्य की सरकार का आज का कार्य नई पीढ़ी को तैयार करने का लक्ष्य है। 21वीं सदी को ज्ञान आधारित सदी कहा गया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने उत्तर प्रदेश सरकार को शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर कार्य करने के लिए शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जब दुनिया कोरोना से त्रस्त थी, उस समय देश की 140 करोड़ आबादी को बचाने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी ने 2020 में नई शिक्षा नीति दी। प्रधानमंत्री ने शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2023 को पीएम श्री योजना की घोषणा की। योजना की घोषणा के बाद साल, दो साल लागू होने में लग ही जाता है लेकिन हम केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के आभारी हैं जो योजना को तेजी से लागू कर रहे हैं। कक्ष निर्माण, विज्ञान प्रयोगशाला, फर्नीचर आदि की व्यवस्था के साथ ही अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जा रही हैं। पीएम श्री योजना के तहत उत्तर प्रदेश में 1753 विद्यालय चयनित हुए हैं। पहले चरण में 928 विद्यालय में योजना को शुरू किया जा रहा है। इसके तहत पहली कक्षा से 12वीं तक को आधुनिक किया जाएगा। इस मौके पर कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, माध्यमिक शिक्षा मंत्री गुलाब देवी, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र समेत अन्य लोग मौजूद रहे।

भाजपा की महिलाएं रामलाल का दे रही घर-घर जाकर निमंत्रण

पूर्णिया (हिंस)। रामलला का निमंत्रण भाजपा में शामिल महिलाएं घर घर पहुंचा रही है। यह कार्य भारतीय जनता पार्टी, महिला मोर्चा की नगर पश्चिम मंडल की अध्यक्ष ममता झा के नेतृत्व में किया जा रहा है। इस अभियान को सफल बनाने में कई महिलाएं साथ दे रही है। श्री राम जी की भूमिका में कुमार बंश आकर्षण के केंद्र रहे। महिलाओं का समूह नचाते गाते मुहल्ले वासियों को निमंत्रण दे रही हैं। कार्यक्रम में सभी महिलाएं उत्साहित होकर उत्सव के रूप में सभी धर्मों के लोगों को आमंत्रित कर रही हैं।

मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी, केस दर्ज

देवरिया (हिंस)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए जान से मारने की दी गई धमकी के बाद गुरुवार को देवरिया जिले की रुद्रपुर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक रुद्रपुर कोतवाली के प्रभारी महेंद्र कुमार चतुर्वेदी की तहरीर पर अज्ञात के खिलाफ आईपीसी की धारा 505(2) एवं 506 के तहत केस दर्ज कर जांच शुरू की गई है। उल्लेखनीय है कि रुद्रपुर कोतवाली क्षेत्र के ग्राम फतेहपुर के लेहड़ा टोला में प्रेमचंद यादव और सत्यप्रकाश दुबे एवं उनके परिवार के पांच सदस्यों की हत्या कर दी गई थी। जांच में पता चला कि प्रेमचंद यादव पक्ष के लोगों ने खलिहान, परती, वन और एक इंटर कॉलेज की जमीन पर अवैध कब्जा कर रखा है। प्रेमचंद यादव का मकान खलिहान की जमीन पर बना हुआ है। इसके बाद रुद्रपुर के तहसीलदार ने उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता 2006 की धारा-67 के तहत उक्त जमीन से बेदखली का आदेश जारी किया था। प्रेमचंद यादव के पक्ष के लोगों ने तहसीलदार के फैसले को जिलाधिकारी की कोर्ट में चुनौती दी। जिलाधिकारी ने इस अपील को निरस्त कर तहसीलदार के आदेश को बरकरार रखा। इस बात पर भड़के एक सिरफिरे ने एक्स पोस्ट के जरिए मुख्यमंत्री योगी को जान से मारने की धमकी दी।

महादलितों के परिवारों को राहत दिलाने में असमर्थ है बिहार सरकार : राकेश सिन्हा

बेगूसराय (हिंस)। बिहार के बेगूसराय जिला स्थित अरवा गांव में हुए भीषण अग्निकांड में पत्नी एवं दो पुत्रों सहित नीरज पासवान की मौत के बाद हर ओर शोक का माहौल है। विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि घटनास्थल पहुंचकर सांत्वना दे रहे हैं। सभी लोगों द्वारा परिवार का दुख बांटने के साथ ही राहत पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। गुरुवार को राज्यसभा सदस्य (सांसद) प्रो. राकेश सिन्हा ने घटनास्थल पर जाकर पीड़ित परिवार से मुलाकात की तथा इस संबंध में जानकारी लिया। उन्होंने अधिकारियों से बात कर तुरंत राहत और पुनर्वास की व्यवस्था करने का निर्देश दिया। उन्होंने अधिकारियों को अविलंब पीड़ित परिवार सहित सभी भूमिहीन को जमीन का पर्चा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया। जिससे कि इन लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर दिलाया जा सके।

उन्होंने कहा कि यह बहुत ही हृदय विदारक घटना है। एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जल गए, नौ और घर भी जल गए। राकेश सिन्हा ने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि 1971 से आज तक यहां के महादलित परिवारों को जमीन का स्वामित्व नहीं मिल पाया है। बिहार सरकार का खोखला आश्वासन इन महादलितों परिवारों को न्याय और राहत दिलाने में असमर्थ है।

बिहार विस के सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा जन सुराज : संजय ठाकुर

पीके ने अब तक बारह जिलों के छः हजार गांवों की पूरी की पदयात्रा

पूर्वी चंपारण (हिंस)। आगामी विधानसभा चुनाव में जन सुराज बिहार के सभी 243 सीटों पर चुनाव लड़ेगा और सभी राजनीतिक दलों को धूल चटाएगा। 2025 में जन सुराज बिहार की जनता के सहयोग से सत्ता में आएगा। उक्त बातें गुरुवार को जन सुराज के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता सह मीडिया प्रभारी संजय कुमार ठाकुर ने दी। उन्होंने कहा कि जन सुराज के संस्थापक तथा पदयात्रा अभियान के प्रणेता प्रशांत किशोर ने स्पष्ट कहा है कि जन सुराज का संगठन बिहार के सभी जिलों में अपना विस्तार कर रहा है और सभी जगह पर तैयारियां की जा रही है। ठाकुर ने बताया है कि 2 अक्तूबर 2022 से शुरू हुई प्रशांत किशोर की पदयात्रा का अभी पंद्रह महीना बीती है अब सोलहवें महीना में उन्होने बेगूसराय जिले में पदयात्रा प्रारंभ की है।

राशन डीलरों को रोजी-रोटी के लिए विवश होकर हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा : डीलर्स फेडरेशन

गिरिडीह (हिंस)। राज्य के 25 हजार राशन डीलर मांगों के समर्थन में एक जनवरी से बेमियादी हड़ताल पर हैं। सभी राशन केंद्रों के बाहर ताले लटके हैं। इस संदर्भ में ऑल इंडिया फेयर प्राइस डीलर्स फेडरेशन के प्रदेश अध्यक्ष ओंकारनाथ झा और प्रदेश सचिव राजेश बंसल ने गुरुवार को कहा कि केंद्र और राज्य सरकारों की उपेक्षापूर्ण रवैए के कारण राशन डीलरों को रोजी-रोटी के लिए विवश होकर हड़ताल का रास्ता अपनाना पड़ा है। संघ के नेताओं ने कहा कि केंद्र व राज्यों की सरकारें समावेशी विकास के रास्ते चल रही हैं। इसपर हमारा कोई विरोधाभास नहीं है लेकिन सरकारें, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, कृषि और अन्य विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े लोगो के जीवन स्तर में सुधार लाने को लेकर योजनाओं के जरिए आर्थिक मदद कर रही है। फिर कोटेदारों के साथ सौतेला व्यवहार क्यों अपनाया जाता है? कोटेदार भी समाज के अंग है, जो विश्व की सबसे बड़ी खाद्य सुरक्षा योजना का 2014 से ही सफल संचालन कर रहे है। हड़ताल से गरीबों के राशन प्रभावित होने के बाबत संघ के नेताओं ने कहा कि पिछले एक साल से चरणबद्ध आंदोलन के तहत धरना-प्रदर्शन और शासन-प्रशासन के जरिए मांगों को लेकर ज्ञापन देने का आंदोलन चलता रहा है। जब सरकारों ने संज्ञान नहीं लिया तो मजबूरन में हड़ताल का आह्वान करना पड़ा है। मांगों के बाबत झा ने कहा कि गरीब कल्याण योजना के तहत 10 से 14 माह का कमीशन बकाया है। इसके अलावा रेगुलर राशन वितरण का कमीशन भुगतान में टाल-मटोल किया जाता है। उन्होंने कहा कि अनुकंपा के प्रावधानों में बदलाव करने से अनेक मृतक डीलरों के आश्रित भुखमरी के कगार पर है। गोदामों में अनाज की चोरी/कटौती को रोकने में विभाग नाकाम रहा, जिसका खामियाजा भी गरीब डीलरों को भुगतना पड़ता है। ई-पोश मशीनों में नेटवर्क नहीं रहता। निम्न स्तर का ई-काटा आए दिन बिगड़ता रहता है, जिसका जिम्मेदार भी लाचार डीलरों को ठहराया जाता है, जो मानवीय स्तर से व्यावहारिक नहीं है। झारखंड मुक्ति मोर्चा के केंद्रीय नेता गिरिडीह के विधायक सुदीप्य कुमार सोनू ने कहा कि सीएम हेमंत सोरेन सरकार झारखंडी अवाम के हक और अधिकारों एवं उनके जीवन स्तर में सुधार को लेकर लगातार यथा संभव कार्य कर रही है। अपनी सरकार के चौथी सालगिरह के मौके पर राजधानी रांची में आयोजित समारोह में सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य भर के राशन डीलरों की कमीशन बढ़ोतरी को लेकर घोषणा की है, जो स्वागत योग्य है। उन्होंने स्पष्ट किया कि वे खुद इनकी वाजिब मांगों को लेकर गंभीर है। इस संदर्भ में सीएम से कई चरणों में बात हुई है उनके संज्ञान में है और सरकार काम कर रही है। सोनू ने विश्वास व्यक्त किया की शीघ्र राज्यभर के पीडीएस डीलरों की कमीशन में बढ़ोतरी होगी। साथ ही कहा कि राज्य हित में हड़ताल वापस लेने पर भी विचार करने की जरूरत है।

राजस्थान / पंजाब / हरियाणा / जम्मू

भारतीय संस्कृति की सीढ़ी के माध्यम से आगे बढ़ेंगे तब निश्चित ही भारत विकसित होगा : मंत्री अर्जुनराम

बीकानेर (हिंस)। केंद्रीय मंत्री अर्जुनराम मेघवाल ने गुरुवार को बीकानेर में कहा कि भारतीय संस्कृति की सीढ़ी के माध्यम से जब हम आगे बढ़ेंगे तब भारत निश्चित रुप से विकसित होगा। वे यहां नत्थूसर बास स्थित श्री विवेकनाथजी की बगीची (श्री नवलेश्वर मठ) में श्री श्री 1008 श्रोत्रिय परिव्राजकाचार्य पूज्य गुरुवार श्री विवेकनाथजी महाराज योगेश्वर के निर्वाण दिवस पर समाधि महापूजन पश्चात अपना उद्बोधन दे रहे थे। इस अवसर पर 1008 नवलेश्वर मठ सिद्धपीठ, बीकानेर के अध्यक्ष अधिष्ठाता महंत योगी शिवसत्यनाथजी महाराज के सानिध्य में श्री नवलेश्वर मठ में समाधि का महापूजन, अभिषेक किया गया। केंद्रीय मंत्री ने यह भी कहा कि अयोध्या में श्रीराम मंदिर को लेकर पूरे देश में उत्साह, उमंग है। कालखंड में ऐसा काम होने जा रहा है, जो इतिहास में हमेशा याद किया जाएगा। उन्होंने इस मौके पर विकसित भारत संकल्प यात्रा के बारे में भी जानकारी दी। मठ के संत योगी विलासनाथ जी महाराज ने बताया कि इससे पहले समाधि महापूजन पं. जुगल किशोर ओझा *पूजारी बाबा* के सानिध्य में पंडितों द्वारा किया गया। इस मौके पर राज्य के अनेक जिलों से भी संतगण पधारे और महाप्रसादी ग्रहण की।

भाजपा शासन के नौ वर्ष केवल धरने, प्रदर्शन व आंदोलन में बीते : संपत सिंह

मोहल्ला मिलन कार्यक्रम के तहत कार्यक्रम को संबोधित किया

हिसार (हिंस)। कांग्रेस नेता एवं पूर्व मंत्री संपत सिंह ने कहा है कि भाजपा के पिछले नौ वर्ष लोगों के धरना व प्रदर्शन में बीते। नववर्ष की शुरूवात भी धरना व प्रदर्शन से शुरू हुई है। प्रदेश के सभी वर्गों के लोग भाजपा सरकार से दुःखी है। वे गुरुवार को 19वें मोहल्ला मिलन जनसंपर्क अभियान के तहत क्षेत्रवासियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का आयोजन बंसीलाल जांगड़ा ने आजाद नगर की कर्ण कुंज कॉलोनी में लोगों के सहयोग से किया था। उन्होंने कहा कि खाद, बीज, फसल बीमा क्लेम, क्षतिग्रस्त फसलों का मुआवजा, नकली खाद, बीज व दवाइयों व आवारा पशुओं पर रोक लगाने की मांग को लेकर सयुंक्त किसान मोर्चा ने दो दिनों से पक्का मोर्चा लगा रखा है। सरकार को उनकी मांगों का तुरंत हल निकालना चाहिए। इसी तरह प्रदेश के पहलवानों, कर्मचारी, क्लर्क, अतिथि अध्यापक व पीटीआई, आंगनबाड़ी वर्कर, आशा वर्कर, पटवारी व कानूनगो, पंचायत सचिव, निगम के सफाई कर्मचारी, यहां तक की डॉक्टरों को भी अपनी समस्या का हल निकलवाने के लिए हड़ताल धरना प्रदर्शन करना पड़ा। पिछले वर्ष नवनिर्वाचित सरपंचों को अपने अधिकारों के लिए धरने व प्रदर्शन करने पड़े और सरकार ने उन पर बर्बरतापूर्ण लाठीचार्ज करवाया। नव वर्ष में अतिथि अध्यापकों पर भी लाठीचार्ज किया गया। काफी लंबे समय से तलवड़ी राणा व आसपास के लोगों का रास्ते के लिए, आजाद नगर के लोगों ने हस्पताल के लिए, हिसार में दुरदर्शन केंद्र बंद करने के विरोध में कर्मचारीयों व आम जनता को भी लंबे समय तक धरना देना पड़ा है। बंसीलाल जांगड़ा ने इस मौके पर संपत सिंह द्वारा आजाद नगर में अपने कार्यकाल में करवाए गए पानी, सीवरेज, गलियां, बिजली, गरीबों के लिए 200 घरों, चार सामुदायिक केंद्रों, 6 एकड़ में पार्क, 34 एकड़ में जलघर, फायर बिग्रेड, अस्पताल, पानी की निकासी व वाटर ट्रीटमेंट प्लांट आदि विकास कार्यों की सराहना की। इस मौके पर बंसीलाल जांगड़ा, बिहारी लाल शर्मा, सतबीर माथुर, राजाराम बिश्नोई, अमरसिंह पूर्व सरपंच, अमीलाल जांगड़ा, जगमेन्द्र भुक्कल, पोकर बिश्नोई, दिलबाग कटारिया, सुभाष वर्मा, चत्तर सिंह सुंडा, सोना देवी, केला देवी जांगड़ा, राजो नैन, भतेरी सुंडा, किताबो जांगड़ा, दया नेहरा, शकुंतला जांगड़ा, जगदीश भदरेचा, जीवन जांगड़ा, दिनेश कालीरावणा, भूप ढिल्लो, दयानंद सुथार, सुरेन्द्र शर्मा, पवन जग्गल, जयभगवान जांगड़ा, रणधीर बामल, हरज्ञान ख्यालिया, राजीव पातड़, सतपाल मोर, राममेहर चहल, राजबाला सिवाच, युद्ववीर, सुरजाराम आदि उपस्थित थे।

किसानों का अनोखा प्रदर्शन

हिसार (हिंस)। पांच संगठनों के नेतृत्व में किसान बैल की जगह खुद को जुए में जोतकर हल चलाते हुए हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के चार नंबर गेट से विरोध प्रदर्शन करते हुए लघु सचिवालय तक पहुंचे। गुरुवार को किए गए इस प्रदर्शन के बाद किसानों ने वहां जाकर अपनी मांगों का ज्ञापन सौंपा। किसानों की एडीसी से एक घंटे तक बैठक चली लेकिन प्रशासन से वार्ता विफल रही। भाकियू प्रदेश प्रेस प्रवक्ता जोगेंद्र माइयड़ ने बताया किसान और मजदूर कर्ज के बोझ तले दबता जा रहा है। यह सरकार की गलत नीतियों के कारण हो रहा है। विदेशों में जिस किसान के पास दो एकड़ जमीन भी है वह कार लेकर खेत में जाता है लेकिन हमारे देश के किसान व मजदूरों की लुटिया सरकारों ने डुबो दी है। सत्ता में बैठे नेता अपनी तिजोरियां भर रहे हैं और देश को लूटने में लगे हैं। किसान, मजदूर और बेरोजगार होते युवाओं की उन्हें कोई चिंता नहीं है।

अमृतसर पुलिस ने ड्रोन से फेंकी गई दो किलो आइस ड्रग व चीनी पिस्तौल बरामद की, एक गिरफ्तार

अमृतसर (हिंस)। सीमा पार से नशीले पदार्थों की तस्करी के नेटवर्क को बड़ा झटका देते हुए पंजाब पुलिस ने दो किलो आइस ड्रग (मेथामफेटामाइन) बरामद की है। पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके सीमा पार से चलाए जा रहे नशा और हथियारों की तस्करी के रैकेट का पर्दाफाश किया है। पंजाब पुलिस महानिदेशक गौरव यादव ने गुरुवार को बताया कि गिरफ्तार किया गया व्यक्ति अमृतसर के गांव गग्गड़माल का निवासी सिमरनजीत सिंह उर्फ सिमर मान है। पुलिस टीम ने आइस ड्रग की खेप के अलावा उसके कब्जे से एक अति-आधुनिक .30 बोर का चीनी पिस्तौल और पांच जिंदा कारतूस भी बरामद किए हैं। डीजीपी ने बताया कि प्राथमिक जांच से पता लगा है कि गिरफ्तार मुलजिम पाकिस्तान आधारित तस्कर पठान और आमेर के सीधे संपर्क में था, जो उसे ड्रोन के जरिए सरहद पार से आइस ड्रग्ज और हथियार सप्लाई कर रहे थे। उन्होंने कहा कि यह गिरोह राज्य भर में आइस ड्रग्ज की सप्लाई करता था, इसलिए उसके नेटवर्क के बारे में पता लगाने के लिए जांच जारी है। उन्होंने बताया कि अमृतसर के पुलिस आयुक्त गुरप्रीत सिंह भुल्लर के नेतृत्व में डीसीपी हरप्रीत मंडेर, एडीसीपी सिटी-3 अभिमन्यु राणा और एसीपी वेस्ट कमलजीत औलख की टीम ने छेहरटा क्षेत्र में व्यापक ऑपरेशन किया। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम ने सिमर मान को उस समय गिरफ्तार किया।

राम मंदिर : कलश यात्रा में उमड़ा मातृशक्ति का उत्साह

जयपुर (हिंस)। अयोध्या में भगवान श्रीराम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमंत्रण अभियान के तहत अक्षत कलश यात्राओं का दौर जारी है। घर-घर जाकर निमंत्रण व 22 जनवरी को दीपावली मनाने का आग्रह किया जा रहा है। अभियान के तहत जयपुर में गुरुवार को विश्व हिंदू परिषद मातृशक्ति की ओर से विवेकानंद प्रखंड जगतपुरा में कलश यात्रा निकाली गई। यह यात्रा प्राचीन शिव मंदिर से शुरू होकर टीबा के हनुमान मंदिर तक निकाली गई। जगह-जगह समाज के लोगों द्वारा पुष्पवर्षा की गई। विश्व हिंदू परिषद् से प्रांत उपाध्यक्ष सुभद्र पापड़ीवाल, प्रांत विशेष संपर्क प्रमुख सुलभ शुक्ला, मालवीय जिला अध्यक्ष संजय शर्मा, बजरंग दल जिला संयोजक पंकज कुमावत समेत प्रखंड के कार्यकर्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजिका जयमाला ने बताया कि मातृशक्ति कलश यात्रा में काफी उत्साह देखने को मिला। बच्चे, युवा एवं बुजुर्ग सभी पीले चावल वितरण करने के लिए अपने अपने कॉलोनी में घर घर जनसंपर्क कर निमंत्रण दे रहे हैं।

राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तैयारियों को लेकर हुई सर्वसमाज की बैठक

डूंगरपुर (हिंस)। सनातन धर्म समिति डूंगरपुर द्वारा अयोध्या में आगामी 22 जनवरी को होने वाले राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के निमित्त डूंगरपुर के रामबोला मठ में आयोजित होने वाले दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों की तैयारियों को लेकर सर्वसमाज की बैठक रामबोला मठ में महंत शिवशंकरदास जी महाराज की अध्यक्षता में आयोजित की। सनातन धर्म समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र चौबीसा ने बैठक में 21 व 22 जनवरी को दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान की सम्पूर्ण रूपरेखा प्रस्तुत की जिसमें उन्होंने बताया कि 21 जनवरी की शाम 07 बजे रामबोला मठ में डूंगरपुर के भजन गायकों द्वारा हुनमान चालीसा के 11 पाठ कर आरती प्रसाद लिए जाएंगे। 22 जनवरी की शाम 6 बजे गेपसागर की पाल पर नगरपरिषद द्वारा निर्मित गाय के गोबर के दीपकों का दीपदान एवं भव्य अतिबाजी की जावेगी तत्पश्चात रामबोला मठ में जिले की समस्त

धुनियो के संतो एवं श्रीनाथजी मंदिर की महिला भजन मंडली संघ द्वारा भजन कीर्तन किया जाएगा। रात्रि को महाआरती एवं समस्त सनातनियों के लिए महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। चौबीसा ने बताया कि नगर के समस्त मंदिरों और गेपसागर की पाल पर नगर परिषद द्वारा रोशनी की जाएगी। सनातन धर्म समिति के संरक्षक प्रियकांत पंड्या ने समस्त सनातनियों से अपील करी कि 22 जनवरी को दीपावली से भी ज्यादा भव्य त्यौहार के रूप में मनाया जाए। साथ ही कहा कि पहले हम सनातनी है इसके बाद हमारी जातियां है इसलिए रामलला का आयोजन उत्साह और उमंग से मनाया जाए। प्रियकांत पंड्या ने बताया कि इस आयोजन की रूपरेखा और कार्य योजना में सनातन धर्म समिति के अध्यक्ष सुरेंद्र चौबीसा एवं समिति के संगठन महामंत्री 15 दिनों से कार्य कर रहे है जिसके फलस्वरूप आज दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान की रूप रेखा सर्वसमाज के सम्मुख प्रस्तुत हो पाई। विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष सज्जन सिंह भाटी ने कहा कि पूरे जिले के प्रत्येक घर में अयोध्या से पूजित अक्षत एवं निमंत्रण पत्र वीएचपी के कार्यकर्ताओं द्वारा वितरित किए जा रहे है। साथ ही राम मंदिर के बारे में पूरी जानकारी प्रस्तुत की। पूर्व सभापति केके गुप्ता ने कहा कि डूंगरपुर नगर जिस प्रकार से स्वच्छता के नाम से विख्यात है उसी प्रकार 22 जनवरी के आयोजन को भी भव्यता प्रदान करे। साथ ही गुप्ता ने कहा कि राम मंदिर हर भारतीय का गौरव हैं जो 570 वर्षों के इंतजार के बाद 22 जनवरी को पूर्ण हो रहा है। सकल जैन समाज के नवयुवक मंडल अध्यक्ष सुबोध जैन ने कहा कि भगवान राम के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव को भव्यता प्रदान करने सकल जैन समाज पूरा सहयोग करेगा। रामबोला मठ के महंत शिवशंकर दास जी महाराज ने सभी सनातनीयों से कहा कि रामबोला मठ में आयोजित होने वाला दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान नगर के सर्वसमाज के सहयोग से किया जा रहा है और पूरा आयोजन समस्त समाजों को ही सम्पन्न करवाना है क्योंकि वे स्वयं प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव में डूंगरपुर से प्रतिनिधित्व करने अयोध्या जाएंगे। महंत शिवशंकरदास जी ने समस्त सनातनियों से आह्वान किया कि 21 व 22 जनवरी के दो दिन अपने-अपने घरों, मंदिरों एवं दुकानों में रोशनी व दीपक करे, साथ ही रामबोला मठ में दोनो दिन सभी सनातनी सपरिवार आए। साथ ही 22 जनवरी को राममंदिर प्राण प्रतिष्ठा हेतु रामबोला मठ में भंडारा किया जाएगा जिसमे शहर के समस्त सनातनी सपरिवार प्रभु राम का प्रसाद ग्रहण करे। सनातन धर्म समिति के संगठन महामंत्री ने बैठक में उपस्थित समस्त समाजों के अध्यक्षों को दो दिवसीय धार्मिक अनुष्ठान का निमंत्रण एवं कार्यक्रम की रूपरेखा का पत्रक वितरित किया।

हाईकोर्ट से जमानत के बाद खैहरा पर एक और मामला दर्ज, नहीं हो सकी रिहाई

चंडीगढ़(हिंस)। पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट से जमानत मिलने के तुरंत बाद कांग्रेस विधायक सुखपाल खैहरा के खिलाफ एक और मामला दर्ज कर लिया गया है। इसके चलते गुरुवार को हाईकोर्ट के आदेशों के बावजूद उनकी रिहाई नहीं हो सकी। सुखपाल खैहरा के खिलाफ 2015 के एक पुराने ड्रग केस में जांच चल रही थी। इसमें डीआईजी की अगुआई में बनी एसआईटी की रिपोर्ट के आधार पर उनकी गिरफ्तारी हुई थी। गुरुवार को इस मामले में हाईकोर्ट ने उन्हें जमानत दे दी।

अब 31 मई तक फॉर्म जमा होंगे, अधिक पेंशन पाने का विकल्प चुन सकेंगे सेवानिवृत्त कर्मचारी

नई दिल्ली ।
ईपीएफओ ने उच्च पेंशन का विकल्प चुनने वाले कर्मचारियों को और मोहलत दी है। विवरण ऑनलाइन अपलोड करने की समय सीमा 31 मई तक बढ़ा दी गई है। पहले नियोक्ताओं के लिए वेतन विवरण अपलोड करने की समय सीमा 31 दिसंबर, 2023 थी। श्रम मंत्रालय ने इस संबंध में बयान जारी किया। दरअसल, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने पहले अपने सभी ग्राहकों को उच्च योगदान पर अधिक पेंशन का विकल्प/संयुक्त विकल्प चुनने का मौका दिया था। सेवानिवृत्त कर्मचारियों को अधिक पेंशन के लिए आवेदन का सत्यापन कराना था। आवेदन जमा करने के लिए एक ऑनलाइन सुविधा दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने विगत 4 नवंबर, 2022 को इस संबंध में आदेश पारित किया था। शीर्ष अदालत के आदेश का अनुपालन करते हुए श्रम मंत्रालय के अधीन काम करने वाले कर्मचारी भविष्य निधि संगठन की तरफ से पेंशनभोगियों/ईपीएफओ सदस्यों को उच्च पेंशन विकल्प की पेशकश की गई थी। ऑनलाइन आवेदन सुविधा 26 फरवरी, 2023 को शुरू हुई थी। हायर पेंशन का विकल्प चुनने की पहली डेडलाइन 3 मई, 2023 थी। कर्मचारियों के अभ्यावेदन पर विचार करते हुए, पात्र पेंशनभोगियों और ईपीएफओ सदस्यों को आवेदन दाखिल करने के लिए पूरे चार महीने का समय प्रदान किया गया। बाद में समय सीमा 26 जून, 2023 तक बढ़ा दी गई थी।

अधिक पेंशन के लिए अब तक कुल 17.49 लाख आवेदन – देशभर में आवेदकों की बड़ी संख्या को देखते हुए 15 दिन और दिए गए। कर्मचारियों के विकल्प/संयुक्त विकल्पों का सत्यापन के लिए आवेदन जमा करने की डेडलाइन 11 जुलाई, 2023 तक बढ़ा दी गई थी। ईपीएफओ के मुताबिक 11 जुलाई, 2023 तक पेंशनभोगियों/ ईपीएफओ सदस्यों के कुल 17.49 लाख आवेदन प्राप्त हो चुके हैं। नियोक्ताओं और नियोक्ता संघों ने ईपीएफओ को बताया कि कर्मचारियों की संख्या लाखों में है।

न्यूज ब्रीफ

मार्क जुकरबर्ग ने मेटा के आधा अरब डॉलर के शेयर बेचे, 2023 के आखिरी दो महीनों में की गई बिक्री

नई दिल्ली । मार्क जुकरबर्ग ने दो साल के बाद 2023 के अंतिम दो महीनों में मेटा प्लेटफॉर्म्स के लगभग आधा अरब डॉलर के शेयर बेचे, इस दौरान कंपनी के शेयर की कीमत सात साल में सबसे कम हो गई। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार, मेटा के मुख्य कार्यकारी ने 1 नवंबर से साल के अंत के बीच हर कारोबारी दिन शेयर बेचे, इस दौरान लगभग 42.8 करोड़ डॉलर में लगभग 1.28 मिलियन शेयर बेचे गए। औसतन, प्रत्येक बिक्री में 10.4 मिलियन डॉलर के शेयर बिके, जिसमें 28 दिसंबर को सबसे अधिक 17.1 मिलियन डॉलर के शेयर बेचे गए। इससे पहले जुकरबर्ग ने नवंबर 2021 से मेटा के शेयर नहीं बेचे थे। कंपनी के शेयर की कीमत 2022 के अंत में सात साल के निचले स्तर से पिछले साल 194 प्रतिशत बढ़ी थी। मेटा शेयरों ने पिछले साल एनवीडिया कॉर्प को छोड़कर हर अन्य प्रमुख तकनीकी दिग्गज से बेहतर प्रदर्शन किया और अब यह सितंबर 2021 के रिकॉर्ड उच्च स्तर के करीब है। ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स के अनुसार, 39 वर्षीय जुकरबर्ग मेटा के लगभग 13 प्रतिशत शेयरों के मालिक हैं और उनकी कुल संपत्ति लगभग 125 बिलियन डॉलर है, जिससे वह दुनिया के सातवें सबसे अमीर व्यक्ति हैं। जुकरबर्ग की ओर से मेटा के शेयरों की बिक्री पर टिप्पणी के अनुरोध का कंपनी की ओर से जवाब नहीं दिया। टेक जगत में जुकरबर्ग के समकक्ष मार्क बेनिओफ ने भी 2023 की दूसरी छमाही में लगभग हर दिन शेयर बेचे। सेल्सफोर्स के सह-संस्थापक ने इस अवधि के दौरान 475 मिलियन डॉलर से अधिक मूल्य के शेयर बेचे। इस दौरान हर दिन लगभग 15,000 शेयर बेचे गए जिनका मुल्य लगभग 3 मिलियन डॉलर था।

बेहतर फसल से गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.4 करोड़ टन होने की उम्मीद, अच्छे तापमान से आएगी तेजी

नई दिल्ली । फसल सत्र 2023-24 में गेहूं का उत्पादन रिकॉर्ड 11.4 करोड़ टन होने की उम्मीद है।2022-23 में 11.05 करोड़ टन उत्पादन हुआ था। भारतीय खाद्य निगम के चेयरमैन अशोक के मीणा ने कहा, फसल बेहतर रहने और तापमान के अच्छे होने से गेहूं उत्पादन में तेजी आएगी। गेहूं की रबी सीजन की अंतिम बुवाई अभी चल रही है, जो अगले हफ्ते तक जारी रहेगी। अब तक 3.25 करोड़ हेक्टेयर में गेहूं की बुवाई हुई है। मीणा ने कहा, हमारा अनुमान है कि इस साल फसल के कुल क्षेत्र में वृद्धि होगी। कृषि मंत्रालय ने इसी आधार पर रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन का अनुमान जताया है। उन्होंने कहा, गेहूं की बुवाई के रकबे में वृद्धि देखी जा रही है। कुछ राज्यों में एक फीसदी की कमी थी, जो जनवरी के पहले सप्ताह में पूरी हो जाएगी। अगर उत्पादन स्तर यही रहा तो हम अपनी जरूरत से अधिक और अगले वर्ष के लिए खुला बाजार बिक्री योजना के लिए जरूरी अतिरिक्त भंडार भी खरीद पाएंगे।

ईडी ने महादेव एप मामले में नया आरोपपत्र दाखिल किया, आरोपियों के दुबई से प्रत्यर्पण की तैयारी

नई दिल्ली ।
प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने महादेव ऑनलाइन बुक ऐप के जरिए कथित अवैध सट्टेबाजी और गेमिंग से जुड़े धनशोधन के एक मामले में रायपुर की एक विशेष अदालत के समक्ष नया आरोपपत्र दायर किया है। अधिकारियों ने बताया कि संघीय एजेंसी इस दूसरी अभियोजन शिकायत (आरोपपत्र) को दुबई में अधिकारियों के साथ साझा करेगी ताकि एप के दो मुख्य प्रमोटर्स रवि उप्पल और सौरभ चंद्राकर का प्रत्यर्पण सुनिश्चित किया जा सके।

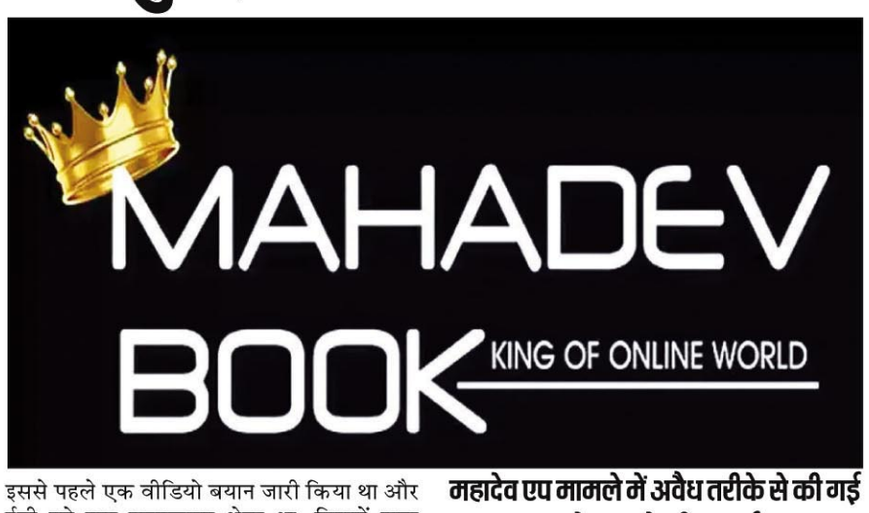

ईडी के कहने पर इंटरपोल की ओर से जारी किया गया था नोटिस

ईडी के कहने पर दोनों को हाल ही में इंटरपोल की ओर से जारी रेड नोटिस के आधार पर दुबई में हिरासत में लिया गया था। समझा जाता है कि एजेंसी ने पहले आरोपपत्र की सामग्री यूएई के अधिकारियों के साथ साझा की जिसके आधार पर दोनों के खिलाफ गैर जमानती वारंट हासिल किया गया जिसके बाद इंटरपोल ने रेड नोटिस जारी किया।

अधिकारियों ने बताया कि करीब 1,700-1,800 पन्नों का नया आरोपपत्र एक जनवरी को दायर किया गया और कथित कैश कूरियर असीम दास, पुलिस कांस्टेबल भीम सिंह यादव, एप से जुड़े एक प्रमुख कार्यकारी शुभम सोनी समेत पांच आरोपियों को आरोपी बनाया गया है। ईडी के वकील सौरभ पांडे ने कहा कि विशेष धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) अदालत 10 जनवरी को आरोपपत्र पर संज्ञान ले सकती है।

दिसंबर में खबर आई थी कि संघीय एजेंसी जल्द ही मामले में दूसरा आरोपपत्र दायर करेगी और दोनों प्रवर्तकों के खिलाफ अपने मामले को मजबूत करने और उनकी हिरासत हासिल करने के लिए इसकी सामग्री दुबई के अधिकारियों के साथ साझा करेगी। दास और यादव को छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के पहले चरण के मतदान से ठीक पहले नवंबर में गिरफ्तार किया था।

राजनेताओं को रिश्वत देने का किया गया था दावा

एप के मालिक होने का दावा करने वाले सोनी ने इससे पहले एक वीडियो बयान जारी किया था और ईडी को एक हलफनामा भेजा था, जिसमें दावा किया गया था कि उनके पास राजनेताओं और उनसे जुड़े व्यक्तियों को रिश्वत दिए जाने के बारे में सबूत हैं, ताकि एप को बिना किसी कानूनी कार्रवाई के अपना अवैध व्यवसाय चलाने की अनुमति दी जा सके। रायपुर में विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष दायर अपने पहले आरोपपत्र में चंद्राकर और उप्पल के साथ कुछ अन्य को भी नामजद किया था।

ईडी ने पहले आरोपपत्र में आरोप लगाया कि चंद्राकर की शादी फरवरी 2023 में संयुक्त अरब अमीरात के रास अल खैमा में हुई थी और इस कार्यक्रम के लिए करीब 200 करोड़ रुपये नकद खर्च किए गए थे जिसमें उनके रिश्तेदारों को भारत से यूएई लाने के लिए निजी विमानों को किराए पर लिया गया था और मशहूर हस्तियों को प्रस्तुति देने के लिए भुगतान किया गया था।

पहले कहा था कि एप के जरिए कमाए गए कथित अवैध धन को राज्य में राजनेताओं और नौकरशाहों को रिश्वत के रूप में साझा किया गया था, जबकि भुगतान के तरीके और ऑनलाइन सट्टेबाजी मंच के साथ उनके संबंधों पर पूछताछ के लिए कई हस्तियों और बॉलीवुड अभिनेताओं को भी तलब किया है।

महादेव एप मामले में अवैध तरीके से की गई छह हजार करोड़ रुपये की कमाई

ईडी के अनुसार, इस मामले में अपराध की अनुमानित आय लगभग 6,000 करोड़ रुपये है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के पहले चरण से ठीक पहले नवंबर में दावा किया था कि फॉरेंसिक विश्लेषण और असीम दास की ओर से दिए गए बयान में चौंकाने वाले आरोप लगाए गए हैं। इसके अनुसार महादेव सट्टेबाजी एप के प्रमोटर्स ने छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ कांग्रेस नेता भूपेश बघेल को अब तक लगभग 508 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। बघेल ने इन आरोपों को उनकी छवि खराब करने का प्रयास बताया था, जबकि कांग्रेस ने अपने तत्कालीन सीएम के खिलाफ इसे केंद्र की प्रतिशोध की राजनीति कहा था।

दास ने बाद में रायपुर में विशेष अदालत के समक्ष कहा था कि उन्हें साजिश के तहत फंसाया गया है और उन्होंने कभी भी राजनेताओं को नकदी नहीं पहुंचाई। दोनों प्रमोटर छत्तीसगढ़ के भिलाई शहर के रहने वाले हैं और महादेव ऑनलाइन बुक बेटिंग एप्लिकेशन एक अंब्रेला सिंडिकेट है जो अवैध सट्टेबाजी वेबसाइट्स को सक्षम करने के लिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म की व्यवस्था करता है।

सोना और चांदी की कीमतों में तेजी, सोना 62,700 और चांदी 72,350 रुपए

नई दिल्ली ।
बडी गिरावट के बाद सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोना मामूली तेजी के साथ खुलने के बाद करीब 750 रुपये की गिरावट के साथ बंद हुआ था। चांदी के वायदा भाव भी करीब 1,600 रुपये गिरे थे। वहीं सोना शुरुआत में 62,700 रुपये और चांदी 72,350 रुपये के करीब कारोबार कर रही थी। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेज रही।

मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रेक्ट 217 रुपये की तेजी के साथ 62,724 रुपये के भाव पर खुला। फिलहाल यह कॉन्ट्रेक्ट 193 रुपये की तेजी के साथ 62,700 रुपये पर कारोबार कर रहा था।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रेक्ट 90 रुपये की तेजी के साथ 72,423 रुपये के भाव पर खुला। खबर लिखे जाने के समय यह कॉन्ट्रेक्ट 38 रुपये की तेजी के साथ 72,371 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। वैश्विक बाजार में सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई।

कॉमेक्स पर सोना 2,049.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,042.80 डॉलर था। फिलहाल यह 8.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,051.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था। कॉमेक्स पर चांदी के वायदा भाव 23.19 डॉलर के भाव पर खुले। पिछला बंद भाव 23.15 डॉलर था। फिलहाल यह 0.01 डॉलर की मामूली तेजी के साथ 23.16 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने 8.85 प्रतिशत तक के डिजिटल फिक्स्ड डिपॉजिट अनुभव के साथ नए साल का उत्साह बढ़ाया

पुणे ।
बजाज फिनसर्व की ऐप और वेबसाइट के माध्यम से बुक की गई डिपॉजिट पर तुलनात्मक रूप से 8.85 प्रतिशत की उच्च दर की पेशकश देश के सबसे बड़े वित्तीय सेवा समूहों में से एक, बजाज फिनसर्व का हिस्सा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड ने आज डिजिटल फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) लॉन्च करने की घोषणा की, जो इसके ऐप और वेबसाइट के माध्यम से बुक की गई डिपॉजिट पर 8.85 प्रतिशत तक की विशेष दरें उपलब्ध कराता है। साल के अंत के साथ, डिजिटल एफडी ग्राहकों को डिपॉजिट बुक करने के लिए डिजिटल एवं असिस्टेड डिजिटल मोड का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करके बचत के अनुभव को रूपांतरित करता है। बजाज फिनसर्व ऐप और वेबसाइट का सफ़र सरल, सुरक्षित और निर्बाध है जिसमें लगभग तुरंत एफडी बुकिंग की जा सकती है। 2 जनवरी, 2024 से प्रभावी, बजाज फाइनेंस वरिष्ठ नागरिकों को बजाज फिनसर्व ऐप और वेब पर बुक की गई एफडी में 42 महीने की अवधि के लिए 8.85 प्रतिशत प्रति वर्ष तक की ब्याज दर प्रदान कर रहा है। 60 वर्ष से कम उम्र के जमाकर्ता प्रति वर्ष 8.60 प्रतिशत तक कमा सकते हैं। संशोधित दरें 42 महीने की अवधि के लिए 5 करोड़ रुपये तक की नई जमा और परिपक्व होने वाली जमाराशियों के नवीनीकरण पर लागू होंगी। बजाज फाइनेंस के फिक्स्ड डिपॉजिट और निवेश प्रमुख सचिन सिक्का ने कहा, हमारी बाधारहित प्रक्रियाएं, आकर्षक ब्याज दरें और ग्राहक अनुकूल नीतियां बजाज फाइनेंस एफडी के साथ उपभोक्ता के अनुभवों को और बेहतर बनाती हैं। 2 वर्षों में हमारी डिपॉजिट बुकिंग में 2 गुना वृद्धि भी बजाज ब्रांड पर ग्राहकों के भरोसे का प्रमाण है। हमारे एफडी अब जमाकर्ताओं को डिजिटल-फर्स्ट सोचने में सक्षम बनाते हैं। इसे एक सरल एंड-टू-एंड डिजिटल सफ़र के रूप में बनाया गया है, जिसमें विशेष रूप से बजाज फिनसर्व ऐप और वेब पर उच्च ब्याज दरें उपलब्ध हैं। यह एफडी खोलने के अनुभव को डिजिटल युग में लाता है। 30 सितंबर, 2023 तक बजाज फाइनेंस के ऐप प्लेटफॉर्म पर 44.68 मिलियन नेट उपयोगकर्ताओं के साथ 76.56 मिलियन ग्राहक जुड़े हैं।

पी बालाजी बने ग्रुप हेड, एयर इंडिया के कॉरपोरेट मामलों का विभाग संभालेंगे; तीन दशक से अधिक का अनुभव

मुंबई ।
देश की सबसे बड़ी एयरलाइन कंपनी एयर इंडिया ने पी बालाजी को कॉरपोरेट मामलों का ग्रुप प्रमुख नियुक्त किया है। कंपनी के शीर्ष पदों में एक पर नियुक्ति को लेकर एयर इंडिया की तरफ से जारी बयान में कहा गया कि 30 साल से अधिक का अनुभव रखने वाले पी बालाजी के पास टेलीकॉम सेक्टर के साथ-साथ सूचना और प्रौद्योगिकी सेक्टर में काफी लंबा अनुभव है। उन्होंने उत्पाद प्रबंधन और मार्केटिंग में भी सेवाएं दी हैं। अब वे एयर इंडिया के कॉरपोरेट मामलों का प्रभार संभालेंगे।

पहली बार पोस्ट बनाकर हुई नियुक्ति – बालाजी ने पेशेवर करियर की शुरुआत टाटा प्रशासनिक सेवा से की थी। नई प्रोफाइल में उनके पास कंपनी के गवर्नेंस, नियामक, अनुपालन (जीआरसी) और कॉरपोरेट मामलों का विभाग होगा। इनकी नियुक्ति के लिए एयर इंडिया में ग्रुप हेड का पहली बार सृजित किया गया है।

वोडाफोन-आईडिया के साथ टेलीकॉम सेक्टर में लंबा अनुभव – बालाजी टेलीकॉम सेक्टर की दिग्गज कंपनियां- वोडाफोन और आइडिया में लगभग एक दशक तक काम कर चुके हैं। बालाजी एयर इंडिया के प्रबंध निदेशक कैंपबेल विल्सन को रिपोर्ट करेंगे। विल्सन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी हैं।

कंपनी में बदलाव लाएंगे बालाजी – ग्रुप हेड के रूप में पी बालाजी एयर इंडिया के सरकारी मामलों के अलावा कानूनी और नैतिक से जुड़े मामलों का जिम्मा भी संभालेंगे। कॉरपोरेट मामलों के ग्रुप हेड की नियुक्ति के बाद सीईओ विल्सन ने बताया कि उनके अनुभव का खजाना कंपनी में बदलाव के नजरिए से बेहद फायदेमंद होगा।

विनिवेश के बाद एअर इंडिया टाटा संस की झोली में आया – बता दें कि एयर इंडिया विनिवेश के बाद कंपनी का मालिकाना हक टाटा समूह के पास चला गया है। टाटा संस ने 18 हजार करोड़ की बोली लगाई थी। साल 2021 में विनिवेश का प्रोसेस पूरा होने के बाद स्वदेश में संचालित विमान के बेड़े- एयर इंडिया और देश की पहली अंतरराष्ट्रीय एयरलाइन सेवा- एयर इंडिया एक्सप्रेस की कमान टाटा संस को सौंप दी गई थी। निवेश और सार्वजनिक संपत्ति प्रबंधन विभाग की निगरानी में पूरी प्रक्रिया हुई थी।

रुपया हल्की बढ़त पर खुला

मुंबई । रुपये ने शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले सीमित दायरे में कारोबार किया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी कोषों की निकासी से निवेशकों की भावनाएं प्रभावित हुई हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.30 पर खुला। बाद में 83.26 प्रति डॉलर पर पहुंच गया, जो पिछले बंद स्तर की तुलना में दो पैसे की गिरावट है। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.30 पर बंद हुआ था। इस बीच छह अन्य मुद्राओं की तुलना में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती का आकलन करने वाला डॉलर सूचकांक मामूली गिरावट के साथ 102.42 पर कारोबार कर रहा था वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0.31 प्रतिशत की बढ़त के साथ 78.49 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया।शेयर बाजार के आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने 666.34 करोड़ रुपये के शेयर बेचे।

भारत की सबसे रिचेस्ट प्रमोटर बनी अडाणी फैमिली

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ा, मार्केट कैप 15.27 लाख करोड़ हुआ

नई दिल्ली ।
गौतम अडाणी फैमिली ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को पीछे छोड़ते हुए भारत के सबसे रिचेस्ट प्रमोटर का खिताब फिर से हासिल कर लिया है। अडाणी-हिंडनबर्ग केस में सुप्रीम कोर्ट के फैसले से ग्रुप के सभी 10 शेयरों में तेजी देखी गई, जिस कारण अडाणी की नेटवर्थ बढ़ी है।

बिजनेस स्टैंडर्ड की रिपोर्ट के अनुसार, गौतम अडाणी फैमिली की कुल नेटवर्थ बढ़कर 9.37 लाख करोड़ हो गई, जो एक दिन पहले 8.98 लाख करोड़ थी। इसकी तुलना में, मुकेश अंबानी की कुल नेटवर्थ 9.38 लाख करोड़ से थोड़ी कम होकर 9.28 लाख करोड़ हो गई।

अडाणी ग्रुप का मार्केट कैप 64,500 करोड़ बढ़ा

अडाणी ग्रुप की कंपनियों ने 64,500 करोड़ की कमाई की है। इससे ग्रुप का टोटल मार्केट कैप 14.47 लाख करोड़ से बढ़कर 15.27 लाख करोड़ हो गया है। अडाणी ग्रुप रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड के बाद देश का दूसरा सबसे वैल्युएबल ग्रुप है। मुकेश अंबानी के रिलायंस इंडस्ट्री का टोटल मार्केट कैप 17.48 लाख करोड़ है।

सुप्रीम कोर्ट ने क्या-क्या कहा

सेबी ने 22 मामलों की जांच पूरी की, 2 मामलों में 3 महीने के भीतर जांच पूरी करें। सेबी के रेगुलेटरी फ्रेमवर्क में दखल देने की इस अदालत की शक्ति सीमित है। ओसीसीपीआर की रिपोर्ट को सेबी की जांच पर संदेह के तौर पर नहीं देखा जा सकता। जांच को सेबी से एसआईटी को ट्रांसफर करने का कोई आधार नहीं है।

हिंडनबर्ग ने लगाए थे शेयर मैनिपुलेशन जैसे आरोप

अमेरिकी शॉर्ट सेलर कंपनी हिंदनबर्ग ने पिछले साल 24 जनवरी को गौतम अडाणी पर शेयर मैनिपुलेशन और मनी लॉन्ड्रिंग जैसे आरोप लगाए थे, जिसके बाद कंपनी के शेयरों में भारी गिरावट देखने को मिली थी। केस की जांच के लिए सुप्रीम कोर्ट ने 6 सदस्यीय कमेटी बनाई थी। इसके अलावा मार्केट रेगुलेटर सेबी को भी जांच करने के लिए कहा था।

करण अदाणी एपीएसईजेड के नए प्रबंध निदेशक, निसान मोटर्स के अश्वनी गुप्ता को बनाया गया कंपनी का नया सीईओ

अहमदाबाद । भारत की सबसे बड़ी बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स कंपनी एपीएसईजेड ने मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) करण अदाणी को प्रबंध निदेशक के रूप में पदोन्नत किया है। यह पद पहले कंपनी के अध्यक्ष गौतम अदाणी के पास था। अदाणी समूह के मालिक गौतम अदाणी को एपीएसईजेड के कार्यकारी अध्यक्ष के रूप में फिर से नामित किया गया है। यह दुनिया में सबसे तेजी से बढ़ती एकीकृत परिवहन उपयोगिताओं में से एक है। सीईओ के रूप में अपने कार्यकाल में करण अदाणी के नेतृत्व में अदानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) ने उल्लेखनीय विकास किया है। इसने देश के बुनियादी ढांचे के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। 2009 में मुंद्रा पोर्ट पर अदाणी समूह के साथ अपने करियर की शुरुआत करते हुए उन्होंने 2016 में सीईओ का पद संभाला था। जिसके बाद भारत में चार बंदरगाहों और टर्मिनलों, एपीएसईजेड पोर्टफोलियो का तेजी से विस्तार हुआ। एपीएसईजेड के बोर्ड ने निसान मोटर्स के पूर्व वैश्विक मुख्य परिचालन अधिकारी अश्वनी गुप्ता को एपीएसईजेड के नए मुख्य कार्यकारी अधिकारी के रूप में नियुक्ति को भी मंजूरी दे दी है। करण अदाणी ने कहा, हमें एपीएसईजेड के नए सीईओ के रूप में अश्विनी गुप्ता का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। उनकी नियुक्ति बंदरगाह क्षेत्र में हमारी वैश्विक नेतृत्व स्थिति को मजबूत करने के लिए एक रणनीतिक कदम है। उन्होंने कहा, हमें भरोसा है कि उनकी विशेषज्ञता, नेतृत्व कौशल और वैश्विक प्रदर्शन असाधारण विकास को बढ़ावा देंगे और विस्तार और नवाचार के लिए अदाणी समूह के दृष्टिकोण के अनुरूप नई अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देंगे। अश्वनी गुप्ता के पास दुनियाभर में प्रमुख साझेदारियों को बढ़ावा देने का एक उल्लेखनीय ट्रैक रिकॉर्ड है और उनके पास ऑटोमोटिव, खुदरा और विनिर्माण क्षेत्रों में लगभग तीन दशकों का अनुभव है।

एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर की मेजबानी के लिए तैयार झारखंड

रांची।

झारखंड एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 की मेजबानी के लिए पूरी तरह तैयार है, जो 13 से 19 जनवरी 2024 तक रांची के मारंग गोमके जयपाल सिंह एस्ट्रो टर्फ हॉकी स्टेडियम में खेला जाएगा। यह प्रतिष्ठित आयोजन वैश्विक स्तर पर होने वाले तीन ओलंपिक क्वालीफायर में से एक है, जिसके समकक्ष मस्कट, ओमान (पुरुष) और वालेंसिया, स्पेन (महिला और पुरुष) हैं। उपरोक्त आयोजन मूल रूप से चीन में आयोजित होने वाला था, लेकिन चीन की महिलाओं के पेरिस 2024 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करने के बाद हॉकी इंडिया ने एफआईएच से आयोजन स्थल को भारत में स्थानांतरित करने का अनुरोध किया। एकता और प्रत्याशा से चिह्नित एक महत्वपूर्ण अवसर पर हॉकी इंडिया ने झारखंड में आगामी एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 की मेजबानी के लिए औपचारिक रूप से समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय महिला हॉकी टीम, सचिव खेल झारखंड, आईएएस, मनोज कुमार, खेल निदेशक, झारखंड, आईएएस, सुशांत गौरव, हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह और हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर जे मनोहरन उपस्थित थे। एमओयू पर औपचारिक हस्ताक्षर ने इसमें शामिल सभी हितधारकों के बीच एक सामूहिक प्रतिबद्धता और साझा दृष्टिकोण को प्रदर्शित किया, जिसमें भारत में हॉकी के विकास को बढ़ावा देने और बढ़ावा देने के समर्पण पर जोर दिया गया, साथ ही वैश्विक हॉकी मंच पर देश की शक्ति का प्रदर्शन भी किया गया। इस महत्वपूर्ण अवसर पर हॉकी इंडिया के अध्यक्ष पद्मश्री डॉ. दिलीप टिर्की ने कहा, रांची में एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर खेल के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और उत्कृष्टता की हमारी निरंतर खोज का एक प्रमाण है। हम इसके लिए झारखंड सरकार द्वारा दिये गए समर्थन के बेहद आभारी हैं। साथ मिलकर, हमारा लक्ष्य एक यादगार और सफल टूर्नामेंट आयोजित करना, हॉकी की भावना को बढ़ावा देना और अंतरराष्ट्रीय सौहार्द को बढ़ावा देना है। हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा, एफआईएच हॉकी ओलंपिक क्वालीफायर रांची 2024 के लिए यह समझौता ज्ञापन भारत में हॉकी को बढ़ावा देने की दिशा में हमारी सामूहिक यात्रा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। हम इस विशिष्ट टूर्नामेंट की मेजबानी में झारखंड सरकार के समर्थन के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हैं।

न्यूज ब्रीफ

जूनियर पहलवानों ने बजरंग-विनेश पर लगाया करियर बर्बाद करने का आरोप, साक्षी बोलीं- मां को धमकाया जा रहा

नई दिल्ली। कुश्ती को लेकर बीते एक वर्ष से चला आ रहा विवाद सुलझने की बजाय दिन पर दिन गहराता जा रहा है। पहले ओलंपिक पदक विजेता बजरंग, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा सांसद बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ यौन उत्पीड़न के आरोपों को लेकर धरना दिया और अब इन तीनों के खिलाफ बड़ी संख्या में जूनियर पहलवानों ने जंतर-मंतर पर प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे जूनियर पहलवानों ने बजरंग, साक्षी और विनेश पर अपने स्वार्थ के लिए उनका करियर बर्बाद करने का आरोप लगाया। पहलवानों के प्रदर्शन के बाद कुश्ती की तदर्थ समिति भी हरकत में आ गई। उसने छह सप्ताह के अंदर अंडर-15 और 20 की राष्ट्रीय चैंपियनशिप कराने की घोषणा कर दी। वहीं, साक्षी ने उनकी मां को बृजभूषण के लोगों की ओर से धमकी दिए जाने का आरोप लगाया। उन्होंने यह भी कहा कि उन्हें संजय सिंह को छोड़कर नवगठित कुश्ती महासंघ से कोई एतराज नहीं है। बस बृजभूषण के करीबी संजय सिंह महासंघ के अध्यक्ष नहीं होने चाहिए। सैकड़ों की संख्या में जूनियर पहलवान जंतर-मंतर पर एकत्र हो गए। पहलवानों ने हाथों में, कर दिया देश की कुश्ती को बर्बाद, साक्षी, बजरंग, विनेश फोगाट, के नारे लिखे बैनर ले रखे थे। पहलवानों ने तकरीबन तीन घंटे तक प्रदर्शन किया। उनका आरोप था कि बजरंग, साक्षी और विनेश की वजह से उनके करियर का महत्वपूर्ण एक वर्ष बर्बाद हो गया। जूनियर पहलवान उत्तर प्रदेश, हरियाणा और दिल्ली के कई हिस्सों से बसों में आए थे। इन पहलवानों ने बजरंग, साक्षी और विनेश के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन करने वाले पहलवानों ने यह भी धमकी दी कि अगर सरकार ने 10 दिन के भारतीय कुश्ती महासंघ का निलंबन वापस नहीं लिया तो वे भी अपने पुरस्कारों को लौटाना शुरू कर देंगे। प्रदर्शन करने वाले पहलवानों ने यूनाइटेड वर्ल्ड रेसलिंग से भी अपील की है कि इन तीनों पहलवानों से हमारी कुश्ती को बचाया जाए। एशियाई खेलों के पदक विजेता और अर्जुन अवॉर्डी ग्रीको रोमन पहलवान सुनील राणा ने कहा कि अगर सरकार ने महासंघ से निलंबन वापस नहीं लिया तो जिस तरह बजरंग, विनेश ने अपने अवॉर्ड लौटाए हैं, वे भी लौटाना शुरू कर देंगे। मुज्जफरनगर स्टेडियम के प्रदीप कुमार ने कहा कि वे केवल तीन पहलवान हैं और दूसरी ओर लाख से अधिक पहलवान हैं। तीनों ने लाख से अधिक पहलवानों का कॅरिअर बर्बाद किया है। इन्होंने राष्ट्रीय पुरस्कारों की भी इज्जत नहीं की और उन्हें सड़क पर छोड़कर चले गए। तीनों लगातार कहते रहे कि वे महिलाओं और जूनियर पहलवानों के लिए लड़ रहे हैं, लेकिन उन्होंने उनका करियर खराब करने के अलावा कुछ नहीं किया। उनका प्रदर्शन महासंघ में उच्च पद हासिल करने के लिए था।

वॉर्नर ने अपने अंतिम टेस्ट में अपने साथी ह्यूज को याद किया

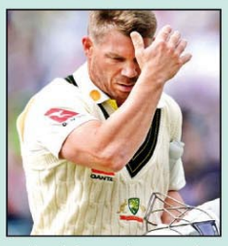

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने पाकिस्तान के खिलाफ यहां अपने विदायी टेस्ट मैच में अपने पूर्व साथी फिल ह्यूज को याद किया। ह्यूज की एकदशक पहले एक मैच के दौरान गेंद लगने से मौत हो गयी थी। वार्नर ने मैदान में उतरने से पहले पवेलियन में ह्यूज की याद में लगी स्मारक पट्टिका को भी छुआ, इस दौरान वह भावुक नजर आये। ह्यूज की 25 साल की उम्र में शेफील्ड शील्ड मैच के दौरान गर्दन पर गेंद लगने से मौत हो गयी थी। नवंबर 2014 के बाद से ही वार्नर यहां आते रहे हैं। वार्नर ने इस अवसर पर कहा कि उस दिन जब ह्यूज गिरा तो यह काफी दुखद और भयानक हादसा था। आज भी यह तस्वीर हमें झकझोर देती है, मैंने उसे हमेशा दूसरे छोर पर देखा है। सभी लड़के जानते हैं कि वह हमारे साथ कैसा था। उसका चरित्र, उसकी ऊर्जा और उसकी मुस्कान ने कमरे को रोशन कर दिया। सभी के साथ उसकी अच्छी दोस्ती थी। कोई भी उनके बारे में कभी भी बुरा शब्द नहीं कहता था। अगर आज ह्यूज होते तो वह ऑस्ट्रेलिया के सबसे महान सलामी बल्लेबाजों में से एक होते। वह अभी भी हमारे दिलों में जीवित है। उसके पास हर प्रकार का शॉट था, मैं आज भी उस पर सचमुच विश्वास करता हूं। अगर वह अभी भी हमारे साथ होता तो वह टेस्ट टीम में मेरी जगह या उस्मान ख्वाजा की जगह होता। गौरतलब है कि साल 2014 में ह्यूज के असामयिक निधन से क्रिकेट जगत सकते में आ गया था। एससीजी ने घरेलू ड्रेसिंग रूम के पास एक पट्टिका के साथ ह्यूज को श्रद्धांजलि भी थी। वार्नर हर बार इसी को छूकर मैदान में निकलते हैं। वॉर्नर का ये अंतिम टेस्ट हैं। उन्होंने इस सीरीज के पहले ही घोषणा कर दी थी कि इस मैच के बाद ही वह टेस्ट को अलविदा कह देंगे। वार्नर ने अब तक अपने टेस्ट करियर के 112 मैचों में 26 शतक लगाये हैं।

केपटाउन टेस्ट 2 दिन में खत्म

147 साल में 25वीं बार मैच 2 दिन में ओवर भारत का तीसरा ऐसा मैच, तीनों जीते

नई दिल्ली।

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच केपटाउन में खेला गया टेस्ट मैच 2 दिन में ही खत्म हो गया। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 7 विकेट से हराया। टेस्ट क्रिकेट के 147 साल के इतिहास में ऐसा सिर्फ 25वीं बार हुआ है। भारत के लिए यह सिर्फ तीसरा मौका है जब उसकी भागीदारी वाले मैच का नतीजा दो दिन में आ गया। भारत ने ऐसे तीनों में जीत हासिल की है।

1 प्रतिशत से भी कम टेस्ट 2 दिन में खत्म हुए - टेस्ट क्रिकेट की शुरुआत 1877 में हुई। तब से अब तक 2522 टेस्ट मैच खेले जा चुके हैं। इनमें से सिर्फ 25 टेस्ट मैच ऐसे हुए जिनका नतीजा दो दिन के अंदर आ गया। यानी 0.99 प्रतिशत टेस्ट ही इतनी जल्दी खत्म हुए हैं। इंग्लैंड इनमें से 12 टेस्ट मैचों का हिस्सा रहा है। वहीं, ऑस्ट्रेलिया की टीम के 12 टेस्ट मैच दो दिन में खत्म हुए हैं। साउथ अफ्रीका 10 मैचों का हिस्सा रहा। जिम्बाब्वे 4, वेस्टइंडीज 2 और पाकिस्तान 1 मैच का हिस्सा रहा है। सबसे ज्यादा 6 ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड टेस्ट मैच 2 दिन में खत्म हुए हैं। चार साउथ अफ्रीका और इंग्लैंड टेस्ट भी 2 दिन में खत्म हुए। इनमें से सबसे ज्यादा टेस्ट इंग्लैंड के मैदान पर 2 दिन में खत्म हुए। इनमें से 4 टेस्ट ऐसे थे जो लंदन के द ओवल मैदान पर हुए।

क्रिकेट के शुरुआती सालों में ज्यादा था 2 दिन का ट्रेंड - 1882 में पहली बार कोई टेस्ट मैच 2 दिन में खत्म हुआ। यह मुकाबला ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के बीच 1882 में ओवल (लंदन) में खेला गया था। 19 टेस्ट मैच 19वीं सदी (1801-1900) में 2 दिन में खत्म हुए थे। 8 टेस्ट 20वीं सदी (1901-2000) और 8 टेस्ट 21वीं सदी (2001 से अबतक) खत्म हुए हैं। एक ओर जहां पिछले 3 साल में 4 टेस्ट ऐसे हो गए जिनका नतीजा 2 दिन में आ गया, वहीं दूसरी ओर मार्च 1946 से लेकर अगस्त 2000 तक के बीच 54 साल ऐसे भी बीते जब एक भी टेस्ट मैच 2 दिन में खत्म नहीं हुआ।

भारत का सक्सेस रेट 100 प्रतिशत - 2 दिन में खत्म होने वाले टेस्ट मैचों में भारतीय टीम का सक्सेस रेट 100 प्रतिशत रहा है। जून 2018 में भारत और अफगानिस्तान के बीच बेंगलुरु में खेला गया टेस्ट मैच 2 दिन में खत्म हुआ था। यह अफगानिस्तान के क्रिकेट इतिहास का पहला टेस्ट था। वहीं, यह भारत के क्रिकेट इतिहास का पहला ऐसा टेस्ट था जो दो दिन में खत्म हुआ।

इसके बाद फरवरी 2021 में भारत और इंग्लैंड के बीच अहमदाबाद में खेला गया डे-नाइट टेस्ट मैच 2 दिन में समाप्त हुआ था। यह सिर्फ दो दिन में नतीजा देने वाला भारत का दूसरा टेस्ट था। इसमें भी टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। अब भारत ने साउथ अफ्रीका को 2 दिन में हराया है।

2 दिन में टेस्ट खत्म होने 2 बड़ी वजह

पहला- पिच गेंदबाजी के बहुत ज्यादा फेवर में - क्रिकेट बैट और बॉल के बीच सही संतुलन का खेल है। यह संतुलन जब बिगड़ता है तो नजीते भी अजीबो-गरीब आने लगते हैं। जब पिच बैट के बहुत ज्यादा फेवर में हो जाती है तो उस मैच में रन बहुत बनते हैं और विकेट बहुत कम गिरते हैं। नतीजा- बोरिंग ड्रॉ। दूसरी ओर जब पिच गेंदबाजों के बहुत ज्यादा फेवर में हो जाती है तो मैच कम समय में ही खत्म होने लगता है। कई बार तीन दिन में और कुछ मौकों पर 2 दिन में ही। आज तक कोई टेस्ट मैच 1 दिन में नतीजा नहीं दे सका है।

दूसरा: टी-20 के कारण कमजोर होती जा रही बैटिंग टेक्नीक - कम समय में मैच खत्म होने के पीछे बल्लेबाजों की लगातार कमजोर होती जा रही डिफेंसिव टेक्नीक को भी कारण बताया जाता है। इसके पीछे टी-20 फॉर्मेट को जिम्मेदार ठहराया जाता है। टी-20 लीग खेलकर ज्यादा कमाई करने की जुगत में रहने वाले बल्लेबाज आक्रामक शॉट्स की प्रैक्टिस तो खूब करते हैं लेकिन उनकी डिफेंसिव टेक्नीक कमजोर होती जाती है। सभी देशों में यह ट्रेंड दिख रहा है और इसका असर टेस्ट मैचों पर भी पड़ रहा है।

सूर्यकुमार को मिलेगा आईसीसी मेन्स टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर का अवार्ड! इन चार खिलाड़ियों के बीच है कांटे की टक्कर

नई दिल्ली।

विश्व के नंबर-1 टी20 बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव को जिम्बाब्वे के सिकंदर रजा, युगांडा के अल्पेश रमजानी और न्यूजीलैंड के मार्क चैपमैन के साथ आईसीसी पुरुष टी20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर 2023 पुरस्कार के लिए नामांकित किया गया है।

बता दें कि सूर्यकुमार यादव टी20 नंबर वन के बल्लेबाज हैं। भारत के इस स्टार खिलाड़ी ने टी20 क्रिकेट में अपना दबदबा कायम रखा हुआ है। सूर्यकुमार यादव ने साल 2023 में भारत के लिए टी20 क्रिकेट में काफी अच्छा प्रदर्शन करते हुए सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। सूर्यकुमार ने 17 पारियों में 48.86 की औसत और 155.95 की स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए हैं।

सिकंदर रजा ने किया है ऑलराउंड प्रदर्शन

वहीं, जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा भी इस लिस्ट में शामिल हैं। सिकंदर रजा ने साल 2023 में 11 पारियों में 51.50 की औसत और 150.14 की स्ट्राइक रेट से 515 रन बनाए हैं। वहीं, इस दौरान 14.88 की औसत और 6.57 की इकोनॉमी से 17 विकेट लिए हैं।

युगांडा के अल्पेश ने सभी को चौंकाया

युगांडा के अल्पेश रमजानी के दमदार प्रदर्शन के चलते टीम ने टी20 वर्ल्ड कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। जिम्बाब्वे को हराने में रमजानी ने अहम भूमिका निभाई थी। इसके अलावा केन्या के खिलाफ 3 ओवर में 12 रन देकर 2 विकेट चटकाए थे। रमजानी ने इस साल 8.98 की औसत और 4.77 की इकोनॉमी से 55 विकेट लिए हैं।

मार्क चैपमैन न्यूजीलैंड के धाकड़ खिलाड़ी

मार्क चैपमैन ने न्यूजीलैंड के लिए बल्ले से जोरदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने 145.54 की स्ट्राइक रेट और 50.54 की औसत से बल्लेबाजी करते हुए नंबर-4 और नंबर-5 पर न्यूजीलैंड के लिए कई अहम पारियां खेली हैं। चैपमैन ने 19 पारियां 44.3 की औसत और 141.87 की स्ट्राइक रेट से 576 रन बना हैं।

टी20 विश्वकप में अमेरिकी टीम की ओर से खेलेंगे उन्मुक्त

नई दिल्ली।

भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान रहे उन्मुक्त को लंबे इंतजार के बाद भी भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी। इसके बाद उन्मुक्त 28 साल की उम्र में ही संन्यास लेकर अमेरिकी लीग खेलने चले गये थे। अब माना जा रहा है कि अगले साल अमेरिका में होने वाले टी20 विश्वकप में वह अमेरिकी टीम की ओर से खेल सकते हैं। उन्मुक्त ने कुछ समय पहले कहा था 'मैं अमेरिकी क्रिकेट की दीर्घकालिक प्रगति का हिस्सा बना और अपने क्रिकेट करियर में नया कदम उठाया है। मेजर लीग क्रिकेट के शुरू होने की मुझे खुशी है। माइनर लीग क्रिकेट में स्ट्राइकर्स की ओर से खेलने का मौका मिलने से मैं उत्साहित हूं।' जिस प्रकार से उन्मुक्त चंद ने अमेरिका क्रिकेट में अपने कदम रखे हैं, ऐसे में इस बड़े टूर्नामेंट में इस टीम की तरफ से खेल सकते हैं।

उन्मुक्त ने साल 2012 में भारतीय अंडर-19 टीम को विश्व कप में जीत दिलाई थी। उस दौरान भारत की राष्ट्रीय टीम में वीरेंद्र सहवाग, गौतम गंभीर और शिखर धवन जैसे दिग्गज खिलाड़ी थे। ऐसे में इस युवा को अवसर नहीं मिल पाया। इसके बाद उन्होंने काफी समय तक घरेलू क्रिकेट में खेला पर जब उन्हें लगा की अब भारतीय टीम में जगह नहीं मिलेगी तो वह देश से बाहर चले गये। उन्मुक्त ऑस्ट्रेलियाई बिग बैश लीग खेलने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी भी हैं। इसके अलावा उन्होंने आईपीएल में दिल्ली, मुंबई और राजस्थान जैसी

टीमों के लिए खेला है हालांकि वह अपने प्रदर्शन से प्रभावित नहीं कर पाये। टी20 विश्व कप 2024 अमेरिका में होना है और नियम के अनुसार टूर्नामेंट की मेजबानी करने वाला देश पहले ही क्वालीफाई हो जाता है। ऐसे में उन्मुक्त को अमेरिकी टीम से खेलते हुए देखा जा सकता है।

प्लिसकोवा ब्रिसबेन इंटरनेशनल के अंतिम-16 में, पोलैंड यूनाइटेड कप के सेमीफाइनल में पहुंचा

नई दिल्ली।

तीन बार की विजेता कैरोलिना प्लिसकोवा ने अपना विजयी अभियान जारी रखते हुए मां बनने के बाद पहला टूर्नामेंट खेल रही नाओमी ओसाका को हरा दिया। प्लिसकोवा ने ब्रिसबेन इंटरनेशनल के दूसरे दौर में 3-6, 7-6, 6-4 से अपने नाम करके अंतिम-16 में जगह बनाई। दो बार अमेरिकी ओपन और ऑस्ट्रेलियाई ओपन का खिताब जीतने वाली ओसाका ने पहले मैच में तमारा कोर्पेश को सीधे सेटों में हराया था। यह मई 2022 के बाद एलीट स्तर पर उनका पहला मैच था। जुलाई में ओसाका ने बेटी को जन्म दिया था। प्लिसकोवा का अगले दौर में मुकाबला येलेना ओस्टापेंको से होगा। अन्य मैचों में शीर्ष वरीयता प्राप्त गत ऑस्ट्रेलियाई ओपन विजेता एरिना सबालेंका ने इटली की लूसिया ब्रोंजेटी को 6-3, 6-0 से मात दी। दूसरी वरीयता प्राप्त एलेना रिबाकिना का सामना ओलिविया गाडेकी से होगा।

पोलैंड ने चीन को यूनाइटेड कप में हराया

पोलैंड ने चीन को 3-0 से हराकर यूनाइटेड कप टेनिस के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि फ्रांस ने इटली को हराकर अंतिम-आठ में जगह बनाई। शीर्ष वरीयता प्राप्त इगा स्वियातेक ने दुनिया की 14वें नंबर की खिलाड़ी झेंग किनवेन को महिला एकल में 6-2, 6-3 से हराया। वहीं, हुबर्ट हुरकाज ने झांग झिंजेन को पुरुष एकल में 6-3, 6-4 से मात दी। मिश्रित युगल में कैटरीना पीटर और जान जीलिंस्की ने याउ शियाओदी और सुन फाजिंग को 6-3, 5-7, 10-7 से शिकस्त दी। यूनान को कनाडा से खेलना है और अगले दौर में पहुंचने के लिए उसे हर हालत में यह मैच जीतना होगा। वहीं, सर्बिया की टक्कर ऑस्ट्रेलिया से होगी।

नवारो ऑकलैंड टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में

अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने आठ महीने के ब्रेक के बाद वापसी करते हुए ऑकलैंड टेनिस क्लासिक के दूसरे दौर में मारी बूजकोवा को 6-0, 6-1 से हराया। मानसिक स्वास्थ्य कारणों और थकान की वजह से टेनिस से ब्रेक लेने के बाद अमांडा ने वापसी की है। अमेरिकी ओपन जूनियर चैंपियन रह चुकी अमांडा फ्रेंच ओपन 2019 सेमीफाइनल खेल चुकी हैं। इससे पहले अमेरिका की चौथी वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो ने एलिना अवानेसियान को 6-1, 6-2 से शिकस्त दी थी।

कदम-कदम पर खड़ी मौत को दी मात

किसान की बेटी ने जर्मनी में लहराया परचम; क्रास कंट्री स्कीइंग में जीता गोल्ड

जींद।

गांव सुदकैन खुर्द के किसान परिवार से संबंध रखने वाली विकास राणा ने जर्मनी में हुई क्रास कंट्री स्कीइंग में देश के लिए पहला स्वर्ण पदक जीता है। विकास राणा का परिवार खेती करता है और उसने बिना किसी सरकारी सहायता के स्कीइंग का अभ्यास किया और अब देश के लिए स्वर्ण पदक जीता है। विपरीत हालात से लड़कर चैंपियन बनने वाली विकास की इच्छा विंटर ओलंपिक गेम्स में स्वर्ण पदक जीतना है।

विकास राणा के जींद पहुंचने पर विभिन्न संगठनों द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन कर देश का नाम स्वर्ण अक्षरों में लिखवाने वाली बेटी को सम्मानित करेंगे। विकास राणा की उपलब्धि पर आगामी अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर चंडीगढ़ में सरकार की तरफ से सम्मानित किया जाएगा। कई रिकार्ड अपने नाम कर चुकीं विकास राणा को इससे पहले सरकार की तरफ से कोई मदद नहीं मिला थी, फिर भी वह हार नहीं मानीं और लगातार संघर्ष जारी रखा।

विकास को नहीं मिली कोई आर्थिक मदद

विकास राणा ने 2020 में गुलमर्ग में हुए खेलो इंडिया विंटर गेम्स में दिल्ली की तरफ से खेलते हुए दो स्वर्ण पदक जीते थे। विकास के मन में शुरुआत से ही टीस है कि हरियाणा की तरफ से खेले और स्वर्ण पदक जीते, लेकिन प्रदेश सरकार ने अभी तक विकास को न तो कोई आर्थिक मदद दी है और न ही किसी प्रतियोगिता में स्पांसर किया है।

यह कारनामा करने वाली पहली खिलाड़ी

पर्वतों पर चढ़ने के अलावा स्कीइंग के खेल में किस्मत आजमा रही राणा लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। वर्ष 2018 में विकास ने यूरोप की सबसे ऊंची चोटी माउंट एल्ब्रुस पर्वत पर 5642 मीटर की ऊंचाई से स्कीइंग करते हुए नीचे आईं। यह साहसिक कारनामा करने वाली वह देश की पहली खिलाड़ी बनीं। स्कीइंग में विकास ने

2017 में जापान में हुए विंटर एशियन गेम्स में देश का प्रतिनिधित्व किया था। विकास राणा ने पांच और दस किलोमीटर नॉर्डिक स्कीइंग में स्वर्ण पदक जीते।

विकास राणा की उपलब्धियां

- 1. गुलमर्ग कश्मीर में हुए खेलों इंडिया 2020 के विंटर गेम्स में 5 व 10 किलोमीटर में दो स्वर्ण पदक जीते।
- 2. राष्ट्रीय खेल -2018 गुलमर्ग कश्मीर में 1.6 किलोमीटर स्प्रिंट में रजत पदक जीता।
- 3. जापान में हुए विंटर एशियन गेम्स-2017 में देश का प्रतिनिधित्व किया।
- 4. गुलमर्ग में 2016 में हुए नेशनल गेम्स में चौथा स्थान प्राप्त किया।
- 5. उत्तराखंड के ओली में 2015 में हुए नेशनल गेम्स में चौथा स्थान हासिल किया।

हरियाणा की इकलौती स्कीइंग खिलाड़ी

विकास राणा हरियाणा की इकलौती खिलाड़ी है, जो स्कीइंग खेल में दम दिखा रही हैं। हरियाणा के ज्यादातर लोगों को स्कीइंग खेल के बारे में भी पता नहीं है, लेकिन विकास ने विपरीत हालात के बावजूद संघर्ष किया। स्कीइंग करते समय दोनों पैरों के नीचे लकड़ी के स्कीज पहनकर बर्फ पर फिसलते हैं। हाथों में स्टिक होती है। इसमें चोट लगने का खतरा भी रहता है। गुलमर्ग में माइनस 2 से 15 डिग्री तापमान में प्रैक्टिस करनी पड़ती है।

सरकार से अभी तक मदद नहीं मिली

विकास राणा कहती हैं कि स्कीइंग महंगा खेल है। एक दिन का रहने और खाने का खर्च 1500 रुपये है। वर्ष 2019 में एक बार मैंने खेल छोड़ने का मन बना लिया था, लेकिन इंडियन आयल कंपनी मदद के लिए आगे आई और स्पांसर किया। हरियाणा सरकार की तरफ से मदद नहीं मिलने पर मैं निराश जरूर हूं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि कभी न कभी मदद जरूर मिलेगी।

स्वास्थ्य

पेन किलर खा रहे हैं तो जान लें इसके नुकसान

कई बार जरूरत से ज्यादा काम करना, आराम न करना, किसी तनाव के कारण सिरदर्द या बदन दर्द होने लगता है। दर्द से राहत पाने के लिए बहुत से लोग पेन किलर दवाओं का सेवन करते हैं। ये दवाएं कुछ ही देर में दर्द को खत्म कर देती हैं लेकिन हम नहीं जानते की जल्दी राहत पहुंचाने वाली दवाएं आगे चलकर कितनी खतरनाक हो सकती हैं। आज हम आपको यही बताएंगे की पेन किलर दवाएं स्वास्थ्य को कितना नुकसान पहुंचा सकती है।

लीवर पर प्रभाव

पेन किलर दवाइयों में एसिटामिनोफेन होता है। जो हमारे स्वास्थ पर बुरा प्रभाव डालती हैं। इन दवाओं को जरुरत से ज्यादा खाने से लिवर खराब हो सकता है। पेन किलर लिवर को खराब करने के साथ किडनी को भी नुकसान पहुंचाती हैं।

पेट में अल्सर

पेट में अल्सर की समस्या किसी भी उम्र में हो सकती है। इसका कारण गलत खान-पान या पेन किलर दवाएं भी हो सकती हैं क्योंकि इन में एस्पिरिन ज्यादा होता है। जो पेट संबंधित समस्याओं को बढ़ा देते है।

गर्भपात

प्रैग्नेंट महिलाओं को पेन किलर दवाओं का सेवन नहीं करना चाहिए। इस अवस्था में दवाओं का ज्यादा सेवन करने से कई बार गर्भपात भी हो सकता हैं। गर्भवती महिलाओं को डॉक्टर की सलाह से ही दवाएं लेनी चाहिए।

ब्लड प्रैशर बढ़ना

बार-बार दर्द निवारक दवाओं का सेवन करने से व्यक्ति को इनकी लत लग जाती है। इन दवाओं को लगातार खाने से खून पतला पड़ जाता है, जिससे खून जमने लगता है और ब्लड प्रेशर बढ़ने का खतरा बना रहता है।

डिप्रैशन का कारण

इन दवाओं का लगातार सेवन करने से कई बार डिप्रैशन की समस्या भी होने लगती है इसलिए जितना हो सके दवाओं का कम सेवन करना चाहिए।

आपके ऑफिस के ड्रॉवर में जरूर रखें ये स्नैक्स

जब हमें कोई स्वास्थ्यगत समस्या आती है, तभी हम अपनी सेहत को लेकर अलर्ट होते हैं। तो इससे पहले कि आपका शरीर आपको कोई चेतावनी दे, आपको खुद ही उसकी जरूरतों को समझना चाहिए। ऑफिस कैंटीन या फिर किसी कैफेटेरिया या पिज्जा हाउस से जंक मंगवाकर खाने के बजाए आप अपनी डेस्क में ही कुछ ऐसी चीजें रखें जिनसे पेट भी भरे और आपकी सेहत पर खराब प्रभाव भी न पड़े।

बीज : जी हां, बीज.... ! तरबूज, खरबूज के बीज या फिर मूंगफली के दाने आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में हमेशा रखें। एक तो ये चीजें जल्दी खराब नहीं होतीं, दूसरे ये प्रोटीन का अच्छा स्रोत होती हैं।

सूखे फलः सूखे फल जैसे किशमिश, खुबानी, खजूर या सूखे सेब जैसी चीजें भी आप अपने पास रख सकते हैं। ये फाइबर के स्रोत हैं और न्यूट्रिशियस भी हैं। ध्यान यह रहे कि आप इनके साथ शकर न लें।

क्रैकर्स : क्रैकर्स भी स्नैक्स टाइम में खाने लायक चीजें हैं। भारतीय खाने में मठरी, खाखरे, रोस्टेड पापड़ आदि आप अपने साथ रखें। रोस्टेड धान जैसे ज्वार, गेहूं आदि भी आप इसमें शामिल कर सकते हैं। बस, इन्हें ज्यादा मात्रा में न खाएं।

पॉपकॉर्नः पॉपकॉर्न भी आप अपने साथ रख सकते हैं। पॉपकॉर्न बनाते हुए इसमें थोड़ा नमक, काली मिर्च, हल्दी, जीरा आदि डाल लें। इससे यह

आपके नमकीन खाने की इच्छा को भी संतुष्ट करेगा।

डार्क चॉकलेट : यदि आपको पसंद है तो आप अपने स्नैक्स टाइम में एक-दो क्यूब्स डार्क चॉकलेट भी ले सकते हैं। कोको मैग्निशियम का बड़ा सोर्स है और मैग्निशियम एक स्वाभाविक स्ट्रैस रिलीवर है।

भुना चनाः आप चाहे जो अपनी डेस्क के ड्रॉवर में रखें लेकिन जो बात भुने हुए चने में है, वह किसी और में नहीं होगी। ये प्रोटीन का पंच हुआ करते हैं।

मसाला परमलः ये विशुद्ध देसी स्नैक है, जिसे आप अपने साथ रख सकते हैं। सूखा व हल्का होने से यह रखने में आसान है। मसाला परमल आपकी हर तरह के स्वाद की इच्छा को पूरा करने की क्षमता रखता है। इसमें तेल नहीं होने से यह स्वास्थ्य के लिए अच्छा होता है।

नट्सः नट्स आप अपनी डेस्क की ड्रॉवर में रख सकते हैं। ये सूखे रहते हैं और एनर्जी सोर्स होने के साथ ही जल्दी भूख मिटाने वाले भी होते हैं। आप बादाम, काजू, अखरोट और चिलगोजे अपने साथ रख सकते हैं। स्नैक्स टाइम में या फिर जब भी भूख लगे, आप इन्हें खा सकते हैं। ये भी प्रोटीन के अच्छे स्रोत माने जाते हैं।

कभी भी कलीग्स के साथ शेयर न करें ये बातें..

चाहे आप ऑफिस में नए हों या पुराने, कलीग्स के साथ हमेशा सीमित बातें ही करनी चाहिए। आपको अपने ऑफिस के दोस्तों को क्या और कितनी बातें बतानी हैं ये आपको पहले से ही पता होना चाहिए। कुछ लोगों की आदत होती हैं कि वे दूसरों की निजी जिंदगी के बारे में सब जानना चाहते हैं जिस वजह से वह आपसे आपकी पर्सनल लाइफ के बारे में बहुत सवाल पूछते हैं÷

आपको ऐसे लोगों से बच कर रहना चाहिए क्योंकि यही लोग आगे चलकर छोटी छोटी बातों का बतंगड़ बनाने में देरी नहीं करते, इसलिए कभी भी अपनी निजी जिंदगी की यह बातें दूसरों से सांझा करने से पहले एक बार जरूर सोचें । आइए जानते हैं वे कौन- सी बातें हैं जो कभी अपने कलीग्स से सांझा नहीं करनी चाहिए।

हंस कर टाल दें: आपकी सैलरी कितनी है यह पूछने का हक किसी को नहीं होता, पर फिर भी कुछ लोग मानते नहीं हैं। अगर आपसे भी कोई यह सवाल पूछे तो हंस कर टाल दें। ज्यादा पूछने पर आप यह भी कह सकते हैं की जितनी सैलरी मिल रही हैं आप उसी में खुश हैं और इससे ज्यादा क्या चाहिए।

भविष्य की योजनाओं के बारे में: अगर आपका अपनी वर्तमान कंपनी को जल्द ही छोड़ने का इरादा हो या आपके पास कोई अच्छा ऑफर आया हो, आगे बढ़ने के लिए कुछ टाइम का ब्रेक चाहिए हो या आप विदेश जाने की सोच रहे हों, तो इन बातों को अपने तक ही सीमित रखें। किसी भी कलीग से इन बातों को शेयर करना सही नहीं होगा। फिर चाहे आप दोनों के रिश्ते कितने भी अच्छे क्यों न हों।

निजी जिंदगी के बारे में चर्चा: अपने पारिवारिक रहन-सहन, रिलेशनशिप और विवाद के बारे में ऑफिस में ना बताएं। पर्सनल बातें जैसे प्रॉपर्टी, इन्वेस्टमेंट जैसी बातें किसी को न बताएं। अगर आप अपनी परिवार के साथ नहीं रहते, अकेले रहते हैं और आपको किसी की सलाह चाहिए तो आप ऑफिस के कलीग से पूछने की जगह अपने विश्वसनीय दोस्त से पूछें जिससे आपको फायदा होगा।

सौंदर्य

ये है फटे होंठों की परेशानी को खत्म करने का सबसे आसान तरीका

सर्दियों में त्वचा नमी खोने लगती है, इस वजह से होंठ भी फटने लग जाते हैं. फटे होंठ जहां चेहरे पर बदसूरती का अहसास कराते हैं. वहीं, दूसरी ओर काफी दर्द भी देते हैं. ब्यूटी एक्सपर्ट शहनाज हुसैन का मानना है कि नारियल तेल और ऑर्गन तेल से बने लिप बाम और लिपिस्टिक के प्रयोग से होठों को फटने से बचाया जा सकता है. उन्होंने कहा कि सर्दी के मौसम में नमी की कमी के अलावा शरीर में पोषाहार तत्वों की कमी की वजह से भी होंठ फट जाते हैं. शरीर में विटामिन-ए, सी तथा बी-2 की कमी से कई बार होठों में दरारें आ जाती हैं और खून बहना शुरू हो जाता है.

उन्होंने कहा कि सर्दियों में अगर आपके होंठ लगातार फट रहे हैं और सामान्य घरेलू उपचारों से राहत नहीं मिल रही है, तो आप महंगे ब्यूटी प्रोडक्ट्स की बजाय अपने खान-पान पर ज्यादा ध्यान दें. खट्टे फल, पका पपीता, टमाटर, हरी पत्तों वाली सब्जियां, गाजर और दूध वाले पदार्थों को अपनी डाइट में शामिल करें, लेकिन आप अगर डायबिटिज या हाई ब्लड प्रेशर की समस्या से भी जूझ रहे हों तो डॉक्टर की सलाह से अपनी डाइट में बदलाव करें.

शहनाज हुसैन ने कहा कि सर्दियों में अपने होठों को जीभ से ना छुएं. इससे होठ ड्राय होने लगते हैं और फिर फटने लगते हैं. होठों की स्किन पतली तथा संवेदनशील होती है, जिससे यह सर्दियों में फट जाती है. सर्दियों में चेहरे को धोने के बाद होठों को मुलायम तौलिए से हल्के से पोंछना चाहिए, ताकि डेड स्किन को हटाया जा सके. रोज़ाना रात में एक घंटे तक होठों पर मलाई लगाकर रखें, इससे होंठ मुलायम और गुलाबी हो जाएंगे.

उन्होंने कहा कि रात में शुद्ध बादाम तेल और ऑर्गन तेल होंठों पर लगाना चाहिए. ऑर्गन आयल अनसैचुरेटेड फैटी एसिड से भरपूर होता है. इसका प्रयोग क्रीम, लोशन, फेश पैक और हेयर ऑयल जैसे ब्यूटी प्रोडक्ट्स में किया जाता है. यह त्वचा के लचीलेपन जैसे गुणों को बनाए रखकर बुढ़ापे के लक्षणों को रोकता है. आर्गन आयल की बूंदों को आप सीधे होठों पर मालिश कर सकते हैं.

उन्होंने कहा कि नारियल तेल को पोषक तथा नमी बनाए रखने के गुणों से भरपूर माना जाता है. यह त्वचा को मुलायम तथा कोमल बनाता है. इसे होठों पर लगाने से सूर्य की अल्ट्रा वायलेट किरणों के नुकसान को रोका जा सकता है और यह त्वचा की क्रीम से बेहतर सुरक्षा कवच प्रदान करता है. इसे चेहरे का मेकअप हटाने के लिए इस्तेमाल किया जा सकता है.

होंठों को फटने से बचाने के लिए इश रूटीन को फॉलो करें

1. अपने होठों पर साबुन या पाउडर के प्रयोग से परहेज करें. होठों पर बाम लगाएं और ड्राय लिपस्टिक लगाने से बचें.
2. होठों पर रोज़ाना रात में बादाम तेल या क्रीम लगाकर सोएं.
3. लिपस्टिक क्लीजिंग मिल्क से हटाएं.
4. सर्दियों में अपने होठों को जीभ से कभी टच ना करें.

खतरनाक है अगरबत्ती का धुआं

भारतीय लोग पूजा-पाठ में काफी विश्वास रखते हैं तो ऐसे में हर घर में सुबह-शाम अगरबत्ती और धूपबत्ती का इस्तेमाल किया जाता है। लोगों के अनुसार शाम के समय अगरबत्ती जलाने से घर का वातावरण शुद्द होता है लेकिन कुछ घरों में इसका ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है जिससे कई बार शरीर को बीमारी होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से सांस की परेशानी हो जाती है। इसके अलावा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं से और भी कई समस्याएं हो सकती हैं जिसके बारे में लोगों को जरूर पता होना चाहिए।

कफ जिन घरों में अगरबत्ती का ज्यादा इस्तेमाल किया जाता है वहां कई बीमरियां होने का खतरा रहता है। अगरबत्ती के धुएं से कार्बनमोनोऑक्साइड निकलती है जो फेफड़ों को नुकसान पहुंचाती है। इस धुएं में सांस लेने से कफ और छींकने की समस्या हो जाती है और छाती में रेशा और बलगम जम जाती है जिससे काफी परेशानी होती है।

अस्थमा अगरबत्ती या धूपबत्ती के धुएं में अधिक देर तक सांस लेने से सांस की समस्या हो जाती है। इसमें मौजूद नाइट्रोजन और सल्फर डाईऑक्साइड गैस शरीर में चली जाती है जिससे अस्थमा और सीओपीडी जैसी समस्याएं हो सकती हैं।

त्वचा और आंखें

ज्यादा देर तक अगरबत्ती के धुएं में रहने से स्किन प्रॉब्लम हो जाती है और आंखों में भी जलन होने लगती है। अगरबत्ती के धुएं में मौजूद केमिकल के संपर्क में आने से त्वचा और आंखों में जलन और खुजली होने लगती है जिससे आंखे खराब हो जाती हैं।

मस्तिष्क

अगरबत्ती के धुएं की वजह से दिमाग की कोशिकाएं प्रभावित होती है जिससे सिरदर्द और माइग्रेन जैसी समस्या हो सकती है।

दिल

स्वस्थ शरीर के लिए दिल का तंदुरुस्त होना भी बहुत जरूरी है। ऐसे में जब रोजाना अगरबत्ती का धुआं सांस के साथ शरीर में जाता है तो इससे दिल की कोशिकाएं सिकुड़ना शुरू हो जाती हैं जिससे हार्ट अटैक होने का खतरा बना रहता है।

बने रहना है जवान तो, रोज खाइए बस एक आंवला

आंवला को हर मर्ज की दवा भी कहा जाता है. कहते हैं, बुजुर्गो की बात का और आंवले के स्वाद का पता बाद में चलता है. आंवला को प्राचीन आयुर्वेदिक प्रणाली में कई तरह के रोगों के इलाज के लिए लगभग पांच हजार साल से इस्तेमाल किया जा रहा है. इसका नियमित सेवन दिल की बीमारी, डायबिटीज, बवासीर, अल्सर, दमा, ब्रॉन्काइटिस और फेफड़ों की बीमारी में राम बाण का काम करता है. पतंजलि योगपीठ हरिद्वार के आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आंवला के सेवन से बुढ़ापा दूर रहता है, यौवन बरकरार रहता है, पाचन तंत्र दुरुस्त रहता है, आंखों की रोशनी, स्मरण शक्ति बढ़ती है, त्वचा और बालों को पोषण मिलता है.

आंवले के 10 ऐसे फायदे जिन्हें जानना आपके लिए है बेहद जरूरी

आचार्य बालकृष्ण के मुताबिक लंबी उम्र के लिए आंवला चूर्ण रात के समय घी, शहद

या पानी के साथ सेवन करना चाहिए. इसी तरह आंवला चूर्ण 3 से 6 ग्राम लेकर आंवले के स्वरस और 2 चम्मच शहद और 1 चम्मच घी के साथ दिन में दो बार चटाकर दूध पीयें, इससे बुढ़ापा जाता है, आप जवान बने रहते हैं.

उन्होंने कहा कि आंवला, रीठा, शिकाकाई तीनों का काथ बनाकर सिर धोने से बाल मुलायम, घने और लंबे होते हैं. सूखे आंवले 30 ग्राम, बहेड़ा 10 ग्राम, आम की गुठली की गिरी 50 ग्राम और लोह चूर्ण 10 ग्राम रातभर कढ़ाई में भिगोकर रखें और बालों पर इसका लेप लगाने से छोटी उम्र में सफेद हुए बाल कुछ ही दिनों में काले पड़ जाते हैं.

आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि आंवले के 20 मिलीलीटर रस में 5 ग्राम शक्कर और 10 ग्राम शहद पीने से योनिदाह में अत्यंत आराम होता है. इसी तरह आंवले के बीज 3 से 6 ग्राम जल में ठंडाई की तरह पीस-छानकर उसमें शहद और मिश्री मिलाकर पिलाने से तीन दिन में ही श्वेतप्रदर यानी कि ल्यूकोरिआ में खास फायदा होता है.

इन बीमारियों में ऐसे करें आंवले का इस्तेमाल

नेत्ररोगः 20-50 ग्राम आंवलों को जौकुट कर दो घंटे तक आधा किलोग्राम पानी में औटाकार उस जल को छानकर दिन में तीन बार आंखों में डालने से नेत्र रोगों में लाभ मिलता है.

नकसीः जामुन, आम और आंवले को बारीक पीसकर माथे पर लेप करने से नाक से खून आना बंद हो जाता है.

रेसिपी

गुड़ का हलवा

सामग्री

3/4 कटोरी आटा, 1/4 कटोरी रवा, 1/2 कटोरी घी, 1 1/2 कटोरी गुड़ या गुड़ का बूरा (बाज़ार में उपलब्ध), पानी, आवश्यकतानुसार, 2 टेबलस्पून कटे हुए ड्राय फ्रूट्स + सजाने के लिए अतिरिक्त

विधि

एक पैन में घी डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. अब इसमें रवा डालकर दो मिनट भूनें। फर आटा डालकर धीमी आंच पर आटे के रंग बदलने और खुशबू आने तक (लगभग 15 मिनट) भूनें। जब यह अच्छी तरह भुन जाए तो इसमें ड्राय फ्रुट्स डालकर एक मिनट और भूनें। अब इसमें पानी डालें (लगभग 3 कटोरी) और अच्छी तरह चलाएं, ताकि गांठें न बनने पाएं। फिर गुड़ डालकर अच्छी तरह मिलाएं। चलाती रहें, जब हलवा तली से अलग होने लगे आंच से उतार लें। ड्रायफ्रुट्स से सजाकर गर्म-गर्म परोसें।

काजू-मक्खनवाला पनीर

सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 1 टेबलस्पून अदरक-लहसुन का पेस्ट, 40 ग्राम काजू का पेस्ट, 3 टेबलस्पून मगज पेस्ट (बाजार में उपलब्ध), 2 टीस्पून कसूरी मेथी, 2 टीस्पून मक्खन, 1 टीस्पून धनिया पाउडर, 1 टेबलस्पून जीरा पाउडर, 1 टेबलस्पून गरम मसाला पाउडर, 20 मिली क्रीम + 10 मिली सजाने के लिए, 2 टेबलस्पून मक्खन, 400 ग्राम पनीर, चौकोर टुकड़ों में कटा हुआ।

विधि

एक पैन में तेल गर्म करें। इसमें अदरक-लहसुन पेस्ट डालें। अब काजू और मग़ज पेस्ट डालकर कुछ मिनट तक चलाएं। बचे हुए मसाले डालकर कुछ देर और चलाएं। 20 मिली क्रीम और मक्खन डालें। अच्छी तरह मिलाएं। सर्व करने से पहले पनीर के टुकड़े डालें। क्रीम से सजाएं और सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**